जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, शनिवार 29 अगस्त, 2026

KEDIA सेजस्थान
अजमेर रोड़, जयपुर

RERA No. RAJ/P/2023/2387

परसों 5 लाख रेट बढ़ेगी !

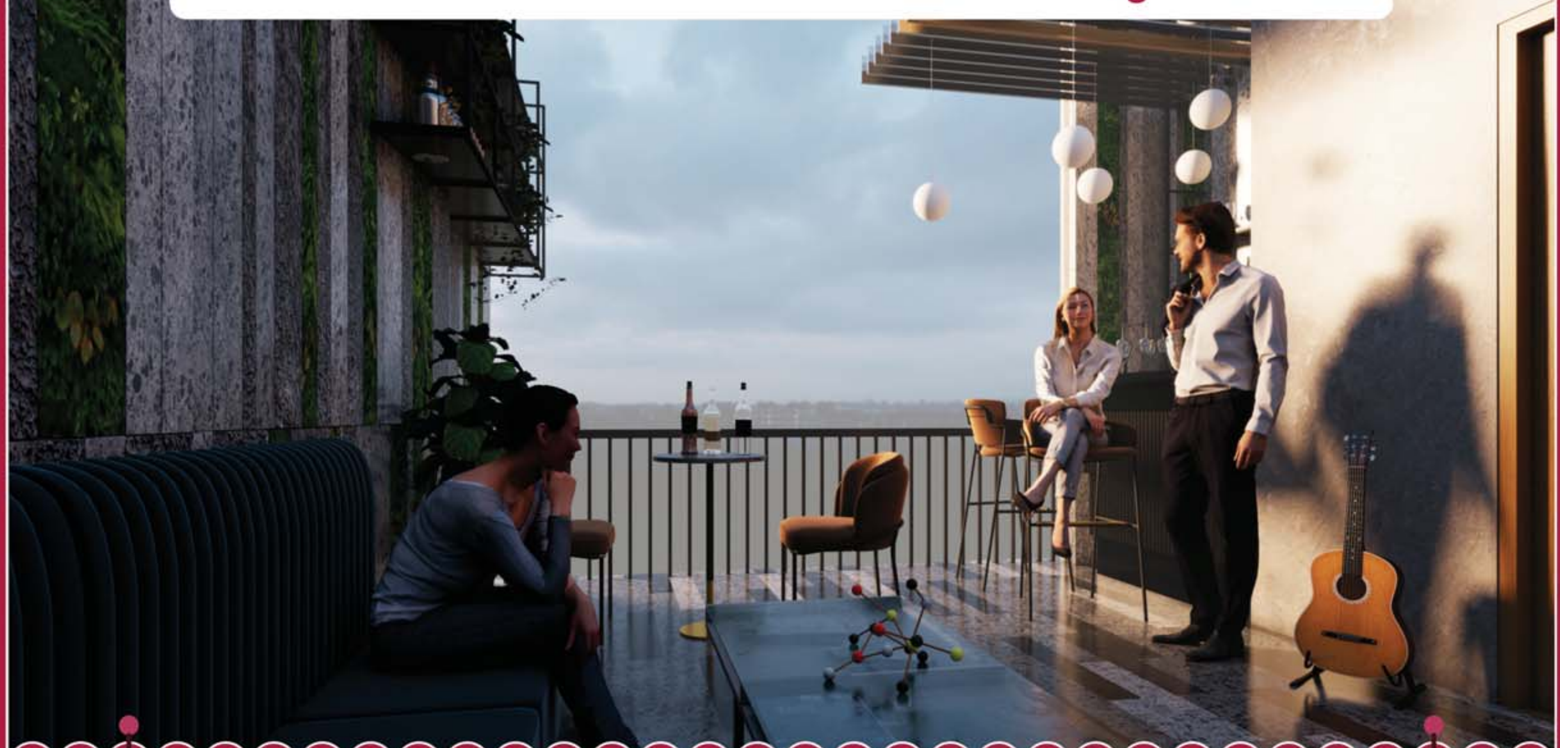

FIXED PRICE

NO MIDDLE MEN

₹4300/- Sq ft में फ्लैट ! दिसंबर तक 25 लाख रेट बढेगी ₹5500/- Sq ft में कोठी !

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

RAJ/P/2026/5326

KEDIA आरण्यम
ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.

अब आपका Address आपका Status बताएगा !

नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

प्री-लॉन्च रेट ₹16500/ वर्ग गज

लॉन्च रेट ₹18000/ वर्ग गज

दिवाली की रेट ₹20000/ वर्ग गज

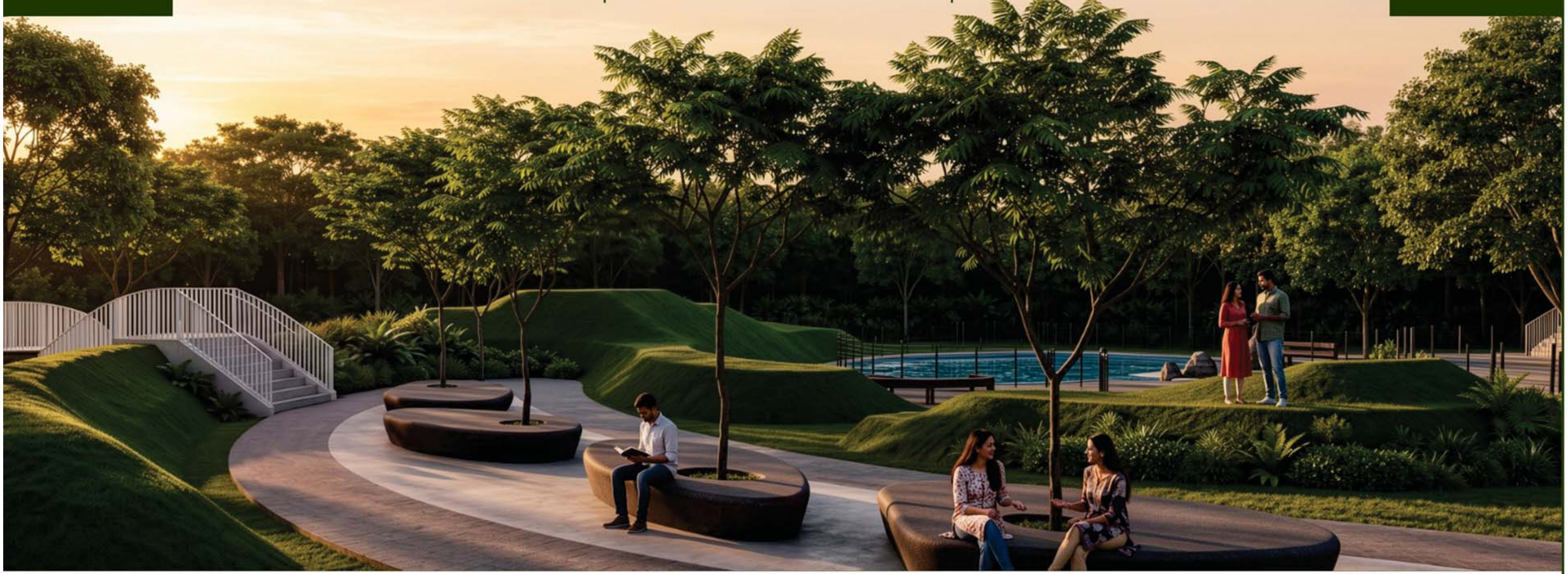

KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com

T&C Apply*

विचार बिन्दु

पछतावा हृदय की वेदना है और निर्मल जीवन का उदय। –शेक्सपियर

बाजार में नकली, घटिया और मिलावटी दवाओं का बोलबाला

आम आदमी अंग्रेजी दवाओं के सेवन को लेकर आजकल भयाक्रांत है। वह डॉक्टर के पर्चे पर जो दवा लेने जाता है तो इस विश्वास के साथ खरीदता है कि उसकी बीमारी जल्दी ठीक होगी। मगर साधारण सर्दी, जुकाम, बुखार जैसी बीमारियां भी हफ़्तों ठीक नहीं होती तो उसे दवाओं की गुणवत्ता पर संदेह होना स्वाभाविक है। इस पर जब आये दिन केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं की दवाओं के सैंपल फेल होने की जानकारी अख़बारों से मिलती है तो उसकी बीमारी और बढ़ जाती है। जब तक दवाओं के सैंपल फेल होने की रिपोर्टें मिलती है तब तक ये दवाएं बाजार में बिक चुकी होती है। ये एक दिन की कहानी नहीं है, अक्सर ऐसा होता आया है। कहने का अर्थ है आग में घी डालने की बात यहाँ चरितार्थ होती है। हर माह औषधि नियंत्रण संगठन से देशभर में सौ से अधिक दवाओं के अमानक घोषित होने की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिलती है। साल भर की गिनती करें तो यह संख्या हज़ारों में होती है। इसका सीधा मतलब है बाज़ारों में नकली घटिया और मिलावटी दवाएं प्रचूर मात्रा में उपलब्ध है।

भारत में नकली, घटिया और अवैध दवाओं का धंधा तेजी से फैल रहा है, जिसकी वजह से रोगियों की जान जोखिम में है। विशेषज्ञों के मुताबिक जो दवाएं धोखाधड़ी से निर्मित या पैक की गई हैं, उन्हें नकली और घटिया दवाएं कहा जाता है क्योंकि उनमें या तो सक्रिय अवयवों की कमी होती है या गलत खुराक होती है। देश में बनने वाली अंग्रेजी दवाएं पिछले कुछ सालों से अपनी गुणवत्ता को लेकर सवालों के घेरे में हैं। देश में आये दिन घटिया, मिलावटी और नकली दवाओं के जखीरे पकड़े जा रहे है जो साबित करते है आमजन का स्वास्थ्य खतरे में है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के नियमित निगरानी गतिविधि के तहत जून 26 के ड्रग अलर्ट में देशभर की 159 दवाएं एवं कास्मेटिक सैंपल फेल हुए हैं। इनमें 132 सैंपल राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं तथा 27 केंद्रीय प्रयोगशालाओं की जांच में गुणवत्ता की कसौटी पर खरे नहीं उतरे। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के मुताबिक एंटीबायोटिक, हृदय रोग, दर्द एवं बुखार, बच्चों के सीरप, खांसी, पेट, आंखों की दवाओं सहित इंजेक्शन तथा विटामिन उत्पादों के सैंपल फेल पाए गए हैं। अधिकांश दवाएं डिसाल्यूशन, कंटेंट, एस्से, स्टेरिलिटी, पीएच, पार्टिकुलेट मैटर तथा सक्रिय औषधीय तत्व (एपीआइ) की निर्धारित मात्रा जैसे महत्वपूर्ण गुणवत्ता मानकों पर असफल रहीं। जून के ड्रग अलर्ट में हिमाचल में बनीं 45, उत्तराखंड की 30 और गुजरात की 28, मध्य प्रदेश के 13, तमिलनाडु, महाराष्ट्र व सिक्किम की सात-सात दवाओं के सैंपल फेल मिले हैं। पंजाब, हरियाणा, बिहार, राजस्थान, तेलंगाना, कर्नाटक, असम सहित अन्य राज्यों से भी कुछ दवाओं के सैंपल फेल पाए गए हैं। ये दवाएं अलग-अलग राज्यों से बाजार में उपलब्ध थीं और मरीजों तक पहुँच चुकी थीं। इस भांति साल भर में सैंकड़ों दवाएं जाँच में फेल हो चुकी है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शीघ्र ही भारतीय दवा बाजार 60.9 अरब डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा। ऐसे में अपने मुनाफे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर समय रहते सख्त कार्रवाई करनी होगी। आज के इस समय में नकली दवाइयां भी खूब मिलने लग गई हैं। ज्यादा पैसे कमाने के लालच में बाजार में नकली दवाइयों की बिक्री बढ़ गई है। बाजारों-अस्पतालों में घटिया और नकली दवाएं धड़ल्ले से बिक रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार नकली और घटिया दवाएं बनाने की सबसे अधिक कंपनियां हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात में है। इनमें से बहुत सी ऐसी कंपनियां सरकारी अस्पतालों में दवा की सप्लाई का ठेका लेती हैं। नकली दवाओं का सेवन करने से आपके शरीर में कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में अगर आप मेडिकल स्टोर या ऑनलाइन वेबसाइट से दवाओं को खरीदते हैं तो इस स्थिति में आपको सावधान हो जाने की जरूरत है। घटिया और नकली दवाओं को बनाना-बेचना भ्रष्टाचार ही नहीं हमारी सेहत के लिए एक बड़ा खतरा भी है। ऐसे में नियामकीय व्यवस्था को मजबूत बनाकर ही नकली और मिलावटी दवाओं से निजात मिलेगी।

> **केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के नियमित निगरानी गतिविधि के तहत जून 26 के ड्रग अलर्ट में देशभर की 159 दवाएं एवं कास्मेटिक सैंपल फेल हुए हैं। इनमें 132 सैंपल राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं तथा 27 केंद्रीय प्रयोगशालाओं की जांच में गुणवत्ता की कसौटी पर खरे नहीं उतरे। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के मुताबिक एंटीबायोटिक, हृदय रोग, दर्द एवं बुखार, बच्चों के सीरप, खांसी, पेट, आंखों की दवाओं सहित इंजेक्शन तथा विटामिन उत्पादों के सैंपल फेल पाए गए हैं।**

गंभीर बीमारियों की छोड़िये, छोटी मोटी मौसमी बीमारियां जैसे सर्दी, जुखाम, खांसी, बुखार, एसीडीटी, रक्तचाप और गैस आदि भी यदि अंग्रेजी दवाओं से ठीक नहीं हो रही है तो आप सावधान हो जाइये क्योंकि इन दवाओं के नकली और घटिया होने का खतरा मंडरा रहा है। अनेक मीडिया रिपोर्ट्स में यह खुलासा किया गया है कि देशभर में नकली और घटियां दवाओं का धड़ल्ले से निर्माण हो रहा है जिसका पुख्ता प्रमाण सरकारी एजेंसियों की छापामारी से मिल रहा है। जाँच में ये दवाइयां नकली निकल रही है जो जनता के स्वास्थ्य से सरेआम खिलवाड़ है। आम आदमी जीवन रक्षक दवाओं में मिलावट की ख़बरों से खासा परेशान है। हमारे बीच यह धारणा पुख्ता बनती जा रही है कि बाजार में मिलने वाली अंग्रेजी दवाओं में कुछ न कुछ मिलावट जरूर है। लोगों की यह चिंता बेबुनियाद नहीं है। ये दवाएं नामी ब्रांडेड कंपनियों की पैकेजिंग में बेची जा रही हैं। देशभर में हर दूसरे या तीसरे दिन खबरें छपती रहती है कि इतने करोड़ की नकली दवाई पकड़ी गयी। इतनी दवाओं को नष्ट किया गया या सील किया गया। इसके बावजूद नकली दवाओं का धंधा बजाय कम होने के बढ़ता ही जा रहा है।

भारत दवाओं का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन करने वाला देश है। मगर देशवासियों को अच्छी गुणवत्ता की दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के मुताबिक, भारत में फार्मा इंडस्ट्री बीते कुछ सालों में तेजी से बढ़ रही है। इसमें साल 2020 से 2025 के बीच 37 प्रतिशत कंपाउंडएनुअल ग्रोथ का अनुमान जताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक मात्रा में दवाइयां बनाने में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है। देश में सबसे तेज गति से बढ़ रहे इस कारोबार के 55 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के साथ ही नकली और घटिया की दवाओं का अवैध कारोबार भी बढ़ रहा है जिससे लोगों की जान पर खतरा बढ़ता जा रहा है। एसोचैम ने अपनी एक रिपोर्ट में देश में बनने वाली कुल दवाओं का 25 प्रतिशत नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं बनने और बिकने का खुलासा किया था, जो विश्व की कुल नकली दवाओं का 35 प्रतिशत है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सहित विभिन्न देशों में नकली दवाओं का कारोबार लगभग तीस अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

–अतिथि सम्पादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 29 अगस्त, 2026

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 3:42 तक, सुकर्मा योग प्रातः 6:36 तक, कौलव करण प्रातः 9:57 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 9:38 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह आज त्रिपुष्कर योग दिन 9:57 से रात्रि 3:42 तक है। आज पंचक, अशून्य शयन व्रत, अश्वत्थ मारूती पूजन है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:43 से 9:18 तक, चर 12:28 से 2:03 तक, लाभ-अमृत 2:03 से 5:12 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:08, सूर्यास्त 6:47

मेष
घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आज व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों का निपटारा हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना बनेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में चल रहे मतभेद दूर होने लगेंगे।

वृश्चिक
परिवार में महत्वपूर्ण एवं धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं।

एंटी पेपर लीक कानून : निवारक सुरक्षा उपाय नहीं, बल्कि दंडात्मक अधिनियम

प्रोफेसर अशोक कुमार

भारत में प्रतिस्पर्धी परीक्षाएं केवल किसी नौकरी या शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाने का माध्यम भर नहीं हैं, बल्कि यह देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य, उनके सपनों और वर्षों की हाड़-तोड़ मेहनत से जुड़ी होती हैं। ऐसे में जब किसी परीक्षा का पर्चा लीक होता है, तो केवल एक परीक्षा की शुचिता भंग नहीं होती, बल्कि लाखों परिवारों का भरोसा टूटता है। सार्वजनिक परीक्षाओं में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बहाल करने के लिए लागू किए गए सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम का मुख्य उद्देश्य पेपर लीक करने वाले भू-माफिया, गिरोहों और धांधली में शामिल एजेंसियों पर नकेल कसना है।

हालांकि, यदि इस अधिनियम के स्वरूप, संरचना और धाराओं का सूक्ष्म विश्लेषण किया जाए, तो एक बड़ा बुनियादी सवाल खड़ा होता है: क्या यह कानून वास्तव में पेपर लीक की रोकथाम करता है या यह महज अपराध घटित होने के बाद अपराधियों को सजा देने वाला एक दंडात्मक संशोधन अधिनियम भर है?

नाम बनाम वास्तविकता : निवारण का दावा, दंड का प्रावधान, कानून का नाम रोकथाम शब्द को रेखांकित करता है, लेकिन इसके मुख्य प्रावधान घटना होने के बाद ही सक्रिय होते हैं: भारी-भरकम सजा और जुर्माना: इस कानून में दोषियों के लिए 5 से 10 वर्ष तक की कठोर कारावास की सजा और 10 लाख से लेकर 10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान है। संगठित अपराध में शामिल सिंडिकेट को निशाना बनाने के लिए न्यूनतम 7 साल की सजा तय की गई है।

फास्ट-ट्रैक कोर्ट और जांच की समय-सीमा: जांच को 60 दिनों में पूरा करने, विशेष फास्ट-ट्रैक अदालती प्रक्रिया और संपत्ति कुर्क करने की बात कही गई है।

यह पूरा कानूनी ढांचा "अपराध हो जाने के बाद न्याय प्रक्रिया को तेज़ और कठोर बनाने" के सिद्धांत पर आधारित है। कानून का यह स्वरूप अपराधी के मन में डर पैदा कर सकता है, लेकिन यह उस प्रक्रियात्मक छेद को बंद नहीं करता जहाँ से वास्तव में पेपर बाहर निकलता है। इसलिए, इसे निवारक कानून कहने के बजाय दंडात्मक संशोधन अधिनियम कहना अधिक न्यायसंगत प्रतीत होता है।

पेपर खरीदने वालों (लाभार्थियों) की जवाबदेही और सजा का प्रावधान, कानून की दंडात्मक प्रकृति को पूर्ण बनाने और मांग-आपूर्ति की इस अवैध श्रृंखला को तोड़ने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि पर्चा खरीदने वाले अभ्यर्थियों पर भी सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। पेपर लीक केवल माफिया या संगठित गिरोहों के बलबूते नहीं चलता; इसे बढ़ावा देने में उन लोगों की भी बराबर की हिस्सेदारी होती है जो पैसे देकर पेपर खरीदते हैं। जब तक खरीददारके मन में कानूनी कार्रवाई का भय नहीं होगा, तब तक इस अवैध बाजार का खत्म होना नामुमकिन है।

कानून में निम्नलिखित सख्त प्रावधान होने चाहिए:–

समान दंडात्मक कार्रवाई: जो अभ्यर्थी या उनके अभिभावक अनुचित लाभ लेने के लिए प्रश्नपत्र खरीदते हैं, उन पर भी भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए और उन्हें जेल की सजा (जैसे 3 से 5 वर्ष का कारावास) का प्रावधान होना चाहिए।आजीवन या दीर्घकालिक प्रतिबंध: ऐसे अभ्यर्थियों को न केवल उस विशिष्ट परीक्षा से अयोग्य घोषित किया जाए, बल्कि भविष्य में आयोजित होने वाली सभी सरकारी और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं से कम से कम 5 से 10 वर्षों के लिए (या आजीवन) निष्कासित कर दिया जाए।

अवैध रूप से प्राप्त नौकरी को रद्द करना: यदि कोई व्यक्ति पेपर खरीदकर नौकरी पाने में सफल भी हो जाता है, तो जांच में पुष्टि होने पर उसे तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जाए, उसका वेतन वसूला जाए और उस पर धोखाधड़ी का मुकदमा चलाया जाए।

जब तक पेपर बेचने वालों के साथ-साथ पेपर खरीदने वालों पर भी दंडात्मक शिकंजा नहीं कसा जाएगा, तब तक इस अपराध का आर्थिक चक्र टूट नहीं सकता।

प्रशासनिक और तकनीकी सुरक्षात्मक उपायों की अनदेखी

पेपर लीक को रोकने के लिए जिस बुनियादी ढांचेकी आवश्यकता होती है, वह प्रशासनिक सुधारों से आती है, न कि केवल जेल की सजा बढ़ाने से। वर्तमान कानून में निम्नलिखित निवारक उपायों का अभाव दिखता है:–

प्रिंटिंग प्रेस और लॉजिस्टिक्स की जवाबदेही: प्रश्नपत्र कहाँ छपते हैं, किस वाहन से केंद्रों तक पहुँचते हैं और उन्हें किन तिजोरियों में रखा जाता है–इस पूरी प्रक्रिया के लिए कानून में किसी कड़े मानक संचालन प्रक्रिया का ज़िक्र नहीं है।

आउटसोर्सिंग पर निर्भरता: हाल के वर्षों में अधिकांश पेपर लीक उन निजी वेंडरों और आईटी एजेंसियों की वजह से हुए हैं जिन्हें परीक्षाएं आयोजित कराने का ठेका दिया गया था। केवल उन पर जुर्माना लगाना निवारण नहीं है; परीक्षा तंत्र को सरकारी और पारदर्शी निकायों के तहत वापस लाना असली सुरक्षात्मक कदम होता।

साइबर सुरक्षा व डिजिटल ऑडिट: कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट में रिमोट एक्सेस या हैकिंग जैसे खतरों से निपटने के लिए रैंडम सॉफ़्टवेयर ऑडिट, बायोमीट्रिक सिस्टम और एन्क्रिप्शन मानकों के कड़े नियम कानून का हिस्सा होने चाहिए थे।

छात्रों के नजरिए से: सजा से ज्यादा जरूरी है परीक्षा का बचना, एक अभ्यर्थी के लिए सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं है कि पेपर लीक करने वाला 10 साल के लिए जेल गया या नहीं, बल्कि त्रासदी यह है कि उसकी 3-4 साल की मेहनत व्यर्थ चली गई और परीक्षा रद्द हो गई। दंडात्मक कानून का मुख्य ध्यान अपराध हो जाने के बाद अपराधियों की धरपकड़ करने और उन्हें सजा दिलाने पर होता है। इसके तहत पूरा मामला लंबी मुकदमेबाजी और जटिल अदालती प्रक्रियाओं में उलझकर रह जाता है, जिससे समय की भारी बर्बादी होती है।

इसके विपरीत, एक मजबूत निवारक ढांचा परीक्षा प्रक्रिया को तकनीक और कड़े नियमों के ज़रिए इतना अभेद्य बना देता है कि पेपर लीक होने की नौबत ही न आए। दंडात्मक कानून परीक्षा रद्द होने के बाद छात्रों को हुए मानसिक और आर्थिक नुकसान की भरपाई कभी नहीं कर सकता, जबकि एक निवारक ढांचा पूरी परीक्षा प्रक्रिया को बिना किसी रुकावट के निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से पूरा करना सुनिश्चित करता है।

दंडात्मक कानून से निवारक अधिनियम बनने का मार्ग

यदि हम वास्तव में चाहते हैं कि इस कानून का नाम इसका सच्चा प्रतिनिधित्व करे, तो इसमें कठोर सजा के साथ-साथ रोकथाम के लिए निम्नलिखित वैधानिक प्रावधान जोड़े जाने अनिवार्य हैं:

इंडिपेंडेंट ऑडिट अथॉरिटी: राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर एक स्वतंत्र परीक्षा सुरक्षा प्राधिकरणका गठन किया जाए, जो हर बड़ी परीक्षा से पहले सुरक्षा ऑडिट की मंज़ूरी दे।

व्हिसलब्लोअर प्रोटेक्शन: परीक्षा एजेंसियों, प्रिंटिंग प्रेस या सरकारी विभागों के भीतर यदि कोई कर्मचारी धांधली की पूर्व सूचना देता है, तो उसकी सुरक्षा और इनाम का स्पष्ट कानूनी प्रावधान हो।

मानकीकृत डिजिटल एन्क्रिप्शन: प्रश्नपत्रों को परीक्षा शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही डिजिटल रूप से डिक्रिप्ट करने वाली तकनीक को कानूनी रूप से अनिवार्य बनाया जाए।

निष्कर्ष– संक्षेप में कहा जाए तो, वर्तमान एंटी पेपर लीक अधिनियम अपराध के बाद की चिकित्सापर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि देश को आवश्यकता अपराध से बचाव की है।

कठोर सजाएं, भारी जुर्माने और पेपर खरीदने वालों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई संगठित अपराध गिरोहों व भ्रष्ट अभ्यर्थियों को डराने के लिए बेहद जरूरी हैं। लेकिन जब तक परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं की प्रक्रियात्मक कमियों, वेंडर-संस्कृति और तकनीकी खामियों को कानूनी रूप से दुरुस्त नहीं किया जाता, तब तक पेपर लीक पूरी तरह बंद नहीं होंगे। जब तक यह अंतर बना रहेगा, तब तक इसे निवारक अधिनियम कहना अधूरा होगा–यह सही मायने में एक दंडात्मक संशोधन अधिनियम ही है।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

विराटनगर पुलिस ने सुरक्षा सखी से राखी बंधवाई

रक्षाबंधन के अवसर पर भाईचारे और सुरक्षा का संदेश दिया

विराटनगर पुलिस ने सुरक्षा सखी को थाने आमंत्रित किया।

पावटा, (निसं)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर विराटनगर पुलिस ने सामाजिक सरोकार से जुड़ी अनूठी पहल करते हुए पुलिस और आमजन के बीच आत्मीयता की डोर को और मजबूत किया। रक्षाबंधन के अवसर पर सुरक्षा सखी को थाने आमंत्रित किया गया, जहां पुलिसकर्मियों ने उनसे राखी बंधवाकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व मनाया।

सुरक्षा सखी ने पुलिसकर्मियों की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने भी सुरक्षा सखी को पर्व की बधाई देते हुए सदैव सम्मान और सहयोग का भरोसा दिलाया। थाने में हुए इस आत्मीय आयोजन से कुछ देर के लिए पुलिस थाने का माहौल भी खुशनुमा और पारिवारिक नजर आया। पुलिसकर्मियों ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह का पर्व नहीं, बल्कि विश्वास, सुरक्षा, जिम्मेदारी और सामाजिक रिश्तों को मजबूत करने का संदेश भी देता है। पुलिस समाज की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहती है और सुरक्षा सखी जैसी पहल के माध्यम से महिलाओं एवं आमजन के साथ संवाद और विश्वास को बढ़ावा मिलता है। विराटनगर पुलिस की इस पहल को क्षेत्रवासियों ने भी सराहनीय बताया। लोगों का कहना है कि त्योहार के अवसर पर पुलिस द्वारा सुरक्षा सखी को थाने बुलाकर राखी बंधवाना पुलिस और जनता के बीच दूरी कम करने के साथ-साथ भाईचारे, सामाजिक समरसता और महिला सुरक्षा के प्रति विश्वास का मजबूत संदेश देता है। रक्षाबंधन के मौके पर विराटनगर पुलिस का यह प्रयास न केवल पर्व की खुशियां साझा करने वाला रहा, बल्कि सुरक्षा के साथ संवेदनशीलता का संदेश भी समाज तक पहुंचाता नजर आया।

भीलवाड़ा सेंट्रल जेल में रक्षाबंधन पर बहनों ने भाई को राखी बांधी

प्रशासन ने इस बार भी जेल के भीतर केवल राखी ले जाने की ही छूट दी

भीलवाड़ा, (निसं)। श्रवण मास की पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को देशभर के साथ-साथ भीलवाड़ा शहर में भी पवित्र पर्व रक्षाबंधन पूर्ण श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर भीलवाड़ा की सेंट्रल जेल में एक अत्यंत भावुक और आत्मीय माहौल देखने को मिला, जहां सलाखों के पीछे कैद बंदियों की कलाइयों पर उनकी बहनों ने प्यार और सुरक्षा का प्रतीक रेशमी धागा बांधा। सुबह से ही जेल परिसर के बाहर बहनों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं।

- **जेल अधिकारियों के अनुसार, बंदियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए किसी भी बाहरी खाद्य सामग्री को अंदर ले जाने की इजाजत नहीं दी गई**
- **जेल प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों के तहत बहनों को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक ही भाइयों से मुलाकात और राखी बांधने का समय दिया गया, सुरक्षा व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया**

पिछले वर्ष की भांति इस बार भी जेल प्रशासन द्वारा इस आयोजन को भव्य लेकिन अनुशासित रूप से संपन्न कराने के विशेष प्रबंध किए गए। केंद्रीय जेल के जेलर ने बताया कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है। आने वाली प्रत्येक महिला और उनके साथ आए परिजनों को मेटल डिटेक्टर से गुजरने और गहन शारीरिक तलाशी के बाद ही जेल के भीतर प्रवेश की अनुमति दी गई। जेल परिसर और उसके आसपास अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है ताकि व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रित रहे। जेल प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों के तहत बहनों को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक ही भाइयों से मुलाकात और राखी बांधने का समय दिया गया।

सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए प्रशासन ने इस बार भी जेल के भीतर केवल राखी ले जाने की ही छूट दी। जेल अधिकारियों के अनुसार, बंदियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए किसी भी बाहरी खाद्य सामग्री को अंदर ले जाने की इजाजत नहीं दी गई।सीजेल के भीतर बने मुलाकात कक्ष में जब बहनें अपने भाइयों से मिलीं, तो वहां का माहौल बेहद भावुक हो गया। महीनों बाद अपने भाइयों को सामने देखकर कई बहनों की आंखें छलक आईं, वहीं भाइयों ने भी बहनों के सिर पर हाथ रखकर उनकी रक्षा का वचन दिया। समय की पाबंदी के बावजूद इस मुलाकात ने सलाखों के पीछे बंद कैदियों के जीवन में सकारात्मकता और अपनों के जुड़ाव का अहसास कराया। शाम 4 बजे मुलाकात की प्रक्रिया समाप्त होने तक सैकड़ों बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर इस त्यौहार की परंपरा को निभाया।

गोगामेड़ी मेले का ध्वजारोहण के साथ शुभारंभ

मेले में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना, प्रशासन ने तैयारियां की

नोहर, (निसं)। ग्राम पंचायत मुख्यालय गोगामेड़ी में उत्तर भारत के प्रसिद्ध एवं सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतीक गोगामेड़ी मेले का शुक्रवार को विधिवत पूजा-अर्चना एवं ध्वजारोहण के साथ शुभारंभ हुआ। जिला कलैक्टर डॉ. खुशाल यादव, भादरा विधायक संजीव बेनीवाल एवं पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने ध्वजारोहण कर मेले का शुभारंभ किया तथा गोगाजी महाराज की समाधि पर चादर चढ़ाकर जिले की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव, विधायक संजीव बेनीवाल एवं पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने पूजा-अर्चना की।

- **श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत, फायर ब्रिगेड, पार्किंग, ट्रैफिक प्रबंधन एवं ठहरने की समुचित व्यवस्था की गई**

जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव ने कहा कि एक माह तक चलने वाले इस मेले में 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत, फायर ब्रिगेड, पार्किंग, ट्रैफिक प्रबंधन एवं ठहरने की समुचित व्यवस्था की गई है। कतार में लगे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग क्षेत्र के भीतर छह प्रसाद एवं आवश्यक सामग्री की दुकानें स्थापित की गई हैं, ताकि उन्हें बाहर नहीं जाना पड़े। उन्होंने कहा कि मेले को श्रद्धा, सौहार्द और सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भादरा विधायक संजीव बेनीवाल ने कहा कि गोगामेड़ी मेला प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने अधिकारियों को साफ-सफाई एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

मेला मजिस्ट्रेट ने बताया कि साफ-सफाई एवं कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए पूरे मेला क्षेत्र को सेक्टरों में विभाजित किया गया है तथा प्रत्येक सेक्टर में प्रभारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। देवस्थान विभाग के अनुसार श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क रैन बसेरे, बड़े डोम, पेयजल, शौचालय, कूलर एवं पंखों की व्यवस्था की गई है। मेले की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए इस बार 255 उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनसे पूरे मेला क्षेत्र एवं बैरिकेडिंग मार्ग की निगरानी की जाएगी। मेले को प्लास्टिक मुक्त बनाये रखने के लिए भी विशेष प्रयास किए जायेंगे।

पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने बताया कि मेले में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के लिए 932 से अधिक पुलिसकर्मी, आरएसी, होमगार्ड एवं ट्रैफिक पुलिस का विशेष जाब्ता तैनात किया गया है। वहीं, देवस्थान विभाग द्वारा 631 अस्थायी दुकानों, पार्किंग एवं मनोरंजन स्थलों के लिए ऑनलाइन ई-नीलामी की प्रक्रिया भी की गई है। उद्घाटन समारोह में नोहर एसडीएम सुनीता यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गीता चौधरी, गोगामेड़ी प्रशासक महंत रूपनाथ, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सोनी, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. आनंद स्वरूप सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

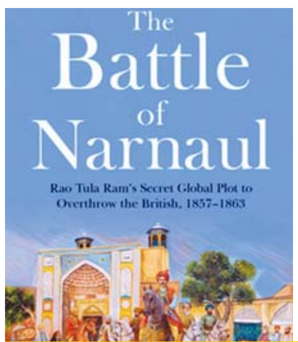

The Story of The Battle of Narnaul

He was not merely a warrior, but also a strategist. Over the years, he amassed resources, forged alliances across Rajputana, sought support from distant powers, including Persia, Afghanistan, and Russia

Born With a Silver Spoon

Saving the Peacock Tarantula

6 महीने पूरे हो गए, अमेरिका के ईरान विध्वंस की कार्यवाही शुरु हुए

इन 6 माह में ट्रंप के बड़बोले दावे पूरे नहीं हुए, बल्कि अब वे ईरान के समक्ष करीब-करीब कुंठित, क्रोधित और तिरस्कृत नज़र आते हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अगस्त। अमेरिका को ईरान के युद्ध में उतरे हुए पूरे छः महीने हो गए हैं। उस समय डॉनल्ड ट्रंप ने इसे "छोटी सी मुहिम" बताया था, लेकिन अब इसके खत्म होने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं।

पिछले छह महीनों में ट्रंप को कई तरह भारी तरह नुकसान उठाना पड़ा। अब मध्यावधि चुनाव सामने हैं और ट्रंप उस नुकसान को कम से कम करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें बहुत कम सफलता मिल रही है। इसके विपरीत, कीमतें बढ़ रही हैं। अमेरिका ने अपने दोस्तों को खो दिया है और दुश्मन बढ़ा लिए हैं।

वह युद्ध के अपने घोषित उद्देश्यों में से एक भी हासिल करने में सफल नहीं रहे हैं। इस प्रक्रिया में उन्होंने सुरक्षा देने वाले देश के रूप में अमेरिका की

- **अमेरिका की सैन्य कार्यवाही की शुरुआत में ही ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई मारे गए थे, तब ऐसा लगा कि ट्रंप ईरान को तबाह कर देंगे, पर, खामेनेई के बाद आए ईरान के नेता और ज्यादा कट्टर और अमेरिका के विरोध में दृढ़ साबित हुए।**
- **यही नहीं, अमेरिका, ईरान के परमाणु हथियारों के निर्माण ढाँचे को भी खत्म नहीं कर पाया और होर्मुज़ स्ट्रेट पर भी ट्रंप विफल रहे हैं। युद्ध से पहले तक होर्मुज़ एक खुला मार्ग था, जहाँ से कोई भी जहाज गुज़र सकता था, पर, अब यह मार्ग ईरान के नियंत्रण में आ गया है।**
- **ईरान पर हमले के बाद तेल की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं, जिससे कई देशों की अर्थव्यवस्थाएँ प्रभावित हो रही हैं फिर भी ट्रंप बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं कि उन्होंने होर्मुज़ पर कब्जा कर लिया है।**

प्रतिष्ठा को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका से बहुत छोटे एक दुश्मन ने बहादुरी से उसका मुकाबला किया है और युद्ध लड़ने की नई तकनीकों का इस्तेमाल करके दिखाया है।

ट्रंप के युद्ध के दो सबसे बड़े उद्देश्य न केवल पूरे होने से बहुत दूर रह गए हैं, बल्कि ऐसा लगता है कि ट्रंप ने ईरान के सामने घुटने टेक दिए हैं।

ट्रंप ने ईरान में सत्ता परिवर्तन और देश में लोकतंत्र बहाल करने की मांग की थी, ताकि लोगों को अभिव्यक्ति और विरोध प्रदर्शन की आजादी मिल सके। ईरान की सरकार ट्रंप और इज़रायल के हमलों के बावजूद टिकी रही। युद्ध के पहले ही दिन पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई सहित, कई वरिष्ठ नेताओं की हत्या कर दी गई थी।

लेकिन बस इतना ही हुआ। दमनकारी सरकार और ज्यादा मजबूत हो गई है और अमेरिकी सेना के जबरदस्त हमलों के बावजूद, ऐसा लगता है कि लोग सरकार के शासन की आलोचना करने वालों से उसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक मिसाइल खरीदेगा

नई दिल्ली, 28 अगस्त। भारत ने अमेरिका से टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली एफजीएम-148 जैवलिन खरीदने का समझौता किया है।

अमेरिकी दूतावास की प्रवक्ता डाना जिए ने शुक्रवार को यहां कहा, "हम पुष्टि कर सकते हैं कि भारत ने जैवलिन प्रणाली के लिए प्रस्ताव और स्वीकृति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।"

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, अमेरिका, अमेरिकी

- **यह उन्नत, मध्यम दूरी की फायर -एंड फॉरगेट एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल है।**

विदेशी सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली की खरीद के लिए लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) पर भारतीय सेना के हस्ताक्षर का स्वागत करता है।

समझौते पर हस्ताक्षर के साथ, भारत जैवलिन प्रणाली का ग्राहक बन गया है, जो एक उन्नत, मध्यम दूरी की फायर-एंड-फॉरगेट एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है। जैवलिन का उपयोग अमेरिकी सेना, अमेरिकी मरीन कॉर्प्स और कई अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों द्वारा किया जाता है तथा इसे बख्तरबंद वाहनों और सुदृढ़ ठिकानों सहित विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों के विरुद्ध उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है।

सोनिया गांधी की आत्मकथा नहीं छापने का निर्णय दबाव में लिया पैनग्विन ने?

क्योंकि वे बार-बार कह रहे हैं, हम आत्मकथा छापने को तैयार हैं, पर, कुछ बदलाव चाहते हैं, लेकिन क्या बदलाव चाहते हैं, यह स्पष्ट नहीं है, इससे लगता है, वे दबाव में हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अगस्त। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के संस्मरण "बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव" को पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा प्रकाशित नहीं करने की खबरों पर विवाद खड़ा हो गया है।

पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने आज स्पष्ट रूप से इस बात से इनकार किया कि उसने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आगामी पुस्तक "बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव" को प्रकाशित करने का फैसला इसलिए बदला, क्योंकि लेखिका ने संपादकीय बदलाव करने से इनकार कर दिया था। पब्लिशर का कहना है कि वे इस पुस्तक को प्रकाशित करने के लिए "इच्छुक और उत्सुक" थे। हालांकि, उनके बयान में इस बात का कोई जिक्र नहीं था कि असल में इसे नहीं छापने की वजह क्या थी।

पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया, हालांकि, अपने जवाब में साफ कह रहा है कि "भारत में सोनिया गांधी की आने वाली किताब, "बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव" का प्रकाशक वह नहीं है। लेकिन सूत्रों ने का कहना है कि सत्तारूढ़

- **जब किसी बड़े नेता, जो कि सोनिया गांधी हैं, की आत्मकथा छपती है तो उसमें परिवर्तन का सुझाव अनुचित और राजनीति से प्रेरित लगता है।**
- **सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी ने साफ कर दिया कि यह उनकी कहानी है और अपनी जिंदगी के बारे में बताई गई बातों में किसी तरह से बदलाव की गुंजाइश नहीं है।**

पार्टी की ओर से भारी राजनीतिक दबाव था कि उन हिस्सों को हटाया या संपादित किया जाए, जिनमें भारतीय जनता पार्टी के उदय और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने का उल्लेख है।

सूत्रों ने कहा कि सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वैचारिक स्रोत और चीनी घुसपैठ के संदर्भों में बदलाव या उन्हें हटाने से इनकार कर दिया। दस, जनपथ के करीबी एक राजनयिक का कहना था कि 79 वर्षीय गांधी का कहना था कि यह उनकी कहानी है और उनकी अपनी जिंदगी के बारे में बताई गई बातों में किसी तरह की तोड़-मरोड़ की गुंजाइश नहीं है।

पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया का बयान चतुराई से असल तथ्यों से बचता हुआ नज़र आता है और उसमें इस्तेमाल की गई भाषा साफ तौर पर अस्पष्ट है तथा असली मुद्दों को नहीं छूती है।

पैनग्विन का बयान ऐसी खबरों के बीच आया है, जिनमें कहा गया है कि सोनिया गांधी द्वारा "एडिटोरियल" बदलावों को मानने से इंकार करने के बाद पब्लिशर पीछे हट गया था।

कंपनी ने एक बयान में कहा, "भारत में "बिलॉन्गिंग" की प्रकाशक पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया नहीं है। यह कहना कि लेखिका द्वारा संपादकीय बदलाव से इनकार करने के कारण पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने "बिलॉन्गिंग" को प्रकाशित नहीं करने का फैसला किया, असल हालात को सही तरीके से नहीं दर्शाता है।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अकाली दल के साथ गठबंधन की वार्ता अभी खत्म नहीं हुई है

हालांकि, भाजपा के संगठन मंत्री बीएल संतोष ने कहा था कि पार्टी पंजाब की सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन इसे अकाली दल पर दबाव बनाने की रणनीति माना जा रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अगस्त। "हम सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे" पंजाब में भाजपा का यह हालिया बयान संकेत दे रहा है कि शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के साथ भाजपा के समझौते की बातचीत टूट गई है। लेकिन राज्य में मतदान होने में अभी करीब छह महीने बाकी हैं और तीन अहम मुद्दों पर बातचीत जारी है।

ये मुद्दे हैं-कौन-सी पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, कौन-सी सीटें किसके हिस्से में जाएंगी और मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री पद के लिए किसे चेहरा बनाया जाएगा। पूरे मामले के केन्द्र में ज्यादा मुखर भाजपा है, जिसने अब तक सिख बहुल इस राज्य में बादल परिवार के अकाली दल की तुलना में काफी कनिष्ठ भूमिका निभाई है। सूत्रों के मुताबिक, सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत का एक दौर

- **भाजपा सीटों के बंटवारे में ज्यादा सीटें चाहती है, जबकि अब तक वह मात्र 23 सीटों पर ही चुनाव लड़ती रही है।**
- **भाजपा के ज्यादा सीटों पर दावे का आधार है, 2024 के लोकसभा चुनावों में ज्यादा विधानसभा सीटों पर बढ़त प्राप्त करना, इसमें भाजपा को पंजाब में हालांकि एक भी सीट नहीं मिली, पर वोट प्रतिशत 18.5 प्रतिशत से अधिक था।**

पहले ही हो चुका है।

माना जा रहा है कि यह तय हो चुका है कि इस बार भाजपा पहले की तुलना में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जब भी भाजपा ने एसएडी के साथ गठबंधन में विधानसभा चुनाव लड़ा है, उसने अधिकतम 23 सीटों पर ही चुनाव लड़ा है, जैसा कि 2017 में हुआ था।

2020-21 के कृषि कानूनों के विरोध में एसएडी के गठबंधन से अलग होने के बाद, भाजपा ने पूर्व कांग्रेस मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस और सुखदेव सिंह ढींडसा के नेतृत्व वाले एसएडी के गुट के साथ गठबंधन किया था। इस गठबंधन में करीब 70 उम्मीदवार भाजपा के चुनाव चिन्ह पर मैदान में उतरे थे, पर भाजपा को केवल दो सीटें मिलीं।

इस बार अधिक विधानसभा सीटों की मांग के पीछे भाजपा का आधार 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिलासपुर एयरपोर्ट पर विमान का टायर फटा

बिलासपुर, 28 अगस्त। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित बिलासा देवी केवट हवाई अड्डे (चक्करभाठा) पर शुक्रवार को एक बड़ा विमान हादसा टल गया।

दिल्ली से बिलासपुर पहुंची अलायंस एअर की फ्लाइट (91697)

- **पायलट की सूझबूझ से सभी यात्री सुरक्षित रहे।**

की रनवे पर लैंडिंग के दौरान अचानक विमान का टायर फट गया।

लैंडिंग के वक्त जोरदार आवाज के साथ टायर फटने के बावजूद पायलट ने विमान का संतुलन बिगड़ने नहीं दिया और उसे सुरक्षित रूप से रनवे के किनारे रोक लिया।

हालांकि, टायर फटने की वजह से फ्लाइट कई मीटर तक घिसटती रही। फ्लाइट ने सुबह 10:55 बजे दिल्ली से बिलासपुर के लिए उड़ान भरी थी।

सूचना मिलते ही एयरपोर्ट का फायर और रेस्क्यू दस्ता तुरंत मौके पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैरियर लेक ओवर फ्लो, दूसरी बार भारी बाढ़ आ सकती है, नेपाल में

नेपाल पुलिस ने शुक्रवार को चेतावनी जारी की, तिब्बती क्षेत्र में बाँध टूट गया है। इसके बाद चीन के सरकारी मीडिया ने भी बैरियर झील ओवर फ्लो होने की जानकारी दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अगस्त। तिब्बत में ग्लेशियर के मलबे से बनी एक झील के उफनने के बाद तिब्बत और नेपाल में राहत एवं बचाव अभियान रोक दिया गया है। झील उफनने से नेपाल में एक और बाढ़ आने का खतरा पैदा हो गया है। वहीं, अचानक आई विनाशकारी बाढ़ में सैकड़ों लोगों की मौत के बाद बचाव दल 1,468 लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

नेपाल में आई भयावह एवं अचानक बाढ़ के बाद बचे लोगों को खोजने की मुहिम को एक और झटका लगा है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास हाल ही में बनी एक झील उफनने लगी है, जिससे दूसरी जानलेवा बाढ़ आने का

- **बैरियर झील उफनने के बाद चीनी अधिकारियों ने बचाव कार्य रोक दिया और बचाव दलों को सुरक्षित जगहों पर भेज दिया।**
- **इस झील में 20 लाख घन मीटर से ज्यादा पानी है और यह ग्यिरोंग पोर्ट से मात्र 10 किलोमीटर दूर है, जिससे भारी विनाश की आशंका है।**

खतरा पैदा हो गया है।

बुधवार को सीमा के पास ग्लेशियर के टूटने के बाद हुए हिमखंड-पत्थर के हिमस्खलन से अचानक आई बाढ़ में नेपाल और तिब्बत की सीमा के दोनों ओर कम से कम 475 लोगों की मौत हो गई है और करीब 1,500 लोग अभी भी लापता हैं। पानी, कीचड़ और मलबे के तेज बहाव में घर, वाहन, सड़कें और पुल बह गए हैं तथा पूरा इलाका मलबे के नीचे दब गया है।

नेपाल पुलिस ने शुक्रवार को चेतावनी जारी की कि "तिब्बती क्षेत्र में एक बांध टूट गया है।" इसके बाद चीनी सरकारी मीडिया ने भी पुष्टि की कि एक बैरियर झील से "आज पानी का ओवरफ्लो हुआ है।" इससे नेपाल-तिब्बत को जोड़ने वाले आपदा प्रभावित सीमा मार्ग के आसपास फिर बाढ़ आने का खतरा बढ़ गया है। नई बनी झील को लेकर बढ़ी चिंताओं के कारण इलाके में बचाव अभियान रोकना पड़ा है।

चीनी अधिकारियों ने शुक्रवार को बचाव अभियान रोक दिया, क्योंकि ग्लेशियर टूटने के कारण मलबे से बनी बैरियर झील उफनने लगी। यह झील ग्यिरोंग बंदरगाह से करीब 10 किलोमीटर दूर है और इसमें 20 लाख घन मीटर से अधिक पानी जमा है। झील के टूटने की आशंका के चलते चीनी बचावकर्मियों और वाहनों को आपदा स्थल से हटाकर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है।

नेपाल सरकार ने भी भोतेकोशी और त्रिशूली नदियों के किनारे बसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाईकोर्ट ने एसएफएसएल भर्ती रद्द करने के प्रस्ताव पर रोक नहीं लगाई

रांची, 28 अगस्त। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के विज्ञापन संख्या 10/2025 (बैकलॉग) के तहत स्टेट फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री

- **राज्य सरकार ने नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कर दिया था, जिसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका लगी थी।**

(एसएफएसएल) में सहायक निदेशक/वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर नियुक्ति प्रक्रिया रद्द करने के राज्य सरकार के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर शुक्रवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर, जोधपुर, भरतपुर संभाग की बैठक जारी, फाइनल लिस्ट आज घोषित होगी

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रदेश अध्यक्ष व निकाय चुनाव प्रभारी के साथ बैठकों में भाग लिया

जयपुर, (निसं), 28 जनवरी। नगर निकाय चुनाव में वॉर्ड-वार प्रत्याशियों के चयन को लेकर भाजपा में मंथन का दौर लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। पार्टी ने संभाग-वार बैठकों में दावेदारों के तीन-तीन नामों के पैनल पर चर्चा कर अधिकांश वॉर्डों के प्रत्याशियों के नामों पर सहमति बनाने का प्रयास किया।

गुरुवार को बीकानेर संभाग के कुछ निकायों पर चर्चा अधूरी रह गई थी, जिसके कारण शुक्रवार को बीकानेर के शेष निकायों के साथ कोटा संभाग के निकायों पर मंथन किया गया। देर रात तक दोनों संभागों के अधिकांश निकायों में प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए गए। भरतपुर संभाग के कुछ निकायों के पैनलों पर भी चर्चा कर नाम फाइनल किए गए।

अब शनिवार को भरतपुर संभाग के शेष निकायों के साथ जयपुर और जोधपुर संभाग के वॉर्ड-वार पैनलों पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद प्रदेश के अधिकांश निकायों और वॉर्डों में भाजपा प्रत्याशियों के चेहरे तय होने की संभावना है।

पार्टी ने नामांकन की अंतिम तिथि 31 अगस्त को देखते हुए शनिवार से ही निकाय-वार प्रत्याशियों की सूची जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि शनिवार तक अधिकतर वॉर्डों के उम्मीदवारों के नाम घोषित कर

- **भाजपा के लिए वो वॉर्ड चुनौती बने हुए हैं, जहाँ स्थानीय नेताओं और दावेदारों में किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। ऐसे वॉर्डों में संभाग प्रभारी, स्थानीय नेताओं से समन्वय कर सहमति बनाने का प्रयास करेंगे।**

दिए जाएंगे।

दो दिनों की बैठकों में अजमेर, उदयपुर, बीकानेर और कोटा संभाग के निकायों के साथ, भरतपुर संभाग के कुछ निकायों में भी प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा कर निर्णय किए जा चुके हैं। इन बैठकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, निकाय चुनाव प्रभारी चंद्रशेखर बावनकुले, संभाग प्रभारी और सहप्रभारी, निकाय प्रभारी, संभागीय निकाय चुनाव संचालन समिति के सदस्य, जिलाध्यक्ष, जिला संगठन प्रभारी, विधायक, पूर्व विधायक, सांसद और अन्य प्रमुख नेता शामिल थे।

भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन वॉर्डों में प्रत्याशी चयन को लेकर बनी हुई है, जहां स्थानीय नेताओं और दावेदारों के बीच किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। ऐसे वॉर्डों में संभाग प्रभारी स्थानीय नेताओं से समन्वय कर सहमति बनाने का प्रयास करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, जहां सहमति नहीं बन पाएगी, वहां तीन नामों के पैनल में से जीत की सबसे मजबूत संभावना वाले दावेदार के नाम पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी।

इन वार्डों में स्थानीय संगठन की रिपोर्ट, उम्मीदवार की क्षेत्रीय पकड़, जनाधार और जीत की संभावना को प्राथमिकता दी जाएगी। ऐसे कुछ विवादित वॉर्डों के प्रत्याशियों की घोषणा नामांकन की अंतिम तिथि 31 अगस्त की सुबह तक किए जाने की संभावना भी जताई जा रही है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय से रवाना होते समय निकाय चुनाव प्रभारी चंद्रशेखर बावनकुले ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अब कुछ नहीं बचा है और वह केवल हल्ला-गुल्ला करना जानती है। निकाय चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही, भाजपा ने प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया को अंतिम चरण में पहुंचा दिया है। शनिवार की बैठकों के बाद पार्टी की पहली बड़ी प्रत्याशी सूची आने की संभावना है, जिस पर प्रदेशभर के दावेदारों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं की नजरें टिकी हुई हैं।

खाद्य व पेय पदार्थों की पैकिंग पर चेतावनी लेबल लगेगा

नई दिल्ली, 28 अगस्त। खाने पीने की वस्तुओं के पैकेट पर जल्द ही आपको अधिक चीनी, नमक की चेतावनी दिख सकती है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और

- **नेस्ले, पेप्सिको और कोका-कोला जैसी कंपनियां इस कदम का विरोध कर रही हैं क्योंकि इससे बिक्री पर असर पड़ने की आशंका है।**

मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने अधिक चीनी, नमक या फैट वाले खाद्य और पेय पदार्थों के पैकेट पर लाल रंग का चेतावनी लेबल लगाने का प्रस्ताव दिया है।

इससे उपभोक्ता उसे खरीदने से पहले स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सार-समाचार

निवाई में रक्षा बंधन त्योहार उत्साह से मनाया

निवाई। रक्षा बंधन का त्यौहार उत्साह पूर्वक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान हर चेहरे पर चमक और हर कलाई पर बंधी रंग बिरंगी राखियां बहन भाई के अटूट प्रेम की कहानी बयां कर रही थी, सभी भाईयों के मन में रक्षा की उमंग बंधन से जुड़ी हुई थी। हर भाई के ललाट पर लगा चमकता हुआ तिलक यश और ओजस्वी का प्रतीक बना हुआ था। रक्षा बन्धन के पर्व पर हर घर में सजे थाल में मिठाईयों से भरपूर प्यार बहन भाईयों के संसार को सजोए हुए था। रक्षा बन्धन के त्यौहार पर घर-घर में बहनों ने अपने भाईयों के राखी बांधकर उनका जीवन प्रकाशमय रहने की मनोकामना की, तो भाईयों ने बहिनों की रक्षा करने का संकल्प लिया। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में शनिवार को भाई बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षा बंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास एवं परम्परागत रूप से उत्साह के साथ मनाया गया। रक्षाबन्धन के त्यौहार को लेकर घरों एवं बाजारों में सुबह से ही पहल पहल देखी गई तथा बहनों ने अपने भाईयों के तिलक लगाकर उनकी कलाई पर राखी बांधकर मिठाई से मुंह मीठा किया तथा परम्परानुसार बहनों ने अपने भाईयों की समृद्धि के लिए भगवान से प्रार्थना की तो भाईयों ने बहनों को उपहार स्वरूप आभूषण एवं ड्रेस देकर खुशियां मनाई। त्यौहार के चलते घरों में खीर, पुए व चावल सहित कई पकवान बनाए गए। मंदिर के पुजारियों ने भी घर-घर में राखी बांधकर आपस में भाईचारा रहने की मनोकामना की। इस दौरान बडा बाजार, चौहट्टी बाजार, जमात, सब्जी मंडी, बिलाला मार्केट, गणगौरी बाजार, पटेल रोड, टोंक रोड व झिलाय रोड सहित कई बाजारों में लोगों की भीड लगी रही। त्यौहार को लेकर बसों की छतों पर भी यात्रियों को जोखम भरी यात्रा करते हुए देखा गया। रेलवे स्टेशन पर भी दिन भर सैकडों यात्रियों की भीड लगी रही। ट्रैन के अन्दर भीड होने से यात्रियों को भारी समस्या के बीच सफर करना पड़ा।

भाई की कलाई पर सजा बहनों का प्यार, राखी के धागे ने मजबूत किए रिश्तों के बंधन

लालसोट। भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को लालसोट क्षेत्र में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व को लेकर उत्साह का माहौल नजर आया। बहनों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनकी रक्षा और हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। राखी बांधने के दौरान भाई-बहनों के बीच भावुकता और स्नेह के पल देखने को मिले। बाजारों में भी रक्षाबंधन को लेकर विशेष रौनक रही। रंग-बिरंगी राखियों, मिठाइयों और उपहारों की दुकानों पर दिनभर लोगों की भीड़ बनी रही। रक्षाबंधन पर्व ने भाई-बहन के पवित्र रिश्ते में प्रेम, विश्वास और अपनत्व की डोर को और मजबूत किया। त्योहार को लेकर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में खासा उत्साह दिखाई दिया।

छात्रावास का शिलान्यास समारोह कल

निवाई। अखिल भारतीय रैगर महासभा के तत्वावधान में आयोजित छात्रावास के शिलान्यास समारोह की तैयारियों को लेकर अर्जुन थलहेटिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई। जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल व जिला महामंत्री राम भज वर्मा ने बताया कि 30 अगस्त को नगरफोर्ट में रैगर समाज के छात्रावास का शिलान्यास समारोह आयोजित होगा, जिसकी तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई। उन्होंने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा होंगे, अध्यक्षता कैलाशी देवी पत्नी रघुनाथ चौमियाँ पलाई करेंगी एवं समारोह में अति विशिष्ट अतिथि गोपाललाल वर्मा केकडी व पूर्व प्रधान शकुंतला वर्मा, विशिष्ट अतिथि मांगीलाल चौमियाँ पलाई, रामकिशन सेवलिया चौथ का बरवाडा, मूलचंद मूर्तिकार पगारा, हेमराज चौमियाँ, छोटूलाल करावलिया, ओमप्रकाश धवलपुरिया, रामभज वर्मा, भंवरलाल देवतवाल, अर्जुनलाल थलहेटिया, गीता देवी फुलवरिया, नीता देवी कंवरिया, सीता देवी हाथीवाल, रामफूल तुंगरिया, शंकरलाल बांसीवाल, नंदलाल वर्मा, मोहनलाल बारोलिया, निर्माण समिति के संरक्षक भंवरलाल देवतवाल व समित अध्यक्ष हरीनारायण चौमियां होंगे।

बालिकाओं ने थाने में बांधी राखी

मनोहरपुर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर छोटी बालिकाओं दीया, भावना, अर्पिता, अनुष्का एवं हर्षिता ने शाहपुरा पुलिस थाने पहुंचकर थाना प्रभारी रिया चौधरी सहित अन्य पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को स्नेहपूर्वक राखी बांधी। इस दौरान बालिकाओं ने पुलिसकर्मियों के प्रति अपना सम्मान और विश्वास व्यक्त किया। थाना प्रभारी रिया चौधरी एवं अन्य पुलिसकर्मियों ने भी बालिकाओं को उपहार एवं नगद राशि देकर उनका सम्मान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर थाने का माहौल पारिवारिक और भावनात्मक बना रहा। कार्यक्रम ने समाज में पुलिस और जनता के बीच आपसी विश्वास और भाईचारे का संदेश दिया।

मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम दिया

मनोहरपुर। बारह वफात के मुबारक अवसर अकीदत व एहतराम के साथ जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस में भारी तादाद में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया। लोहार मंडी में निकले जुलूस के दौरान नात-ए-पाक, दुरूद व सलाम की सदाओं से शहर गूंजायमान हो उठा। लोहार मंडी के मार्ग में जगह-जगह लोगों ने जुलूस का इस्तकबाल किया। अनेक जगहों पर फलों को बांटा गया। भीषण गर्मी के मद्देनजर शरबत और शीतल जल की छबीलें लगाई गई तथा जुलूस में शामिल लोगो की खिदमत की गई। मुस्लिम भाइयों ने अमन, भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम दिया। मुस्लिम विद्वानों ने पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद मुस्तफा की सीरत-ए-पाक को याद करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संदेश भी दिया। जुलूस मे हमजा आलम निशा मुसकिरा मायरा अर्शद हुसैन हुस्ना नौशाद जुनेरा जुनैद अमान वसीम अशद् माइनूर अल्फेज आसिफ शाहिद हुरैन जराफतमा आदि उपस्तिथ थे। यह जानकारी अनवर लोहार व जावेद लोहार ने दी है।

जश्न ए इदुलमिलादिन्नबी का जुलूस निकलेगा

देवली । जानकारी के अनुसार देवली शहर में हजरत मुहम्मद सल्लाहू अलैहिवस्सलम की यौमे पैदाइश (जन्म दिवस) वफ़ात (निर्वाण) के मुबारक मौके पर देवली शहर में मुस्लिम समाज द्वारा जुलूस निकाला जायेगा। यह आयोजन पैगंबर ए कायनात के 1501 वर्ष पूर्ण होने पर किया जा रहा है। समाज के प्रवक्ता मोहम्मद इदरीस हारून अंसारी ने जानकारी मे बताया की। जुलूस की विधिवत् शुरुआत 26 अगस्त बुधवार को सुबह फ़ज़र की नमाज़ के साथ कुरआन ख्वानी (कुरआन के पठन से)से शुरू होंगी। शहर के शाही जामा मस्जिद से जुलूस ममता सर्किल, छतरी चौराहे से होते हुए हजरत पहलवान शाह बाबा की मज़ार शरीफ़ पर पहुंचेगा। इसी क्रम में कोटा रोड, एजेंसी एरिया से, बंगाली कॉलोनी, प्रताप कॉलोनी आदि क्षेत्र के लोग भी जुलूस में शामिल होंगे। इस्लामिक उलेमाओं विद्वानों द्वारा हजरत मुहम्मद साहब की सीरत ए मुस्तफ़ा (जीवनी) पर रौशनी डाली जाएगी।

घाटों पर गूंजे वैदिक मंत्र, संपन्न हुआ ऋषि पूजन

अजमेर। श्रावण मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर शुक्रवार को पवित्र तीर्थ नगरी पुष्कर में श्रावणी पर्व पूरे विधि-विधान और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सैकडों तीर्थ पुरोहितों,वेदपाठी बालकों और ब्राह्मणों ने पुष्कर सरोवर के विभिन्न घाटों पर पहुंचकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शारीरिक, मानसिक और आत्मशुद्धि के लिए परंपरा अनुसार दसविधि हेमाद्री स्नान किया। सरोवर के प्रमुख घाटों पर विद्वान पंडितों के आचार्यत्व में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करवाए गए। पंडित पवन कुमार राजऋषि, पंडित सूरज नारायण पाराशर और ब्रह्मा-सावित्री वेद विद्यापीठ के प्रधानाचार्य रामकरण के नेतृत्व में स्थानीय ब्राह्मणों व तीर्थ पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रावणी कर्म संपन्न किया। इस दौरान पूरा घाट परिसर वैदिक मंत्रों से गूंज उठा। आचार्य पंडित पवन कुमार राजऋषि के सानिध्य में सबसे पहले दसविध स्नान कराया गया। श्रावणी उपाकर्म के तहत तीर्थ पुरोहितों ने प्रायश्चित संकल्प, सूर्याराधन, तर्पण, सूर्योपस्थान, अग्निहोत्र और ऋषि पूजन किया।

बहरोड़ के साहित्यकार सुबह सिंह "अंतरराष्ट्रीय जर्नल" से सम्मानित

सुबह सिंह को सम्मान महज 45 दिनों के छोटे से अंतराल में उत्कृष्ट शोध समीक्षा कार्य के लिए दिया गया है।

- छह बार राष्ट्रपति अवार्ड से नवाजे गए
- 720 लेख, 39 पुस्तकों के रचयिता, पुत्र यतीन्द्र की पुस्तक "एनीमेशन की दुनिया" को राष्ट्रीय पुरस्कार

किशनगढ़ बास। बहरोड़ तहसील के ग्राम भूपखेड़ा ने एक बार फिर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। गांव निवासी साहित्यकार सुबह सिंह यादव को अंतरराष्ट्रीय शोध जर्नल आर्काइव्स ऑफ करंट रिसर्च इंटरनेशनल ने उनके बेहतरीन और जोश भरे पीयर रिव्यू के लिए सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें महज 45 दिनों के छोटे से अंतराल में उत्कृष्ट शोध समीक्षा कार्य के लिए दिया गया है।

सुबह सिंह यादव बैंकिंग और हिंदी साहित्य के क्षेत्र में एक बड़ा नाम हैं। वह बैंक ऑफ बड़ौदा अकादमी से शिक्षण प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हैं। राजभाषा हिंदी में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें अब तक छह बार राष्ट्रपति अवार्ड, छह बार योजना आयोग, पांच बार रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, चार बार केंद्रीय वित्त मंत्रालय और दो बार गृह मंत्रालय से पुरस्कृत किया जा चुका है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। सुबह सिंह यादव अब तक 39 पुस्तकें लिख चुके हैं और उनके 720 से अधिक लेख राष्ट्रीय स्तर की पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय जर्नल से मिला यह नया सम्मान उनकी शोध-दृष्टि और निरंतर साधना का प्रमाण है।वहीं, उनके पुत्र यतीन्द्र एस यादव ने भी परिवार की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया है।

यतीन्द्र को भारत सरकार के प्रतिष्ठित राजभाषा गौरव सम्मान के लिए चयनित किया गया है। यह सम्मान उन्हें उनकी मौलिक हिंदी पुस्तक "एनीमेशन की दुनिया" पर दिया जाएगा। यह पुरस्कार आगामी राजभाषा सम्मेलन के दौरान देश के गृहमंत्री द्वारा प्रदान किया जाएगा।

1 किलो से अधिक अवैध डोडा चूरा के साथ आरोपी पकड़ा

आरोपी के कब्जे से 01.012 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया ।

कोटपूतली । स्थानीय थाना पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ संयुक्त कार्यवाही करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 01.012 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थों और नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत एएसपी नाजिम अली खान व डीएसपी मदनलाल जैफ के सुपरविजन में थानाधिकारी कृष्ण कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। एएनटीएफ से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 27 अगस्त को कस्बे के सराय मौहल्ला (पुराने कटले के पास) में दबिश दी। वहां से पुलिस ने कमल शर्मा उर्फ बब्बू (23) पुत्र राजकुमार जाति ब्राह्मण निवासी पुराने कटले के पास, मौहल्ला सराय कोटपूतली को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से प्लास्टिक की थैली में रखा 01.012 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा जप्त किया गया। थानाधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि पुलिस ने आरोपी कमल शर्मा को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कोटपूतली थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत मुकदमा संख्या 451/26 दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपी से सख्ती से पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह यह नशीला पदार्थ कहां से लाया था और इसे किसे सप्लाई करने वाला था।

दो फरार वांछित आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वांछित अपराधियों और स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में दत्तवास पुलिस ने अवैध बजरी खनन मामले में डेढ़ महीने से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस ने अवैध बजरी खनन और परिवहन के मामले में करीब डेढ़ महीने से फरार चल रहे आरोपी कमलेश गुर्जर को गिरफ्तार किया है। जो काफी दिनों से लगातार अपने ठिकाने और नाम बदल रहा था। इसी प्रकार झिराना पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए एनडीपीएस एक्ट में पुलिस थाना मेहन्दवास में दर्ज प्रकरण में 9 माह से फरार आरोपी लालचन्द पुत्र किशन तंवर उम्र 28 साल निवासी पालखन्दा थाना घाटोली जिला झालावाड़ को अवैध मादक पदार्थ 256 ग्राम स्मैक परिवहन मामले में गिरफ्तार किया गया है।

भाजपा में बगावत, महिला कार्यकर्ताओं का धरना

भीलवाड़ा। नगर निकाय चुनाव के लिए भाजपा में टिकटों की अधिकृत घोषणा से पहले ही असंतोष की आग भड़क उठी है। भीलवाड़ा नगर निगम में महापौर का पद इस बार सामान्य महिला के लिए आरक्षित हुआ है, लेकिन प्रत्याशियों के चयन को लेकर जमीनी कार्यकर्ताओं में भारी रोष है। पूर्व नगर परिषद सभापति एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष मंजू चेचाणी के नेतृत्व में शनिवार को महिला कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया। धरने पर बैठीं रेखा पुरी, इंदु बंसल सहित अन्य कार्यकर्ताओं का सीधा आरोप है कि वर्षों से पार्टी के लिए पसीना बहा रही सक्रिय महिलाओं को दरकिनार किया जा रहा है। जयपुर से स्थानीय नेताओं तक पहुंची संभावित प्रत्याशियों की सूची की जानकारी लीक होने के बाद यह विरोध सामने आया है। कार्यकर्ताओं के अनुसार, जमीनी महिलाओं के टिकट काटकर बडे नेताओं की पत्नियों को तरजीह दी जा रही है। प्रदर्शन के दौरान पूर्व सभापति मंजू चेचाणी ने दोटूक कहा, "महापौर की सीट सामान्य महिला की होने के बावजूद एक भी सक्रिय महिला कार्यकर्ता को टिकट नहीं दिया गया है। केवल पुरुष नेताओं की पत्नियों को आगे लाया जा रहा है।

पहले दिन शुभ मुहूर्त में पहुंचे प्रत्याशी, प्रशासन ने किए सुरक्षा इंतजाम

- पार्टियां अलग-अलग वार्डों में जीत की संभावना, स्थानीय पकड़ और कार्यकर्ताओं के फीडबैक के आधार पर उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने में जुटी
- नगर निकाय चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

पावटा। नगर निकाय चुनाव को लेकर गुरुवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। जहां पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में वार्ड पार्षद प्रत्याशियों ने नामांकन के पहले दिन संभावित प्रत्याशी शुभ मुहूर्त में अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए पहुंचे। नामांकन को लेकर प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। नॉमिनेशन के लिए प्रमुख दलो के प्रत्याशी अपने-अपने समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने के लिए पहुंचेहालांकि दोनों ही पार्टियों द्वारा किसी भी व्यक्ति को अधिकृत सिंबल नहीं दिया गया है, लेकिन इन्हें उम्मीद है कि पार्टी इन्हे टिकट देगी। इनका कहना है कि यदि पार्टी इन्हे टिकट नहीं देती है तो भी वे तन मन से पार्टी के साथ है।

वहीं संभावित प्रत्याशियों की भीड को देखते हुए प्रशासन की ओर से नामांकन केंद्रों पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। रिटर्निंग अधिकारी बृजेश कुमार ने बताया कि, नामांकन प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार, शनिवार और सोमवार को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगी। नामांकन प्रक्रिया को व्यवस्थित रखने के लिए उपखंड कार्यालय में वार्डों के अनुसार दो अलग-अलग स्थान निर्धारित किए गए है। एसडीएम कार्यालय में कमरा न.1 में वार्ड नंबर 1 से 25 तक के संभावित प्रत्याशियों के नामांकन जमा होंगे। वहीं कमरा नंबर 5 में वार्ड नंबर 26 से 45 तक के प्रत्याशी नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य नामांकन प्रक्रिया के दौरान भीड को नियंत्रित करने के साथ ही प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की आवाजाही को व्यवस्थित रखना है।

प्रत्याशियों की बढती भीड को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई है ताकि नामांकन प्रक्रिया के दौरान अनावश्यक भीड अंदर नहीं पहुंच सके। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है। पुलिसकर्मी नामांकन केंद्रों के आसपास व्यवस्था संभालने के साथ प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की आवाजाही पर नजर रख रहे है। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे दावेदार सक्रिय हो गए है। कई प्रत्याशी शुभ मुहूर्त के अनुसार नामांकन दाखिल करने पहुंचे। प्रत्याशियों के साथ समर्थकों की मौजूदगी से नामांकन केंद्रों के आसपास चुनावी माहौल नजर आया। नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियां तेज होने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी व कांग्रेस ने प्रत्याशियों के चयन और संगठन को मजबूत करने पर फोकस बढ़ा दिया है। पार्टियां अलग-अलग वार्डों में जीत की संभावना, स्थानीय पकड़ और कार्यकर्ताओं के फीडबैक के आधार पर उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने में जुटी है। कई वार्डों में टिकट के लिए बडी संख्या में दावेदार सामने आए है। इनमें सदस्य पदों के चुनाव के लिए नामांकन शुरू हो चुके हैं। गुरुवार दोपहर तक भाजपा व कांग्रेस ने एक भी प्रत्याशी के नाम का ऐलान नहीं किया। प्रत्याशियों के नाम तय करने के साथ ही बागियों को साधने की तैयारी की जा रही है।

मनोहरपुर में बहनों ने अपने भाईयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा

शाहपुरा थाने में थाना प्रभारी रिया चौधरी एवं अन्य पुलिसकर्मियों ने राखी बांधने के बाद बालिकाओं को उपहार दिए।

मनोहरपुर । भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व शुक्रवार को मनोहरपुर शाहपुरा कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बडे ही हर्षोल्लास, श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। बहनों ने सुबह स्नान आदि कर थाली में रोली, चावल, दीया और राखी सजाकर अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। शाहपुरा थाने में थाना प्रभारी रिया चौधरी एवं अन्य पुलिसकर्मियों ने राखी बांधने के बाद बालिकाओं को उपहार दिए। कुछ ने तिलक लगाकर आरती उतारी और मिठाई खिलाकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार, नगद राशि देकर जीवनभर हर सुख-दुख में साथ निभाने और रक्षा करने का वचन दिया। जो भाई नौकरी या व्यवसाय के कारण बाहर रहते हैं, उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से राखी बंधवाई। इस पावन अवसर पर क्षेत्र के माशाहूर व दयालु भामाशाह इंद्र कुमार अग्रवाल ने समस्त क्षेत्रवासियों को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अग्रवाल ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व केवल एक धागे का त्योहार नहीं है, बल्कि यह भाई-बहन के निस्वार्थ प्रेम, अटूट विश्वास और जन्म-जन्मांतर के पवित्र बंधन का प्रतीक है। यह पर्व हमें हमारी महान भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और आपसी भाईचारे को संजोकर रखने की सीख देता है । उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक युग में भी इस पर्व का महत्व कम नहीं हुआ है। यह पर्व हमें यह एहसास दिलाता है कि परिवार से बडा कोई धन नहीं होता और भाई-बहन का प्यार दुनिया का सबसे सच्चा प्यार होता है।

फर्जी दस्तावेजों से कृषि भूमि हड़पने का मामला

अजमेर। फर्जी दस्तावेज तैयार कर कृषि भूमि बेचने और जमीन हडपने के गंभीर मामले में पुष्कर थाना पुलिस ने बडी कार्रवाई करते हुए दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की एक विशेष टीम ने राजसमंद जिले में दबिश देकर दोनों आरोपियों को दबोचने में सफलता हासिल की। पुष्कर थानाप्रभारी अशोक बिशु ने जानकारी देते हुए बताया कि परिवादी महावीर सिंह शेखावत ने अदालत के माध्यम से एक इस्तगासा पेश किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपियों ने फर्जी व कूटरचित दस्तावेज तैयार कर कृषि भूमि का अवैध बेचान कर दिया और जमीन हडपने की कोशिश की। अदालत से प्राप्त इस्तगासे के आधार पर पुष्कर थाने में 24 फरवरी को मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। मामले की जांच के दौरान दो मुख्य आरोपियों के वांछित होने की जानकारी सामने आई। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गठित विशेष पुलिस टीम ने संभावित ठिकानों पर दबिश देकर और सूचनाएं जुटाकर दोनों आरोपियों गंगासिंह रावत निवासी समुडिया दाता राजसमंद व गुलाब रावत निवासी ठाम टिडाना की ढाणी को को गिरफ्तार कर लिया।

सार-समाचार

ब्रह्माकुमारी बहिनों नेपुलिसकर्मियों के बांधा रक्षा सूत्र

निवाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में निवाई पुलिस थाने में रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने उपस्थित पुलिसकर्मियों को रक्षा सूत्र बांधकर तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराते हुए ब्रह्माकुमारी रेखा बहन ने आत्मिक प्रेम, सुख, शांति और श्रेष्ठ संस्कारों का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रक्षा सूत्र जीवन को विकारों से सुरक्षित रखकर सुख शांति शक्ति से भर देता है। यह पवित्रता का रक्षा सूत्र हमें परमात्मा से भी जोडता है। इस दौरान उन्होंने राजयोग अभ्यास जानकारी देते हुए बताया की राजयोग से मनुष्य के जीवन में आत्मविश्वास एवं आध्यात्मिकता शक्ति का विकास करता है। उन्होंने आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहा कि आज आवश्यकता बाहरी सुरक्षा से अधिक आंतरिक सुरक्षा की है। सच्चा रक्षा सूत्र हमें बुराइयों से बचाकर श्रेष्ठ जीवन जीने कि प्रेरणा देता है।

बालाजी के विशाल भंडारा आज

निवाई। गांव पहाड़ी के नाडी वाले बालाजी महाराज के मंदिर में श्री नाडी वाले बालाजी मंदिर समिति एवं ग्रामवासियों के तत्वावधान में बाल ब्रह्मचारी महंत दिनेशदास नागा बाबा के सानिध्य में संपूर्ण श्रावण मास में रामायणजी एवं सुंदरकांड के अखंड पाठों का भव्य आयोजन किया गया। जिसको लेकर शनिवार को विधि विधान के साथ पूर्णाहुति की जाएगी एवं विशाल भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालु रंगलाल पटेल ने बताया कि शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रामायणजी के अखंड पाठों की विधिवत पूर्णाहुति संपन्न कराई जाएगी। इसके पश्चात बालाजी महाराज की विशेष महाआरती करके महाप्रसादी के रूप में विशाल भंडारे का आयोजन होगा। जिसमें कई संत-महात्माओं सहित सैकडों श्रद्धालु भाग लेंगे। मंदिर समिति एवं ग्रामीणों द्वारा इस आयोजन की सभी तैयारियां पूरे उत्साह के साथ पूरी कर ली गई हैं।

बालाजी ढाणी में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शिव पंचायत मंदिर का शिला पूजन

लालसोट। नगर परिषद लालसोट के ग्रामीण वार्ड स्थित बालाजी ढाणी में रक्षाबंधन पर्व पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को शिव पंचायत मंदिर निर्माण के लिए वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शिला पूजन किया गया। पंडित दीपक शर्मा के सान्निध्य में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मंदिर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। अभिनंदन बोहरा ने किया शिला पूजन। मंदिर निर्माण के लिए आयोजित शिला पूजन कार्यक्रम में अभिनंदन बोहरा द्वारा विधिवत पूर्णाहुति संपन्न कराई गई। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में गोविन्द बोहरा, खेमचंद बोहरा, राकेश शर्मा, रमेश सैनी, लल्लू सैनी मण्डावरा, रामदयाल त्रिवेदी सहित अन्य ग्रामीण एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। शिला पूजन के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

त्योहारी सीजन में मिलावट के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

टोंक। त्योहारी सीजन को देखते हुए आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के सम्बन्ध चलाये जा रहे मिलावट के खिलाफ विशेष अभियान शुद्ध आहार मिलावट पर वार के तहत जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सघन निरीक्षण एवं नमूना संग्रह की कार्यवाही की गई। जिसके अन्तर्गत पहर में कार्यवाही के दौरान मैसर्स श्री रामेश्वरम चौधरी मिष्ठान भंडार कृषि मंडी के सामने टोंक से मावा का नमूना एवं जोधपुर मिष्ठान भंडार सवाई माधोपुर चौराहा टोंक से मावा व मावा बर्फी का नमूना लिया गया, जिसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा द्य जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि त्योहारी सीजन में आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। मिलावट एवं अवधिपार खाद्य पदार्थों की बिक्री के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

12 मोतियाबिंद रोगी स्वस्थ पाए

देवली (नि स) शहर की जनसेवा समिति एवं सहाय हॉस्पिटल मोती डूंगरी जयपुर आई रिसर्च सेंटर सोसायटी द्वारा जिला अंधता निवारण समिति जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 25 अगस्त को मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद फॉलोअप शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सभी 12 रोगी स्वस्थ पाए गए। अध्यक्ष कानसिंह राणावत ने बताया कि सहाय हॉस्पिटल जयपुर की नेत्र विशेषज्ञ डॉ. ज न्वी गौतम ने रोगियों की आंखों की रोशनी, दूरी एवं नजदीक की दृष्टि की जांच की। रोगियों को दवाइयां एवं विजन चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे तथा आंखों की देखभाल एवं सावधानियों की जानकारी दी गई। शिविर संयोजक कन्हैयालाल लूनिवाल ने बताया कि रोगियों को अगले फॉलोअप के लिए 15 सितंबर को पुन: बुलाया गया है।

सांभर में हर्षोल्लास से लोगों ने मनाया रक्षाबंधन का पर्व

सांभर में बहनों ने भाईयों की कलाई पर राखी बांधी

- बाजारों में दिन भर रही रौनक

सांभरझील, (निसं)। यहां रक्षाबंधन का पर्व लोगों ने हर्षोल्लास व उमंग के साथ मनाया। प्रमुख गोला बाजार, न्यू मार्केट, नया बस स्टैंड सहित अनेक बाजारों में राखी के पर्व पर सुबह से ही खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ देखने को मिली।

हलवाइयों की दुकानों पर अनेक तरह के मिष्ठानों की लोगों ने जमकर खरीदारी की। किराणो की दुकान सहित राखी बेचने वाले के यहां भी महिलाओं ने खरीदारी की। बहनों में रंग बिरंगी राखियां व अनेक तरह के रक्षा सूत्र भाइयों की कलाई पर बांधने के लिए खरीदें। अनेक ने चांदी की राखियां भी खरीदी। बहनों ने अपने भाईयों की कलाई पर राखी रक्षा सूत्र बांधकर तिलक लगाया तथा मिष्ठान खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया। बहनों ने अपने भाई के स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना के साथ तरक्की के लिए आशीर्वाद दिया। वही भाइयों ने भी अपनी बहनों की रक्षा के लिए वचन दिया।

महिला का मंगलसूत्र चुराने वाली आरोपी गिरफ्तार

जयपुर(निसं)। रक्षाबंधन के मौके पर सिंधी कैंप बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ का फायदा उठाकर महिला का सोने का मंगलसूत्र चोरी करने वाली आरोपी महिला को सिंधी कैंप थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया सोने का मंगलसूत्र भी बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने रक्षाबंधन के मौके पर सिंधी कैंप बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ का फायदा उठाकर महिला का सोने का मंगलसूत्र चोरी करने वाली आरोपी महिला भतेरी (55) निवासी पचेरी कलां जिला झुंझुनूं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया सोने का मंगलसूत्र बरामद कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में अन्य चोरी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है। इस कार्रवाई करने वाली टीम में सिंधी कैंप थानाधिकारी वंदना नरूला, एएसआई प्रहलाद सिंह, कांस्टेबल सतवीर, श्रवण कुमार, भागीरथ तथा महिला कांस्टेबल सुनीता और सरिता शामिल रहे। पुलिस के अनुसार कांस्टेबल सतवीर की कार्रवाई में विशेष और सराहनीय भूमिका रही। सिंधी कैंप थानाधिकारी वंदना नरूला ने बताया कि ललिता मेहरा सिंधी कैंप बस स्टैंड पर यात्रा के लिए पहुंची थीं।

जीएसटी विभाग ने करीब 1.40 करोड़ रूपए की टैक्स अनियमितताओं पर कार्रवाई की

जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई, चार प्रतिष्ठानों में सामने आई कर अनियमितताएं

- **राज्य में जीएसटी नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने व गलत तरीके से लिए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा सर्वे व निरीक्षण की कार्रवाई लगातार तेज की जा रही है**

जयपुर,(निसं)। राज्य में जीएसटी नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने तथा कर अपवंचन एवं गलत तरीके से लिए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा सर्वे एवं निरीक्षण की कार्रवाई लगातार तेज की जा रही है। इसी क्रम में विभागीय अधिकारियों द्वारा जयपुर, बाड़मेर एवं किशनगढ़ में विभिन्न प्रतिष्ठानों पर की गई कार्रवाई में जीएसटी से संबंधित महत्वपूर्ण अनियमितताएं सामने आई हैं। संबंधित करदाताओं द्वारा कार्रवाई के दौरान 1.16 करोड़ रुपए से अधिक की राशि स्वेच्छा से जमा एवं रिवर्स की गई है।

महारानी ट्रैवल्स में 96.93 लाख रुपए की आईटीसी अनियमितता: जयपुर के जनता कॉलोनी स्थित महारानी ट्रैवल्स पर 20 अगस्त को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लेखा पुस्तकों, रिटर्न एवं अभिलेखों की जांच में 96,93,048 रुपए के इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित अनियमितता सामने आई। विभाग द्वारा प्रकरण के प्रावधानों एवं परिणामों से अवगत कराए जाने के बाद करदाता ने उक्त राशि का रिवर्सल करते हुए 96,93,048 रुपए की राशि 26 अगस्त को स्वैच्छिक रूप से जमा की।

लूदार कंस्ट्रक्शन कंपनी से 2.55 लाख रूपए की स्वैच्छिक जमा: बाड़मेर स्थित लूदार कंस्ट्रक्शन कंपनी के व्यावसायिक परिसर में 24 अगस्त को निरीक्षण एवं सर्च की कार्रवाई में फर्म द्वारा ऐसे करदाता से इनपुट टैक्स क्रेडिट लिए जाने की जानकारी सामने आई, जिसका पंजीयन प्रारंभ से ही रद्द था तथा जिसे गैर-मौजूद करदाता के रूप में चिन्हित किया गया था। विभागीय अधिकारियों द्वारा विसंगतियों से अवगत कराए जाने के बाद करदाता ने 2,55,405 रुपए की राशि 26 अगस्त को स्वैच्छिक रूप से जमा की। कार्रवाई के दौरान कोई माल अथवा दस्तावेज जब्त नहीं किए गए। प्रकरण में आगे की जांच जारी है।

हाशमी ओवरसीज एलएलपी में 21.98 लाख रूपए की संभावित राजस्व देनदारी: जयपुर के औद्योगिक क्षेत्र कानोता स्थित हाशमी ओवरसीज एलएलपी पर 20 अगस्त को निरीक्षण एवं सर्च की कार्रवाई के आधार पर फर्म द्वारा माल परिवहन के लिए ट्रकों की आपूर्ति, संबंधित सेवाओं को छूट प्राप्त कारोबार के रूप में दर्शाने तथा परिसर किराये पर देने से संबंधित लेन-देन की जांच की गई। जांच में ट्रकों से संबंधित आईटीसी को अन्य सेवा से प्राप्त आउटपुट टैक्स के समायोजन में उपयोग किए जाने तथा निर्माण संबंधी खर्चों पर अवरुद्ध आईटीसी के संभावित उपयोग से संबंधित विसंगतियां भी सामने आई। प्रकरण में 21,98,505 रुपए की संभावित राजस्व देनदारी, जिसमें 13,49,910 रुपए कर तथा 8,48,595 रुपए ब्याज शामिल है, चिन्हित की गई। कार्रवाई के दौरान करदाता ने 6,44,308 रुपए की राशि 21 अगस्त को स्वैच्छिक रूप से जमा की। कोई माल अथवा दस्तावेज जब्त नहीं किया गया। शेष रिकॉर्ड की जांच एवं अतिरिक्त कर एवं ब्याज अथवा अपात्र आईटीसी की संभावना के संबंध में जांच जारी है।

श्री यमुना महारानी ग्रेनाइट्स में 19.08 लाख रूपए की विसंगति: किशनगढ़ के ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया स्थित श्री यमुना महारानी ग्रेनाइट्स का 27 अगस्त को सर्वे किया गया। फर्म के आईटीसी के बीच अंतर की जांच में वित्तीय वर्ष 2024-25 में करीब 3 लाख रुपए तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में करीब 16.08 लाख, कुल 19.08 लाख रूपए की संभावित विसंगति सामने आई। विभागीय कार्रवाई के बाद करदाता द्वारा 11.25 लाख रूपए की राशि स्वैच्छिक रूप से जमा की गई। इसमें वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 1.49 लाख रूपए तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए क्रमशः 5 लाख एवं 4.75 लाख रूपए की राशि शामिल है।

विभाग की कार्रवाई लगातार जारी: वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा रिटर्न विश्लेषण एवं फील्ड इंटेलिजेंस के आधार पर संदिग्ध लेन-देन एवं आईटीसी के मामलों की लगातार जांच की जा रही है। विभाग का उद्देश्य वास्तविक कर देनदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ गलत तरीके से आईटीसी लेने, कर दायित्व छिपाने तथा जीएसटी प्रावधानों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई करना है। अधिकारियों द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जांच में सामने आने वाली प्रत्येक अनियमितता के अनुसार नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सार-समाचार

जयपुर में पहली बार वीएलएनटी सर्जरी, 15 साल बाद मरीज को मिली राहत

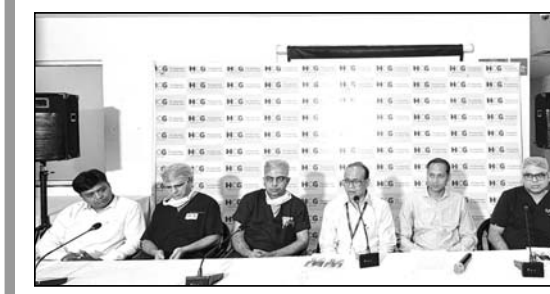

जयपुर(निसं)। नागौर निवासी 61 वर्षीय मरीज को 15 साल से पैर में बनी गंभीर सूजन से राहत मिली है। एचसीजी कैंसर हॉस्पिटल जयपुर में चिकित्सकों ने जयपुर में पहली बार वैस्कुलराइज्ड लिम्फ नोड ट्रांसफर (वीएलएनटी) माइक्रोसर्जरी की। सर्जरी के बाद मरीज के प्रभावित पैर की सूजन में करीब 80 फीसदी कमी आई है। करीब तीन घंटे चली सर्जरी में मरीज के दाएं कंधे से स्वस्थ लिम्फ नोड टिश्यू निकालकर प्रभावित पैर की पिंडली में प्रत्यारोपित किया गया। माइक्रोसर्जिकल तकनीक से छोटी रक्त वाहिकाओं को जोड़कर रक्त प्रवाह और लिम्फेटिक ड्रेनेज को बेहतर किया गया। सर्जरी के बाद मरीज को तीसरे दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. सौरभ गर्ग और डॉ. मनीष जैन की अगुवाई में सर्जरी हुई। डॉ. नरेश सोमानी ने बताया कि वीएलएनटी और एलवीए जैसी आधुनिक तकनीकों से लंबे समय से लिम्फेडेमा से पीड़ित मरीजों की जीवन गुणवत्ता में सुधार संभव है। मरीज ने बताया कि वर्षों से दर्द और सूजन के कारण दैनिक गतिविधियां प्रभावित थीं, लेकिन सर्जरी के बाद उसे सामान्य जीवन की उम्मीद जगी है।

ठाकुरजी की कलाई पर सजी भक्ति की राखी

जयपुर(निसं)। छोटीकाशी के मंदिरों में श्रावण शुक्ल पूर्णिमा पर रक्षाबंधन उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। गोविंद देवजी, राधा दामोदर जी, गोपीनाथ जी, मदन गोपाल जी, सरस निकुंज, मोतीडूंगरी गणेश जी, लाड़लीजी, बृज निधि जी, ब्रज लाल बिहारी जी, मुरली मनोहर जी सहित अन्य मंदिरों में ठाकुर का पंचामृत अभिषेक वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। पूर्णिमा पर नई पोशाक धारण कराकर अलंकार धारण कराए गए। ठाकुर को कलाबूत की सुनहरी राखी, पवित्रा राखी, कच्चे सूत की राखी, रेशमी राखी, सफेद राखी और फूलों की राखी सहित विभिन्न प्रकार की राखियां धारण कराई। भक्तों की ओर से भेंट की गई राखियां भी ठाकुर को अर्पित की गईं। इसके साथ ही ठाकुर श्रीजी के दरबार को रंग-बिरंगी राखियों से आकर्षक रूप से सजाया गया। रक्षाबंधन पर ठाकुर श्रीजी को चौगुनी लड्डू, कचौरी और मीठी मठरी का भोग अर्पित किया गया।

जरूरतमंद बच्चे की शिक्षा का जिम्मा, समाजसेवा की मिसाल

जयपुर(निसं)। ब्राइट बिगिनिंग्स न्यू डॉन वेलफेयर फाउंडेशन की पहल पर जरूरतमंद बच्चे के भविष्य को नई राह मिली। फाउंडेशन की ओमैक्स सिटी शाखा प्रभारी अंबिका सोनी ने न्यू ब्रिलियंट अकादमी स्कूल के निदेशक ईश्वर शर्मा से संपर्क कर बच्चे की शिक्षा का प्रायोजन करवाया। ईश्वर शर्मा ने बच्चे की शिक्षा की जिम्मेदारी लेते हुए उसे बेहतर शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद दी। फाउंडेशन की संस्थापक एवं निदेशक ज्योति महाजन ने इस पहल को शिक्षा के माध्यम से भविष्य निर्माण की दिशा में प्रेरणादायी कदम बताया।

सामान्य वर्ग की सीटों पर सामान्य वर्ग के प्रत्याशियों को प्राथमिकता देने की मांग

जयपुर(निसं)। विप्र फाउंडेशन ने भाजपा एवं कांग्रेस प्रदेश नेतृत्व से निकाय चुनावों में सामान्य वर्ग के लिए निर्धारित सीटों पर पार्टी की घोषित नीति के अनुसार सामान्य वर्ग के योग्य, कर्मठ और समर्पित कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देने की मांग की है। विप्र फाउंडेशन ने कहा कि भाजपा एवं कांग्रेस द्वारा सामान्य वर्ग की सीटों पर सामान्य वर्ग के प्रत्याशियों को प्राथमिकता देने के स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं, लेकिन विभिन्न क्षेत्रों से मिल रही सूचनाओं के अनुसार कुछ स्थानों पर इन दिशा-निर्देशों की अनदेखी कर अन्य वर्ग के प्रत्याशियों के नामों की सिफारिश की जा रही है। इससे सामान्य वर्ग के कार्यकर्ताओं और समाज में निराशा एवं आक्रोश की स्थिति है। फाउंडेशन ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से पार्टी की घोषित नीति का प्रदेशभर में कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है, ताकि वर्षों से पार्टी के लिए समर्पित सामान्य वर्ग के कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान हो सके। विप्र फाउंडेशन ने इस मांग से कांग्रेस नेतृत्व के साथ भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व , राजस्थान के प्रभारी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, संगठन महामंत्री सहित सामान्य वर्ग से जुड़े,मंत्री, सांसद, विधायक तथा अन्य जिम्मेदार पदाधिकारियों को भी अवगत करवाया है।

गुप्त वृंदावन धाम में जन्माष्टमी महोत्सवों का आगाज

जयपुर(निसं)। जगतपुरा स्थित गुप्त वृंदावन धाम में शुक्रवार को श्री बलराम पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इसके साथ ही धाम में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सवों की शुरुआत हो गई। बलराम पूर्णिमा के अवसर पर भगवान को 56 भोग की विशेष झांकी सजाई गई। संकीर्तन, पालकी उत्सव, महाअभिषेक और महाआरती के आयोजन हुए तथा श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। इससे पूर्व चल रही कृष्ण कथा का भी समापन हुआ। महोत्सव के दौरान धाम परिसर भक्ति संगीत और संकीर्तन से गूंजता रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान बलराम के दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना में भाग लिया। वहीं धाम में शनिवार से तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्निवल शुरू होगा, जो 29 से 31 अगस्त तक चलेगा। आयोजन का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को भारतीय संस्कृति एवं सनातन मूल्यों से जोड़ना है।

रक्षाबंधन पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धा, मोती डूंगरी गणेशजी को चांदी की राखी अर्पित

- **राधा लिखी राखी से सजा गोविंद देव जी का दरबार: मोतियों के बंगले में दिए मनोहारी दर्शन**

जयपुर(निसं)। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा पर शुक्रवार को रक्षाबंधन का पर्व जयपुर के मंदिरों में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। शहरवासियों ने प्रथम पूज्य भगवान गणेश और आराध्य देव गोविंददेवजी के मंदिर पहुंचकर रक्षा सूत्र और राखियां अर्पित कीं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, शृंगार और भोग के आयोजन हुए। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिरों में पहुंचती रही।

शहर के आराध्य देव ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देवजी महाराज में रक्षाबंधन पर ठाकुर श्रीजी और राधारानी को विशेष राखियां अर्पित की गईं। शृंगार झांकी में सबसे पहले फूल और मोतियों से तैयार राखी अर्पित की गई। इसके बाद रत्न जड़ित सुनहरी कलाबूत की राखी धारण कराई गई। ठाकुरजी को रक्षाबंधन के अवसर पर विशेष सुनहरी पारचे की पोशाक पहनाई गई। मंदिर के संपूर्ण दरबार को भी आकर्षक राखियों से सजाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने साथ राखियां और रक्षा सूत्र लेकर मंदिर पहुंचे। भक्तों ने भगवान को राखी अर्पित करने के लिए मंदिर परिसर में लगी रेलिंग पर ही रक्षा सूत्र बांधे। पूर्व राजपरिवार की ओर से भी ठाकुरजी के लिए राखी और प्रसाद भेजकर रक्षाबंधन की परंपरा का निर्वहन किया गया।

गोविंददेवजी मंदिर में ठाकुरजी को दूर्वा, फूल और रेशम से तैयार विशेष राखियां भी अर्पित की गईं। इनमें 'राधा' लिखी राखी विशेष आकर्षण रही। मोगरे की कलियों से बनी राखी, रेशम की डोर में सुपारी के साथ तैयार कलाबूत की राखी और दूर्वा से बनी राखी क्रमवार ठाकुरजी को धारण कराई गई। राधारानी सहित उनकी सखियों और महाप्रभुजी शालिग्रामजी के विग्रहों को भी राखियां अर्पित की गई।

166 स्थानीय निकायों में सड़कों का पैच रिपेयर कार्य पूर्ण

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण पर विशेष फोकस किया जा रहा है, ताकि आमजन को सुरक्षित, सुगम और निर्बाध आवागमन उपलब्ध हो सके। इसी क्रम में राज्य के 309 स्थानीय निकायों में से 166 निकायों में स्वीकृत पैच रिपेयर कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 143 निकायों में कार्य प्रगति पर हैं। लक्ष्य के अनुसार इन कार्यों में 53.7 प्रतिशत पूर्ण किए जा चुके हैं। वहीं, शेष कार्यों को 5 सितंबर तक पूर्ण करने की संभावना है। मुख्यमंत्री द्वारा मानसून में सड़कों की स्थिति को लेकर समीक्षा के बाद अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर गड्ढों की त्वरित मरम्मत के लिए निर्देशित किया गया था।

जिसके बाद चलाए गए पैच रिपेयर अभियान में कोटा जोन ने शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करते हुए स्वीकृत समस्त 28 स्थानीय निकायों में कार्य पूर्ण कर लिये हैं। इसी प्रकार बीकानेर में 37 में से 35 तथा जयपुर-द्वितीय में 47 में से 43 स्थानीय निकायों में कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं।

सीकर में एस.बी. मित्तल मेमोरियल अस्पताल आरजीएचएस से निलंबित

- **आरजीएचएस में अनियमितता के प्रकरण में कार्रवाई, कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं मिलने पर कार्रवाई**
- **चिकित्सक की सेवाएं समाप्त होने के बाद उनके नाम से 315 उपचार विवरण प्रस्तुत किए जाने का मामला**

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन के संकल्प तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों के अनुरूप राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) में दावों की नियमित निगरानी और दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है। इसी क्रम में सीकर स्थित एस.बी. मित्तल मेमोरियल हार्ट एंड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल को आरजीएचएस से निलंबित किया गया है। प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि आरजीएचएस में दावों की जांच और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया लगातार सुदृढ़ की जा रही है। आरजीएचएस परियोजना अधिकारी डॉ. निधि पटेल की टीम की निगरानी के दौरान संबंधित प्रकरण में कुछ दावे प्रथमदृष्टया संदिग्ध पाए गए। इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की गई।

अस्पताल छोड़ चुके चिकित्सक के नाम से उपचार विवरण प्रस्तुत किए गए: प्रारंभिक जांच में सामने आया कि अस्पताल में कार्यरत रहीं डॉ. अलका आर्य, बीडीएस (पंजीयन संख्या 12152) ने 20 अप्रैल 2026 को अस्पताल से त्यागपत्र दे दिया था और जून 2026 से अन्य संस्था में चिकित्सा सलाहकार के रूप में कार्यरत थीं। इसके बावजूद 17 जून, 21 जून तथा इसके बाद की तिथियों में अस्पताल के रिकार्ड में उन्हें उपचाररत चिकित्सक के रूप में दिखाते हुए हुए उपचार विवरण प्रस्तुत किए गए। इस संबंध में रिकार्ड और दावों का विस्तृत सत्यापन किया जा रहा है।

जांच में पाया गया कि उनके नाम से 227 बाहरी रोगी तथा 88 भर्ती रोगी एवं डे-केयर उपचार विवरण प्रस्तुत किए गए। इन 88 मामलों की दावा राशि 99,327 रुपये है। सभी 315 उपचार विवरणों की कुल दावा राशि 1,42,489 रुपये दर्ज है। इनमें से 47 भर्ती रोगी एवं डे-केयर उपचार विवरण, जिनकी दावा राशि 43,007 रुपये थी, जाँच में निरस्त किए जा चुके हैं। शेष 41 भर्ती रोगी एवं डे-केयर उपचार विवरणों की दावा राशि 56,320 रुपये है। इनसे संबंधित तथ्यों का जांच के तहत परीक्षण किया जा रहा है। आरजीएचएस प्रशासन ने अस्पताल को कारण बताओ नोटिस जारी कर अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया। निर्धारित अवधि में नोटिस का जवाब नहीं देने पर एस.बी. मित्तल मेमोरियल हार्ट एंड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल, सीकर को आरजीएचएस से निलंबित किया गया। प्रकरण की विस्तृत जांच जारी है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि आरजीएचएस के अंतर्गत लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के साथ योजना की राशि का पारदर्शी, उचित और निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप उपयोग सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है।

शाकिर हत्याकांड: जंगल में छिपे दो मुख्य आरोपी को पुलिस ने घेरकर दबोचा

विद्याधर नगर थाना पुलिस ने शाकिर देशवाली हत्याकांड में फरार चल रहे दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जयपुर(निसं)। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने शाकिर देशवाली हत्याकांड में फरार चल रहे दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या के बाद फरार हुए रफीक शाह उर्फ बकरी चोर और मोहम्मद हारून उर्फ भूरिया को पापड़ हनुमानजी मंदिर के पीछे जंगल से पकड़ा। पुलिस टीम ने रात में जंगल को घेरकर सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस को देखकर भागने के दौरान दोनों आरोपी गहरी खाई में गिरकर घायल हो गए।

पुलिस ने दोनों को कांवटिया अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों की मौका परेड भी करवाई। इस दौरान दोनों आरोपी लंगड़ाकर चलते नजर आए। थानाधिकारी सज्जन सिंह ने बताया कि कय्यूम का कुछ दिन पहले पानी की टंकी, शास्त्री नगर में रफीक उर्फ बकरी चोर से कहासुनी को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद को सुलझाने के लिए 24 अगस्त को कय्यूम को समझौते के बहाने बुलाया गया था।

मौके पर रफीक के साले ने कय्यूम से गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर कय्यूम ने अपने भाई शाकिर को मौके पर बुला लिया। शाकिर के पहुंचते ही रफीक उर्फ बकरी चोर ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। वहीं मोहम्मद हारून ने कय्यूम पर भी चाकू से वार कर उसे घायल कर दिया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल शाकिर को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस हत्याकांड की जांच में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद ली।

धारदार चाकू के साथ बदमाश गिरफ्तार

जयपुर(निसं)। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सचिवालय विहार निवासी मनीष मालवत (26) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि क्षेत्र में एक संदिग्ध युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा है और किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और घेराबंदी कर आरोपी को मदाऊ के पास धर दबोचा।

तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने हथियार को जब्त कर आरोपी को आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से यह पता लगाने में जुटी है कि वह चाकू किस मकसद से लेकर घूम रहा था। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त का अपराधिक रिकॉर्ड खंगालने में जुटी हुई है।

जैन समाज ने साधु-संतों की रक्षा का संकल्प लिया

जयपुर(निसं)। जैन समाज ने शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व साधु-संतों, जिनवाणी और जैन धर्म की रक्षा के संकल्प दिवस के रूप में श्रद्धा और धार्मिक आस्था के साथ मनाया। शहर के जैन मंदिरों और चातुर्मास स्थलों पर दिनभर विशेष धार्मिक आयोजन हुए। श्रद्धालुओं ने महामुनि विष्णु कुमार की अष्टद्रव्य से पूजा-अर्चना की। आचार्यों, मुनिराजों और आर्यिका माताजी की पिच्छिका पर रक्षा सूत्र बांधकर साधु-संतों, जिनवाणी और जैन धर्म की रक्षा का संकल्प लिया।

रक्षाबंधन पर सुबह से ही जैन मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक आयोजन हुए। चातुर्मास स्थलों पर भी श्रावकों ने संतों के दर्शन कर धर्मलाभ लिया और रक्षा सूत्र बांधकर धर्म एवं साधु-संतों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस दौरान मंदिर परिसर भगवान के जयकारों और धार्मिक मंत्रोच्चार से गूंजते रहे।

श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक भी मनाया: रक्षाबंधन को जैन धर्म के 11वें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक भी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में प्रातः अभिषेक और शांतिधारा के बाद भगवान श्रेयांसनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। निर्वाणोत्सव के दौरान मंत्रोच्चार और भगवान के जयकारों के बीच निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भगवान के चरणों में पूजा-अर्चना कर मोक्ष मार्ग पर आगे बढ़ने, संयम और अहिंसा के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन के दौरान जैन मंदिरों में धार्मिक वातावरण बना रहा।

जयपुर सेंट्रल जेल में सलाखों के उस पार भाइयों की कलाई पर सजी राखी

- **छलक पड़े बहनों के आंसू, जयपुर सेंट्रल जेल में रक्षाबंधन पर खास मुलाकात**
- **बहनों ने जल्द रिहाई की प्रार्थना कर अपराध से दूर रहने का लिया वचन**

जयपुर सेंट्रल जेल में तीन स्तरीय सुरक्षा के बीच हुई मुलाकात।

जयपुर(निसं)। प्रदेशभर में शुक्रवार को भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन धूमधाम से मनाया गया। जयपुर सेंट्रल जेल में भी इस पर्व का भावुक रंग देखने को मिला। सुबह से ही बड़ी संख्या में बहनें जेल में बंद अपने भाइयों को राखी बांधने पहुंचीं। सलाखों के पीछे भाइयों की कलाई पर राखी बांधते समय कई बहनों की आंखें नम हो गईं। किसी ने भाई को मिठाई खिलाई तो किसी ने कुछ पल बात कर अपना मन हल्का किया।

जेल प्रशासन ने रक्षाबंधन पर बंदियों और उनके परिजनों की मुलाकात के लिए विशेष व्यवस्था की थी। बहनों को सुरक्षा जांच के बाद जेल के मेन गेट के पास निर्धारित स्थान पर भाइयों से मिलवाया गया। महज दो मिनट की मुलाकात में बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, मिठाई खिलाई और जल्द रिहाई की प्रार्थना की।**तीन स्तरीय सुरक्षा के बाद मिला प्रवेश:** जेल अधीक्षक डॉ. अभिषेक शर्मा ने बताया कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह से जुड़ा भावनात्मक पर्व है। बंदियों की बहनें अपने भाइयों को राखी बांध सकें, इसके लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिलाओं को तीन स्तरीय जांच के बाद जेल परिसर में प्रवेश दिया गया। बाहर आरएसी स्टाफ ने सुरक्षा जांच की। इसके बाद अंदर भी दो चरणों में जांच कर महिलाओं को राखी बांधने के लिए भेजा गया। बहनें भाइयों के लिए मिठाई लेकर पहुंचीं, जिसकी भी जांच की गई। जेल परिसर के भीतर निर्धारित मात्रा में एक किलो तक मिठाई ले जाने की अनुमति दी गई।

दो मिनट में बांधा प्रेम का धागा: राखी बांधने वाले बंदियों को पहले ही मेन गेट के पास बुला लिया गया था, ताकि बहनों को ज्यादा इंतजार न करना पड़े। सलाखों के दोनों ओर सुरक्षा के लिए प्रहरी तैनात रहे।

निर्धारित दो मिनट की मुलाकात में बहनों ने भाइयों को राखी बांधी और मिठाई खिलाई। भाई-बहनों ने एक-दूसरे का हालचाल पूछा और कुछ पल बातचीत की। समय पूरा होते ही बहनों को लौटना पड़ा। कई बहनें मुस्कुराते हुए जेल पहुंची थीं, लेकिन भाई की कलाई पर राखी बांधकर लौटते समय उनकी आंखों में आंसू थे।

'आगे कोई गलती मत करना': कई बहनों ने राखी बांधते समय भाइयों से कहा कि वे पुराने अपराधों को पीछे छोड़कर आगे सही रास्ते पर चलें। बहनों ने जल्द रिहाई की प्रार्थना करते हुए भाइयों से परिवार के साथ सम्मानपूर्वक जीवन बिताने और दोबारा किसी गलत गतिविधि में शामिल नहीं होने का वादा लिया। वहीं, भाइयों ने भी बहनों को भरोसा दिलाया कि वे भविष्य में गलत गतिविधियों से दूर रहकर बेहतर जीवन जीने का प्रयास करेंगे।

प्रदेश में नशा, हथियार, साइबर ठगी और जाली नोटों पर पुलिस का शिकंजा

- **पुलिस ने शुक्रवार को नागौर, टोंक, कोटपूतली-बहरोड़ और दौसा में राजस्थान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की**

जयपुर(निसं)। प्रदेश में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने शुक्रवार को नागौर, टोंक, कोटपूतली-बहरोड़ और दौसा में राजस्थान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। जहां पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी, संगठित साइबर ठगी, जाली नोटों की सप्लाई और ब्लाइंड मर्डर के मामलों में सफलता हासिल करते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार किया।

टोंक में दो करोड़ की साइबर ठगी का नेटवर्क ध्वस्त: टोंक में डीएसटी और दत्तवास थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर 11 अंतरराज्यीय साइबर ठगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरोह फर्जी सिम, बैंक खातों और सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए ठगी करता था। प्रारंभिक जांच में करीब 2 करोड़ रुपए की साइबर ठगी का पता चला है। जांच में साइबर अपराध के लिए 399 सिम कार्ड के इस्तेमाल और एनसीआरपी पोर्टल पर आरोपियों के खिलाफ 81 शिकायतें दर्ज होने की जानकारी सामने आई। पुलिस ने 37,210 रुपए की ठगी की राशि, दो बोलेरो, एक स्विफ्ट कार, 12 मोबाइल, आईफोन-17 प्रो, सैमसंग अल्ट्रा सहित अन्य एंड्रॉयड फोन, लैपटॉप और चार एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। **दौसा में ब्लाइंड मर्डर का खुलासा:** दौसा के मण्डावर थाना क्षेत्र में 15 अगस्त को खेडली कला के जंगल में मिले राहुल उर्फ भानू मीना के शव के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। मामले में 15 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने सुरेश उर्फ सुर्रा मीना (56) और शेरसिंह उर्फ शेरू मीना (19), निवासी खोखर, थाना खेड़ली, जिला अलवर को गिरफ्तार किया है। सुरेश उर्फ सुर्रा थाना खेड़ली का हिस्ट्रीशीटर बताया गया है। अज्ञात आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम ने करीब 800 किलोमीटर का सफर तय किया और तकनीकी संसाधनों व साइबर विश्लेषण की मदद ली। जांच में सामने आया कि हत्या के बाद पुलिस को गुमराह करने और साक्ष्य छिपाने के लिए शव को मुख्य घटनास्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर बाजरे के खेत में डाल दिया गया था। शव को इस तरह रखा गया कि हत्या का शक मृतक से पूर्व में विवाद करने वाले व्यक्ति और उसके परिवार पर जाए। मामले में एक महिला के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की गई है। पुलिस अब चारों मामलों में नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों, वारदात के कारणों और अन्य संदिग्धों की भूमिका की जांच कर रही है।

Refreshing Vibes on National Lemon Juice Day

Celebrated on August 29, National Lemon Juice Day honours the zesty, tangy essence of one of nature's most versatile fruits. Whether used in refreshing summer drinks, salad dressings, marinades, or detox routines, lemon juice adds a vibrant kick to everyday life. This day encourages people to celebrate the simple power of citrus, packed with vitamin C and natural cleansing properties. From a chilled lemonade to a warm honey-lemon tea, it's a reminder of how one small fruit can bring big flavour and health benefits. Raise a glass of something citrusy and toast to the zing of lemon!

#RARE BLUE WONDER

Saving the Peacock Tarantula

Wildlife experts stress that the Peacock Tarantula is more than just a rare spider, it is an important indicator of forest health in the Eastern Ghats

Deep within the forests of the Eastern Ghats lives one of the world's rarest and most visually stunning spiders, the Peacock Tarantula. Famous for its brilliant metallic blue colour and striking appearance, this extraordinary species has once again become the focus of conservation efforts in Andhra Pradesh.

The Andhra Pradesh Forest Department, together with the Eastern Ghats Wildlife Society, has launched a special conservation survey inside the Nagarjunasagar Srisailam Tiger Reserve. The initiative aims to study the spider's population, habitat conditions and long-term survival needs before the species faces further decline.

Also known as the Gooty Sapphire Tarantula, the Peacock Tarantula is considered critically endangered due to its extremely limited habitat. Unlike many other spider species that are spread across wide regions, this rare tarantula is found only in a small stretch of forest in the Eastern Ghats. Its dependence on old-growth trees, bark cavities and rocky crevices makes it especially vulnerable to habitat destruction, deforestation and environmental disturbance.

The species was first scientifically recorded in the late nineteenth century and quickly attracted global attention because of its dazzling blue colour. Despite its beauty and scientific importance, very little is known about its population in the wild. Experts believe that habitat loss and illegal wildlife trade pose serious threats to the spider's survival. Forest officials involved in the survey say that the project is designed to gather detailed information about the spider's current distribution and breeding habitats. Researchers will examine forest conditions, identify areas where the species still survives and assess what conservation measures may be necessary in the future. The study is expected to provide valuable scientific data that could guide long-term protection strategies.

Wildlife experts also stress that the Peacock Tarantula is more than just a rare spider. It serves as an important indicator of forest health in the Eastern Ghats ecosystem. Because the species survives only in undisturbed habitats, its presence reflects the ecological stability of the region. Protecting the tarantula could therefore help preserve many other lesser-known plants and animals that depend on the same fragile environment.

Conservationists believe the new survey represents an important step towards safeguarding one of India's hidden natural treasures. While large mammals such as tigers and elephants often receive greater public attention, smaller species like the Peacock Tarantula also play a vital role in maintaining ecological balance.

The effort in Andhra Pradesh highlights the growing recognition that biodiversity conservation must include even the most overlooked creatures. By protecting the Peacock Tarantula and its habitat, authorities hope to strengthen the long-term survival of the Eastern Ghats' rich and delicate ecosystem for future generations.

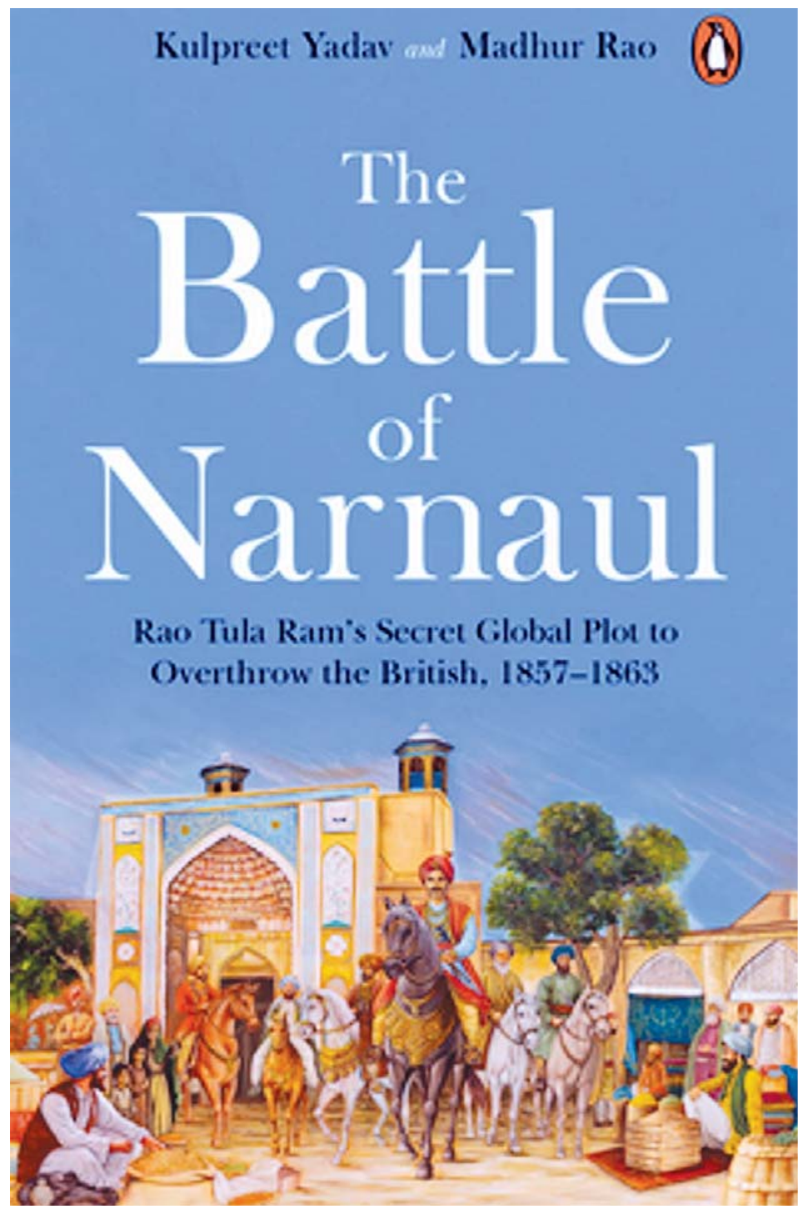

The Story of The Battle of Narnaul

The Battle of Narnaul (also called Battle of Nasibpur) was fought on 16 November 1857, between the British Raj and Aheer forces during the Indian Rebellion of 1857. In 1857, Aheer leader Pran Sukh Yadav of Behror, along with Rao Tula Ram, the King of Rewari and Rao Dhan Singh of Charkhi Dadri, fought with the British at Nasibpur village near Narnaul. The battle was one of the most ferocious battles of the Indian Rebellion of 1857.

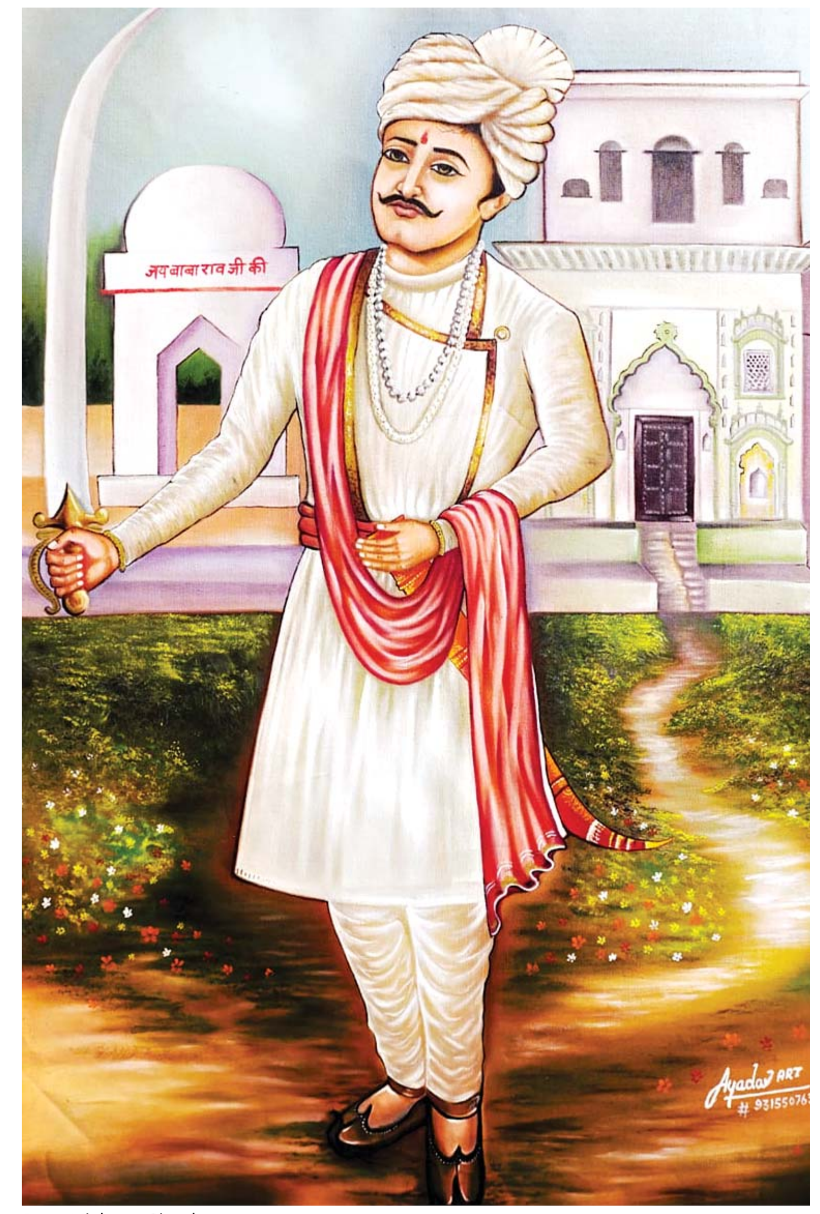

Rao Kishan Singh.

#BOOK REVIEW

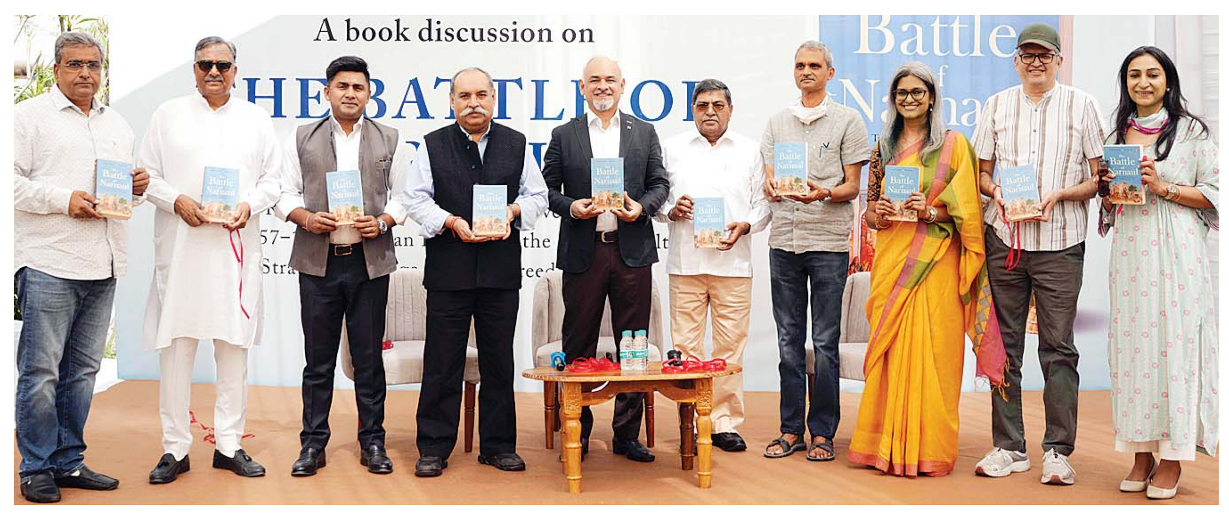

● Toshi Vijay

History often remembers the loudest victories, yet, many stories of courage remain quietly buried in its pages. One such story of resistance, sacrifice, and strategic brilliance came alive during a thoughtful literary gathering centred around the book *The Battle of Narnaul*. Organised by 2-Pages Book Club at Clock Tower in collaboration with Penguin Random House, the session unfolded as more than a book discussion; it became a moment of collective remembrance of a forgotten chapter of India's past.

At the heart of the conversation was the valiant legacy of Rao Tula Ram, a warrior whose courage and foresight formed a remarkable yet often overlooked part of the Indian Rebellion of 1857. Through the pages of The Battle of Narnaul, authors Kulpreet Yadav and Madhur Rao invite readers to step into one of the fiercest battles of the uprising, where determination clashed with imperial might and where the spirit of resistance refused to be subdued.

On 17 May 1857, he along with his cousin, Rao Gopal Dev, and four to five hundred followers, deposed the local tehsildar and occupied Rewari. He raised a force of about 5000 soldiers and set up a workshop for manufacturing the guns and other ammunition. Rao Tula Ram helped Emperor Bahadur Shah and other rebel forces who were waging war against British in Delhi. He sent Rs. 45000/- through General Bakht Khan, ten days before the fall of

Rao Tula Ram Chowk in Jhajjar.

Delhi and supplied large quantities of necessary commodities and supplied two thousand sacks of wheat.

> During the Battle of Narnaul at Nasibpur on 16 November 1857, British lost 2000 British soldiers and their commanders Colonel Gerrard and Captain Wallace, 5000 British soldiers and officers Captain Craige, Captain Kennedy and Captain Pearse were wounded.

The battle

Rao's forces, which were led by his cousin Rao Kirshan Singh, fought against the British on 16 November 1857 in the field of Nasibpur on outskirts of Narnaul. The first charge of Rao Tularam's forces was irresistible and the British forces scattered before them; several British officers were killed or wounded.

The British successfully retaliated, and after the battle of Narnaul, Rao Tularam moved in to Rajasthan and joined the force of Tantia Tope for one year but the forces of the Tantia Tope were defeated by British forces in the battle of Sikar in Rajasthan, after which Rao Tularam left India to seek help from the Shah of Iran (also see Anglo-Persian War from November 1856 to April 1857), Dost Mohammad Khan, ruler of Emirate of Afghanistan (also see First Anglo-Afghan War from 1838 to 1842) and Alexander II Emperor of All Russia against British colonial empire. Rao Tularam's estates were confiscated by the British in 1859, though proprietary rights of his two wives were retained. In 1877, his title was restored to his son Rao Yudhister Singh, who was made head of the Ahirwal area. On 23 September 1863, he died in Kabul in Afghanistan at the age of 38 due to an infection.

The Battle of Narnaul (also called Battle of Nasibpur) was fought on 16 November 1857, between the British Raj and Aheer forces during the Indian Rebellion of 1857. In 1857, Aheer leader Pran Sukh Yadav of Behror, along with Rao Tula Ram, the King of Rewari and Rao Dhan Singh of Charkhi Dadri, fought with the British at Nasibpur village near Narnaul. The battle was one of the most ferocious battles of the Indian Rebellion of 1857.

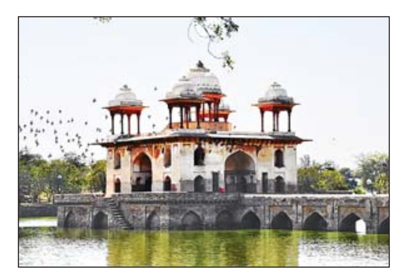

Jal Mahal of Narnaul, Haryana.

During the Battle of Narnaul at Nasibpur on 16 November 1857, British lost 2000 British soldiers and their commanders Colonel Gerrard and Captain Wallace, 5000 British soldiers and officers Captain Craige, Captain Kennedy and Captain Pearse were wounded. Colonel Gerrard died after getting mortally wounded in a military engagement against Rao Kishan Singh. When Pran Sukh Yadav took aim at the Colonel Gerrard wearing a red coat, whose rest of the soldiers were in khaki uniform, he missed his aim the first time but hit it right the second time and Colonel Gerrard was killed in Narnaul.

> Co-author Madhur Rao, whose passion for history is shaped by a deep connection with India's cultural roots, spoke about the responsibility of remembering. According to him, stories like that of Narnaul risk fading into silence unless they are actively preserved and retold.

The discussion moved beyond the battlefield, tracing the life and vision of Rao Tula Ram. As the authors explained, he was not merely a warrior who fought with the sword but also a strategist who fought with foresight. Over the years, he quietly amassed resources, forged discreet alliances across Rajputana, and even sought support from distant powers, including Persia, Afghanistan, and Russia. His relentless pursuit of resistance continued long after the battle itself, forming part of a six-year struggle that deserves far greater space in the narrative of India's freedom movement.

Adding a deeply personal note to the evening was the presence of Rao Raghvendra Singh, the great-great-grandson of Rao Tula Ram. Reflecting on the enduring legacy of his ancestor, he spoke about how courage and leadership transcend

Rao Tula Ram.

time, reminding the audience that history is not merely about events; it is about values that continue to inspire generations.

The conversation was gracefully steered by Nishtha Agarwal, whose moderation wove together history, storytelling, and contemporary relevance. The gathering was also attended by several distinguished guests, including Rajendra Singh Yadav, former State Home Minister of Rajasthan and father of Madhur Rao; Lalchand Kataria, former Cabinet Minister of Rajasthan; and Gaj Singh Ji Alsisar, head of the Alsisar family and a renowned hotelier. Founding members of the 2-Pages Book Club, Dr. Ram Gulati, Pragya Ramjewal, and Mohit Batra, were also present, underscoring the club's commitment to fostering meaningful literary conversations.

For author Kulpreet Yadav, the journey to this story is deeply rooted in his own life. Having served for nearly two decades in the Indian Coast Guard, commanding three ships before retiring as a Commandant in 2014, he later devoted himself to the craft of storytelling. With eighteen books to his name, including *The Battle of Rezang La* and *The Battle of Haji Pir*, his work continues to illuminate lesser-known chapters of military history. In this discussion, he reflected on how Rao Tula Ram's determination and diplomatic outreach revealed a mind that understood war not only as combat but also as strategy.

Co-author Madhur Rao, whose passion for history is shaped by a deep connection with India's cultural roots, spoke about the responsibility of remembering. According to him, stories like that of Narnaul risk fading into silence unless they are actively preserved and retold. Through books, films, theatre, and education, these narratives must find their way into the imagination of younger generations. For within them lies a powerful reminder that freedom was not won by a few celebrated heroes alone, but also by countless brave souls whose names history has yet to fully honour.

rajeshsharma1049@gmail.com

#FAMOUS PHRASE

Born With a Silver Spoon

Godparents were expected to present expensive gifts at a child's christening. Among the most prestigious gifts was a silver spoon

The phrase "born with a silver spoon in one's mouth" has long been used to describe someone born into privilege, wealth, and social advantage. Today, it usually refers to people who inherit status rather than earning it. Yet, behind this familiar expression lies a fascinating blend of literature, religion, naval history, chemistry, and medieval customs.

Its origins are older and richer than most people realize.

The Earliest Literary Appearance

One of the earliest known appearances of the phrase in English is connected to the English translation of Don Quixote by Miguel de Cervantes. The expression entered English literary culture during the 17th century, where it was associated with children born into comfort and fortune.

Although the idea itself was already circulating in Europe, the popularity of Don Quixote helped cement the image of the "silver spoon" as a symbol of inherited privilege.

The Baptism Tradition and Christening Spoons

The strongest historical explanation for the phrase comes from European baptism traditions dating back to the 16th century.

In many wealthy Christian families, godparents were expected to present expensive gifts at a child's christening. Among the most prestigious gifts was a silver spoon. The richer the family, the more elaborate the set. Some aristocratic families even gifted thirteen silver spoons, representing Jesus Christ and the twelve apostles. These were known as "Apostle Spoons," finely crafted with figures of the saints engraved at the top. To be born into a family whose godparents could afford such luxuries was itself a sign of wealth and status. Over time, the silver spoon became a metaphor for privilege from birth. The expense of such customs was famous enough to become a subject of humour. In Henry VIII, William Shakespeare jokes about the heavy financial burden of becoming a godfather because of the expectation of lavish christening gifts.

Silver and the Science of Wealth

The phrase also gained strength because silver was not merely decorative, it had genuine practical value.

Long before modern microbiology, people observed that food and water stored in silver containers spoiled less quickly. Today, chemistry explains why: silver releases ions that disrupt the internal chemistry of bacteria and other microbes. In simple terms, silver is toxic to many harmful germs.

This meant wealthy families who could afford silver utensils, cups, and plates often enjoyed cleaner food and safer drinking water than ordinary people. A silver cup was not just a symbol of luxury; it could also quietly reduce exposure to disease. In eras when stomach infections and contaminated water killed countless people, this advantage mattered enormously.

Medicine and Silver

Silver's medicinal use continued into modern times. Doctors later used silver nitrate in newborn care because of its antibacterial properties. For many years, silver nitrate drops were routinely placed in the eyes of newborn infants to prevent dangerous infections. Even today, silver compounds are used in wound dressings, burn treatments, and antimicrobial medical coatings. Thus, the association between silver and protection was not simply symbolic. People born into wealthy households often had better health outcomes partly because silver utensils and containers reduced microbial contamination.

The British Navy Theory

Another intriguing explanation connects the phrase to the Royal Navy during the age of the British Empire.

Young boys from aristocratic families could enter naval service with powerful social connections and rise rapidly through the ranks with relatively little hardship compared to ordinary sailors. These privileged officers often dined separately from common crew members and ate using fine silver cutlery aboard ships.

According to this theory, sailors began associating silver spoons with inherited privilege and effortless advancement.

While historians generally consider the baptism tradition the older and stronger origin, the naval connection likely reinforced the phrase's meaning in British culture.

More Than a Metaphor

What makes the expression remarkable is that it combines symbolism with reality.

A silver spoon represented wealth, social rank, religious custom, and even better health. Those born into affluent families often did begin life with genuine advantages, cleaner food, safer water, stronger social networks, and greater opportunities.o, when people said someone was "born with a silver spoon in their mouth," they were not speaking only metaphorically. In many ways, they meant it quite literally.

THE WALL

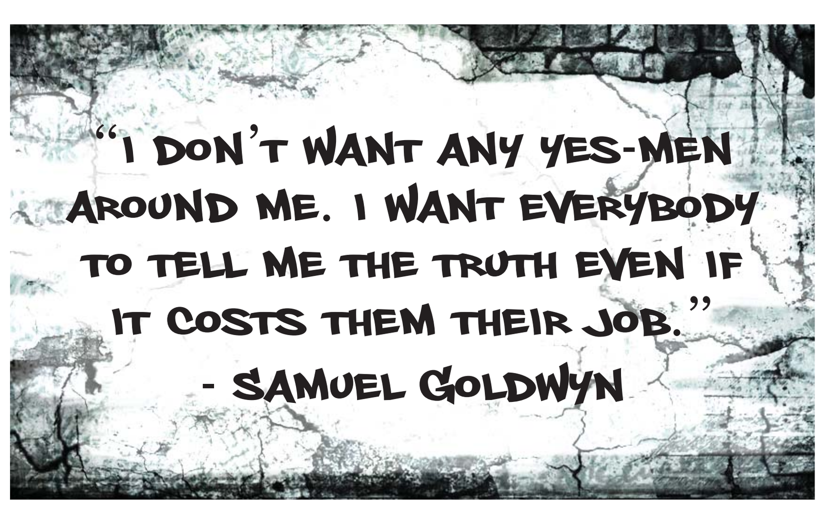

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

पौधों को राखी बांधकर महिलाओं ने हरियाली बचाने का संकल्प लिया

सारी गांव के जीजाडिया जोहड़ में अनोखा रक्षाबंधन समारोह मनाया

झुंझुनूं, (निसं)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर ग्राम पंचायत सारी के जीजाडिया जोहड़ में भाई-बहन के प्रेम का पर्व प्रकृति संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया। रामकृष्ण जयदयाल डालमिया सेवा संस्थान एवं ग्राम पंचायत सारी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने पौधों को भाई मानकर रक्षा सूत्र बांधे और मंगल गीत गाकर उनकी रक्षा व नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अनूठी पहल ने रक्षाबंधन को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए ग्रामीणों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया। कार्यक्रम में रामकृष्ण जयदयाल डालमिया सेवा संस्थान के कृषि एवं वानिकी समन्वयक शुभेंद्र भट्ट, सरपंच उमेद सिंह बराला, ग्राम विकास अधिकारी रामनिवास चौधरी एवं एलडीसी राकेश बराला अतिथि के रूप में मौजूद रहे। ग्रामीण श्रमिकों, मैट बिमला शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाओं और ग्रामीणों ने उत्साह के साथ भाग लिया। महिलाओं ने पारंपरिक विधि-विधान से पौधों की पूजा-अर्चना की, उन्हें राखी बांधी और मंगल गीतों के माध्यम से हरियाली संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर मिठाई बांटकर रक्षाबंधन की खुशियां साझा की गईं।

झुंझुन के ग्राम पंचायत सारी के जीजाडिया जोहड़ में महिलाओं ने पौधों को भाई मान रक्षा सूत्र बांधे।

सरपंच उमेद सिंह बराला ने कहा कि जिस प्रकार भाई अपनी बहन की रक्षा का संकल्प लेता है, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को पौधों की रक्षा और देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। पौधे आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन, स्वच्छ हवा और सुरक्षित पर्यावरण का आधार हैं। उन्होंने ग्रामीणों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का आव्हान किया। एलडीसी राकेश बराला ने बताया कि ग्राम पंचायत के दोनों राजस्व ग्रामों में पिछले चार वर्षों के दौरान डालमिया सेवा संस्थान, ग्राम पंचायत और ग्रामीण श्रमिकों के संयुक्त प्रयास से 8 हजार से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं, जो वर्तमान में अच्छी वृद्धि कर रहे हैं। इस वर्ष दोनों राजस्व ग्रामों में एक लीटर पानी वाली पद्धति से 2500 पौधे लगाने का कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि आने वाले वर्षों में डालमिया सेवा संस्थान और ग्रामीणों के सहयोग से संपूर्ण ग्राम पंचायत क्षेत्र को हरा-भरा बनाने तथा ग्राम पंचायत सारी को हरित ग्राम पंचायत के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। जीजाडिया जोहड़ क्षेत्र में भी पूर्व में सामूहिक प्रयासों से करीब 1200 पौधों का रोपण किया जा चुका है। रक्षाबंधन पर

- **महिलाओं ने 'पौधे हैं तो भविष्य है' का संदेश दिया, चार साल में लगाए 8 हजार से अधिक पौधे**

पौधों को राखी बांधने की पहल के माध्यम से ग्रामीणों ने इन पौधों के संरक्षण, नियमित सिंचाई और देखभाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। डालमिया सेवा संस्थान के परियोजना समन्वयक शुभेंद्र भट्ट ने कहा कि रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक पर्व को प्रकृति संरक्षण से जोड़ना समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत करने वाली पहल है। 'पौधे हैं तो भविष्य है' के संदेश के साथ प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।

कार्यक्रम में राजकुमार पचार, बिमला शर्मा, रघुवीर मावर, वीरेंद्र पचार उर्फ गुड्डु, विजय सिंह बराला, राजेंद्र पचार, बुधराम शर्मा, बबीता भाटीवाड़, लाजवंती, अंजू, महावीर, सरोज, चंद्रावली सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

अपहरण व हनी ट्रैप मामले में महिला आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। अपहरण व हनी ट्रैप के दर्ज मामले में अनंतपुरा पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 5 हजार की इनामी महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 3 मई को फरियादी ने अनंतपुरा थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि एक लड़की ने मेसेंजर के जरिए संपर्क कर लोन लेने के बहाने उन्हें इंडियन पेट्रोल पंप पर बुलाया, जहां कागजात दिखाने के बहाने वह कार में बैठ गई और झालावाड़ रोड़ की तरफ ले गई। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि रास्ते में उसके अन्य साथी अजय मीणा, काजू गुर्जर, रईस गुर्जर, रूबीना व अन्य दो मोटरसाईकिलों पर आये और कार को रुकवा लिया। रिपोर्ट में कहा कि लोगों ने उसके साथ मारपीट की, चाकू दिखाकर डराया धमकाया और बलात्कार के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर अपहरण कर लिया और उसकी कार से बारां की तरफ ले गये, और एटीएम से जबरन 95,000 निकलवा कर हड़प लिए।

शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले में कार्रवाई के लिये टीम गठित की गई। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर संभावित स्थानों पर दबिश दी गई। शहर एसपी ने बताया कि मामले में फरार चल रही महिला आरोपी पर 5 हजार इनाम राशि घोषित की गई। गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए 5 हजार की इनामी आरोपी कोटड़ी निवासी चेतना उर्फ गुनगुन को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने पकड़ी गई महिला आरोपी से मामले में अनुसंधान किया, पुलिस ने महिला आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया।

3600 लीटर स्पिरिट जब्त

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर आबकारी विभाग ने गोगुंदा में 2 बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर 3600 लीटर अवैध स्पिरिट जब्त की है। बरामद स्पिरिट की अनुमानित कीमत 4 लाख रुपए है, जिसका उपयोग निकाय चुनाव के दौरान अवैध शराब के निर्माण में किया जाना था। कार्रवाई आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में की गई। आबकारी विभाग के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि खोखरिया नाल के पास बालाजी रेस्टोरेंट में अवैध स्पिरिट का भंडारण शराब का निर्माण किया जा रहा है। टीम मौके पर पहुंची जहां कार्रवाई में 10 ड्रमों में 1700 लीटर स्पिरिट जब्त करते हुए मौके से आरोपी प्रकाश मेघवाल को गिरफ्तार किया।

तेरह साल के किशोर ने फांसी लगाकर खुदकुशी की

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र की अग्निहोत्री कॉलोनी में रहने वाले तेरह साल के एक किशोर ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चल पाया। उसने स्कूल नहीं जाने की बात की और सिरदर्द होना बताया। फिलहाल पुलिस अब अग्रिम जांच में जुटी है।

राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि फलोदी जिले के बाप स्थित बारू हाल अग्निहोत्री कॉलोनी में रहने वाले 13 साल के बालक के अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। परिजन को पता लगने पर उसे तत्काल फंदे से उतार कर अस्पताल लेकर गए, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। उसके बड़े भाई और एक अन्य रिश्तेदार ने मिलकर मर्ग की रिपोर्ट दी। फंदा लगाने से पहले किशोर ने अपने परिजन को सिरदर्द होने की बात की थी। बाद में फंदा लगा लिया। राजीव गांधी नगर पुलिस सूचना पर मौके पर पहुंची और कार्रवाई कर शव परिजन को सौंपा।

- **फंदा लगाने से पहले किशोर ने परिजन को सिरदर्द होने की बात की थी, पुलिस ने कार्रवाई कर शव परिजन को सौंपा**

चाचा ने भतीजी के सिर पर पाइप से वार किया

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र के सिदडी खेरवाडा गांव में एक चाचा ने अपनी भतीजी पर लोहे की पाइप से हमला कर दिया। हमले में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिदडी खेरवाडा गांव निवासी मणि पुत्री नटवर कनिपा शुक्रवार रात अपने घर में बैठी थी। तभी उसका चाचा शराब के नशे में लोहे की पाइप लेकर वहां पहुंचा और मणि के सिर पर वार कर दिया। हमले में मणि लहूलुहान होकर गिर पड़ी। घटना के बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी चाचा वहां से फरार हो गया। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस के पायलट शांतिलाल और ईएमटी निकुंज जोशी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल मणि को तुरंत डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। सदर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, हमले के पीछे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

गांजे के साथ महिला को पकड़ा

टोंक, (निसं)। मेहन्दवास थानाधिकारी रामसिह यादव के नेतृत्व में गठित विषेष टीम व जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए थाना मेहन्दवास के ग्राम अरनियानिल में पानी की टंकी के पास महिला आरोपी बबीता सांसी पत्नि हेमराज सांसी निवासी अरनियानिल को अवैध मादक पदार्थ परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान आरोपिया के कब्जे से 4 किलो 291 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं 30500 रुपये खरीद फरोख्त राशि व एक मोबाईल फोन जप्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जप्त गांजे की कीमत करीब एक लाख रूपये आंकी गई है।

पार्किंग में खड़ी दो गाड़ियों में आग लगी

सीकर, (निसं)। सीकर के सदर थाना इलाके में स्थित दुजोद गांव में मकान की पार्किंग में खड़ी दो गाड़ियों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग बढ़ती गई, जिसके चलते पशुओं का चारा बनाने के लिए पास रखा सिलेंडर भी आग की चपेट में आकर जलने लगा। सूचना पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची जिन्होंने आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार घटना दुजोद गांव में विनोद कुमार स्वामी के घर की पार्किंग की है। यहां पर सुबह दो गाड़ियां खड़ी हुई थी। जिनमें अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग लगने के चलते दोनों गाड़ियां पूरी तरह से जलने लगी। पास में पशुओं का चारा बनाने के लिए रखा गैस सिलेंडर भी आग की चपेट में आ गया। ऐसे में इसकी सूचना सिविल डिफेंस और पुलिस को दी गई। जिन्होंने मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड से आग पर काबू पा लिया। इस घटना में गैस सिलेंडर भी जला लेकिन समय रहते उसे पर काबू पा लिया गया अन्यथा वह सिलेंडर ब्लास्ट भी हो सकता था। प्राथमिक तौर पर माना जा रहा है कि जहां पर आग लगी उसके नजदीक एक चूल्हा जल रहा था।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

कोटा, (निसं)। सिमलिया थाना इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो जाने का मामला सामने आया है, अज्ञात वाहन से टकराने के बाद बाइक घसीटती हुए कुछ दूर तक गई और बाद में बाइक में भी आग लग गई।

जानकारी के अनुसार अंता कस्बे के कोटड़ी गांव निवासी बाइक सवार युवक कोटा से गांव की ओर जा रहा था कि सिमलिया इलाके में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। मामले में सामने आया कि हादसे के बाद बाइक काफी दूर तक घसीटती हुई गई और बाद में बाइक में आग लग गई। सिमलिया थानाधिकारी नन्द सिंह ने बताया कि इलाके के पोलाई व कराडिया के बीच में अज्ञात वाहन चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन को चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। थानाधिकारी ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक सडक पर गिर गया, हादसे में युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद बाइक घसीटते हुए दूर तक गई रगड़ से चिंगारी उठी और बाइक में आग लग गई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के पास मिले आधार कार्ड से मृतक की पहचान अंता कस्बे के कोटड़ी गांव निवासी विजय नागर के रूप में हुई मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

अवैध बजरी भरे तीन डंपर पकड़े

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस ने माइनिंग एक्ट में कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी से भरे तीन डंपरों को जब्त कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ बजरी का अवैध खनन एवं परिवहन का मामला बनाया गया है। मामले बोरानाडा और लूणी में दर्ज किए गए है।

बोरानाडा पुलिस ने बताया कि एएसआई मनोहरलाल ने पेप्सी तिराहा के पास में संदिग्ध बजरी से भरे डंपर को रूकवाया। चालक और परिचालक से बजरी के संबंध में पूछताछ किए जाने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अवैध बजरी से भरे डंपर को जब्त किया गया, यह बजरी नदी से लादी गई थी। पुलिस ने माइनिंग एक्ट का प्रकरण बनाकर आरोपी महादेव कॉलोनी केरू निवासी श्यामसुंदर एवं लोहावट के डेरियों की ढाणी निवासी बिलाल खां को गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह लूणी पुलिस थाने के एएसआई मनफूल राम ने अमृता देवी सर्किल फींच रोड पर अवैध बजरी से भरे डंपर को जब्त कर चालक मेवाराम देवासी को गिरफ्तार किया, जबकि एसआई राजेश कुमार ने इसी क्षेत्र में गिड़ा बालोतरा निवासी कमल चौधरी को गिरफ्तार कर अवैध बजरी से भरा डंपर जब्त किया।

युवक पर सुसाइड के लिए उकसाने का केस चलाने का आदेश

सीकर, (निसं)। सीकर में 42 साल की महिला के सुसाइड मामले में पति ने एक युवक पर परेशान करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने जांच में इन आरोपों को झूठा माना। वहीं अब कोर्ट ने युवक पर सुसाइड के लिए उकसाने का केस चलाने का आदेश दिया है।

जानकारी के अनुसार महिला ने 8 जनवरी 2025 को सुसाइड किया था। अगले दिन पति ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। परिवादी के एडवोकेट साजिद खान ने बताया कि पति ने पुलिस में दी रिपोर्ट में कहा था कि सुसाइड से पहले पत्नी ने उसे वीडियो कॉल किया था। रोते हुए कहा था कि एक युवक उसे कई दिनों से परेशान और ब्लैकमेल कर रहा है। ब्लैकमेल और बदनाम करने के नाम पर उससे रुपए और जेवरात भी ले चुका है। इससे परेशान होकर 8 जनवरी 2025 को पत्नी ने घर में सुसाइड कर लिया।

पुलिस ने पति की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू की। पुलिस को महिला के मोबाइल जांच में सामने आया कि अक्टूबर 2024 से लेकर 8 जनवरी 2025 तक आरोपी युवक और महिला की व्हाट्सएप पर बातचीत होती थी। दोनों एक-दूसरे को वीडियो फोटो शेयर करते थे। घटना से पहले कई बार दोनों के बीच वीडियो कॉल भी हुआ। घटना के दिन भी आरोपी युवक और महिला का आपस में वीडियो कॉल हुआ था।

घटना वाले दिन भी दोनों की बीच बातचीत हुई थी। इसके आधार पर अब कोर्ट ने मामले में प्रसंज्ञान लेते हुए महिला के पति के बयान सहित अन्य बयानों और मोबाइल डिटेल के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108(सुसाइड के लिए उकसाने) के तहत कोर्ट में नियमित रूप से ट्रायल चलाने का आदेश दिया है।

जोधपुर में महिला सफाईकर्मी की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के मेडिकल कॉलेज के सामने गुरूवार की अलसुबह एक महिला सफाईकर्मी की अचानक से तबीयत बिगड़ गई। इस पर उसे अस्पताल ले जाया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। संभवत: उसे दिल का दौरा पड़ा था। उसके रिश्तेदार की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी। वह नगर निगम में कार्यरत थी। सरदारपुरा पुलिस के अनुसार बोम्बे लॉज, रेलवे स्टेशन के सामने उदयमंदिर निवासी अनिल पुत्र सुरेश बारासा की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसकी चाची 45 वर्षीय शशि पत्नी ओमप्रकाश नगर निगम में सफाईकर्मी थी। गुरूवार की अलसुबह छह बजे वह मेडिकल कॉलेज के सामने सफाई कर रही थी। तब तबीयत बिगड़ गई। बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, मगर मौत हो गई।

विद्या संबल योजना असमंजस के घेरे में

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए शुरू की जा रही विद्या संबल योजना (गेस्ट फैकल्टी) एक बार फिर प्रशासनिक नीतिगत स्पष्टता के अभाव में विवादों और असमंजस के घेरे में आ गई है। 18 अगस्त को जिला कलेक्टरों को जारी पत्र के बाद विभिन्न जिलों में आनन-फानन में गेस्ट फैकल्टी लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई, लेकिन राज्य स्तर से एक समान दिशा-निर्देश न होने के कारण नागौर और भीलवाड़ा जैसे जिलों में आदेश जारी करने के तुरंत बाद उन्हें विड्रॉ (वापस) करना पड़ा। सबसे बड़ा संकट राज्य के करीब 25,500 सरप्लस शिक्षकों के वेतन को लेकर सामने आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक वर्तमान में राज्य में लगभग 25,500 शिक्षक बिना स्वीकृत पद के कार्यरत हैं। ये स्थितियां स्कूलों के मर्ज होने, एक ही पद पर डबल पोस्टिंग, बिना स्वीकृत पद के किए तबादलों, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में बचे हिंदी माध्यम के शिक्षकों तथा राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद में नए चयन के कारण उत्पन्न हुई हैं।

प्रागपुरा क्षेत्र में खेत की तारबंदी तोड़कर सामान चोरी

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के तुलसीपुरा गांव में चोरों ने खेत की तारबंदी तोड़कर करीब 50 हजार रुपए कीमत का रोटावेटर चोरी कर लिया। घटना के बाद खेत में दो मोटरसाइकिलों के टायरों के निशान और पैरों के निशान मिलने से चोरी को लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

स्थानीय निवासी करतार सिंह शेखावत ने बताया कि रिलायंस पेट्रोल पंप से तुलसीपुरा गांव की ओर नदी जाने वाले एमडीआर मार्ग पर राजपाल सिंह शेखावत पुत्र प्रहलाद सिंह का खेत स्थित है। खेत में गोभी की फसल लगी हुई है। राजपाल सिंह के अनुसार वह देर रात तक खेत में ट्रैक्टर से कृषि कार्य कर रहे थे। करीब रात दो बजे के बाद वह वहीं सो गए। इसी दौरान अज्ञात चोर खेत की तारबंदी तोड़कर अंदर घुसे और गोभी की फसल में कचरा साफ करने के काम आने वाला रोटावेटर चोरी कर ले गए। सुबह उठने पर रोटावेटर गायब मिला तो आसपास तलाश की गई। खेत में तारबंदी टूटी हुई थी तथा दो मोटरसाइकिलों के टायरों और पैरों के निशान भी दिखाई दिए। चोरी गए रोटावेटर की कीमत करीब 50 हजार रुपए बताई गई है। घटना की सूचना प्रागपुरा थाना पुलिस को दी गई। सूचना पर थाने से एएसआई रामजस पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई। पुलिस ने मौके पर मिले निशानों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित की ओर से मामले में रिपोर्ट दर्ज करवाने की प्रक्रिया जारी है।

युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में एक युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार इलाके के डीसीएम इन्द्रागांधी नगर में एक युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया, जिसे नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। उद्योग नगर थानाधिकारी आनंद यादव ने बताया कि इलाके के डीसीएम इंद्रागांधी नगर निवासी रमन खटीक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के परिजनों ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई से मना किया जिसके बाद मृतक के शव को परिजनों को सौंप दिया, फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नही आया है।

सादुलशहर पालिका चुनाव के बहिष्कार का सामूहिक फैसला लिया

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां सादुलशहर में धानका समाज ने नगरपालिका चुनाव के बहिष्कार का सामूहिक फैसला लिया है। समाज ने वार्ड 1 से 25 तक धानका समाज के परिवारों वाले वार्डों में किसी भी सदस्य के मतदान नहीं करने का निर्णय किया है।

समाज की मुख्य मांग धानका समाज के लोगों के एसटी प्रमाण पत्र जारी करने की है। प्रतिनिधियों ने कहा कि जो राजनीतिक दल, नेता या जनप्रतिनिधि प्रमाण पत्र जारी करवाने के लिए ठोस पहल और प्रभावी कार्रवाई करेगा, समाज उसका पूरा सहयोग करेगा। समाज ने स्पष्ट किया कि यह फैसला किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि अधिकार और सम्मान की मांग को लेकर लिया गया है और मांग पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

- **एसटी प्रमाण-पत्र की मांग को लेकर धानका समाज का फैसला**

समाज की मुख्य मांग धानका समाज के लोगों के प्रमाण पत्र जारी करने की है। समाज का कहना है कि जो भी राजनीतिक दल, नेता या जनप्रतिनिधि एऊ प्रमाण पत्र जारी करवाने के लिए ठोस पहल और प्रभावी कार्रवाई करेगा, धानका समाज उसका पूरा सहयोग करेगा। समाज के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि चुनाव बहिष्कार का फैसला किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है। यह निणर्य अपने अधिकार और सम्मान की मांग को लेकर सामूहिक रूप से लिया गया है। समाज ने कहा कि अधिकार मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा और इस मुद्दे पर पूरा समाज एकजुट रहेगा।

खेतड़ी के करमाड़ी-पपुरना के बीच सड़क की बदहाली से वाहन चालक परेशान

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी-नीमकाथाना स्टेट हाईवे-13 पर करमाड़ी-पपुरना के बीच सड़क पर बना गहरा गड्ढा ग्रामीणों और राहगीरों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बना हुआ है। लंबे समय से सड़क की इस बदहाल स्थिति के बावजूद जिम्मेदार विभाग की ओर से स्थायी समाधान नहीं किए जाने से ग्रामीणों में रोष बढ़ता जा रहा है।

गड्ढे में बारिश का पानी भर जाने के बाद इसकी गहराई का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाता है, जिससे दुर्घटना का खतरा और बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गड्ढे के कारण आए दिन दोपहिया और चारपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। कई बार वाहन चालक अचानक गड्ढे में गिरने से दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बचे हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि इस मार्ग से पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार आपात स्थिति में मरीजों को ले जाने वाली 108 एंबुलेंस भी इस गड्ढे में फंस चुकी है,

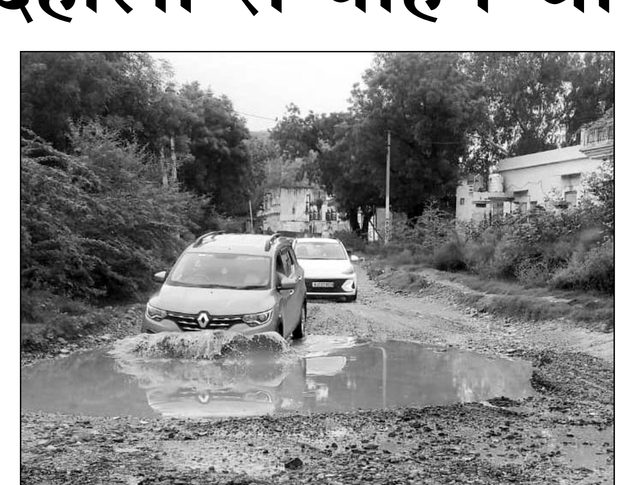

करमाड़ी-पपुरना के बीच सड़क पर बना गहरा गड्ढा ग्रामीणों और राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है।

जिससे आपातकालीन सेवाओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निरंजन लाल सैनी ने बताया कि खेतड़ी से नीमकाथाना तक सड़क का निर्माण करीब एक वर्ष पहले करवाया गया था,

- **ग्रामीणों के अनुसार आपात स्थिति में मरीजों को ले जाने वाली 108 एंबुलेंस भी गड्ढे में फंस चुकी है**
- **ग्रामीणों ने प्रशासन और सार्वजनिक निर्माण विभाग से करमाड़ी-पपुरना के बीच सड़क की तत्काल मरम्मत करवाने मांग की**

लेकिन निर्माण कार्य के दौरान कई स्थानों पर काम अधूरा छोड़ दिया गया। करमाड़ी-पपुरना के बीच बना गहरा गड्ढा समय के साथ लगातार बढ़ता जा रहा है। पानी जमा रहने के कारण सड़क की स्थिति और खराब होती जा रही है। सैनी ने कहा कि बारिश के दौरान गड्ढा पानी से भर जाता है और वाहन चालकों को इसकी वास्तविक गहराई का पता नहीं चल पाता। ऐसे में विशेष रूप से दुपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थान बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की समस्या को लेकर प्रशासन एवं पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अभी तक गड्ढे को भरने अथवा सड़क की स्थायी मरम्मत के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग की अनदेखी के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन और सार्वजनिक निर्माण विभाग से मांग की है कि बड़े हादसे से पहले करमाड़ी-पपुरना के बीच सड़क की तत्काल मरम्मत करवाकर गहरे गड्ढे को भरा जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और प्रशासन की होगी।

उदयपुर : रोडवेज बस में सवार महिला का सोने का मंगलसूत्र चोरी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में रोडवेज बस में चढ़ते समय एक महिला का आधा तोले का सोने का मंगलसूत्र चोरी हो गया। महिला अपने बेटे के साथ चित्तौड़गढ़ जाने वाली रोडवेज बस में बैठी थी। बस में बैठते ही महिला को पता लगा कि उसके गले से किसी ने मंगलसूत्र छीन लिया। महिला ने बस में और आसपास देखा लेकिन कहीं नहीं मिला। घटना सूरजपोल थाना क्षेत्र में उदयपोल चौराहा स्थित रोडवेज बस स्टैंड की है।

मामले की जांच कर रहे एएसआई तेजसिंह ने बताया कि प्रार्थी किशन सालवी निवासी चित्तौडगढ हाल माली कॉलोनी उदयपुर ने मुकदमा दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि उनकी पत्नी ललिता और बेटा चित्तौड़गढ़ जा रहे थे। बस में चढ़ने के बाद पत्नी को मंगलसूत्र गले से गायब मिला। एएसआई ने बताया कि बस स्टैंड प्लेटफार्म और परिसर में लगे सीसीटीवी खंगालते हुए आरोपी की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार रक्षाबंधन पर्व को लेकर रोडवेज बस स्टैंड पर भारी संख्या में महिलाओं की भीड़ थी। रोडवेज प्रबंधन की ओर से बार-बार जेब कतरों से सावधान रहने की अपील भी की जा रही थी। गुरुवार दोपहर 2 बजे जब चित्तौड़ जाने वाली बस जैसे ही स्टैंड पर पहुंची। तभी सीट पहले पाने के चक्कर में कई यात्री उस बस की तरफ दौड़े। यात्रियों की भीड़ बस में एक एक कर चढ़ने लगी। 10 मिनट बाद बस रवाना हुई। बैठने के बाद महिला को अपने गले में मंगलसूत्र गायब मिला।

नागौर से जयपुर ले जाई जा रही 1.62 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग बरामद

मामले में एक बालक को निरुद्ध किया, तस्करी में प्रयुक्त कार जब्त की

- एएनटीएफ टीम को कार की खलासी सीट के नीचे रखे एक पैकेट से अवैध मादक पदार्थ बरामद हुआ

नागौर/जोधपुर, (निसं)। राजस्थान पुलिस के मादक पदार्थ विरोधी कार्यबल (एएनटीएफ) द्वारा रक्षाबंधन के पर्व पर नागौर जिले के जायल में बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 किलो 400 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 1 करोड़ 62 लाख रुपए बताई गई है। मामले में एक बालक को निरुद्ध किया गया तथा तस्करी में प्रयुक्त एक कार को जब्त किया गया है।

महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के मार्गदर्शन में राज्यभर में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। सूचना मिलने पर एएनटीएफ टीम ने नागौर जिले में संदिग्ध वाहन की गतिविधियों पर नजर रखी और नागौर से जयपुर की ओर जा रही एमडी की खेप को जयपुर पहुंचने से पहले ही पकड़ लिया।

सूचना के आधार पर ग्राम दुगौली क्षेत्र में खारी-जोधा मार्ग पर देवनारायण बगीची के सामने निगरानी एवं नाकाबंदी की गई। इस दौरान संदिग्ध कार को रोककर स्थानीय पुलिस की सहायता से तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार की खलासी सीट के नीचे रखे एक पैकेट से पांच प्लास्टिक थैलियों में अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद हुआ। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि एमडी की यह खेप नागौर क्षेत्र से जयपुर ले जाकर कथित रूप से विभिन्न पार्टियों में सप्लाई की जानी थी।

आईजी विकास कुमार के अनुसार बाल अपचारी के मोबाइल फोन को जांच के लिए सुरक्षित किया गया है। मोबाइल में मौजूद एक अकाउंटिंग ऐप से करीब 18 लाख रुपए के लेनदेन से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिलने की बात भी सामने आई है।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि मामले में एमडी उपलब्ध करवाने वाले मुख्य सप्लायर, परिवहन में सहयोग करने वाले व्यक्तियों और पूरे सप्लाई नेटवर्क की पहचान के लिए गहन अनुसंधान जारी है। टीम का उद्देश्य केवल मादक पदार्थ की बरामदगी तक सीमित नहीं, बल्कि इसके स्त्रोत, सप्लायर, रिसीवर और पूरे तस्करी नेटवर्क तक पहुंचना है।

जोधपुर में रक्षाबंधन के दिन बैंक शाखा में आग लगी

अवकाश होने के चलते काफी देर तक आग लगने का पता नहीं चल सका

- बाहर लगे एसी के आउटर में धुआं उठता दिखा तो स्थानीय लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी

जोधपुर, (कासं)। ओसियां सदर बाजार रोड स्थित बैंक की शाखा में अचानक से आग लग गई। रक्षाबंधन का अवकाश होने के चलते काफी देर तक आग लगने का पता नहीं सका। बाद में बाहर लगे एसी के आउटर में धुआं उठता दिखा तो स्थानीय लोगों ने पुलिस ओर फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद फायर बिग्रेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। सूचना मिलने के बाद नायब तहसीलदार छतर सिंह राजपुरोहित व पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

जानकारी के अनुसार ओसियां कस्बे में एक मंजिला बैंक है, जबकि प्रथम मंजिल पर ऊपर एवं आई सी का जोनल ऑफिस है। जबकि अंडर ग्राउंड पर लाइब्रेरी है। बताया जाता है कि आग दोपहर डेढ़ बजे के करीब लगी। उस समय बैंक के ताले लगे हुए थे। जबकि आग बैंक के सेंटर में लगी। हालांकि ऊपर के फ्लोर पर बने एवं आई सी के ऑफिस को कोई नुकसान नहीं हुआ।

आग लगने की घटना को लेकर बैंक के अधिकारियों को भी सूचित किया गया। मौके पर बैंक के अधिकारी भी पहुंचे। फिलहाल बैंक में हुए नुकसान का आंकलन नहीं हो पाया है। मामले को लेकर ओसियां थाना एसआई विजयश्री ने बताया कि आग दोपहर करीब 1:45 बजे के करीब लगी थी। करीब घंटे भर में आग पर काबू पा लिया गया। बैंक में फायर फाइटिंग सिस्टम लगा हुआ था या नहीं इसकी जांच की जा रही है।

हाईटेंशन बिजली लाइन से छह करोड़ के तार चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश

पुलिस ने 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त 2 मोटरसाइकिल, पिकअप, कार और थार जीप बरामद की

- पुलिस के अनुसार पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने चोरी की दर्जनों वारदात करना स्वीकार किया है
- आरोपी बिजली की हाईटेंशन लाइन के पोल से तार काटकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे

पाटन, (निसं)। सीकर पुलिस ने हाईटेंशन बिजली लाइन से करोड़ों रुपए के तार चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश किया है। डीएसटी टीम सीकर और नीमकाथाना सदर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त 2 मोटरसाइकिल, एक पिकअप, एक कार और एक थार जीप बरामद की है। वहीं चोरी की रकम से खरीदे गए दो आईफोन भी जब्त किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार सदर नीमकाथाना और डाबला थाना क्षेत्र में करीब 103 किलोमीटर हाईटेंशन लाइन से अनुमानित 5 से 6 करोड़ रुपए कीमत के तार चोरी किए गए थे। आरोपी बिजली की हाईटेंशन लाइन के पोल से तार काटकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

वारदातों के बाद पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आरोपियों के आने-जाने वाले रास्तों की सीसीटीवी फुटेज खंगाली। तकनीकी सूचना और मुखबिर तंत्र के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने दर्जनों वारदात करना स्वीकार किया है। जानकारी के अनुसार 11 जुलाई को केरवाली गांव के पास, 12 जुलाई को बंधाला भोपालपुरा गांव के पास, 5 अगस्त को सेंडुकाबास गांव के पास और 6 अगस्त को मावंडा खुर्द गांव से अज्ञात चोरों द्वारा हाईटेंशन लाइन के तार और उससे जुड़े सामान चोरी किए गए थे। 9 अगस्त को शिकायत मिलने के बाद सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल वाहन और चोरी की रकम से खरीदे गए दो आईफोन बरामद किए हैं। वहीं अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

मामले को लेकर सीकर एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने नीमकाथाना सदर थाने में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा किया। एसपी ने गैंग की वारदातों, गिरफ्तार आरोपियों और पुलिस द्वारा की गई बरामदगी की जानकारी दी।

नकली नोट सप्लाई गिरोह का मुख्य सरगना संजीव अहलावत हरियाणा से गिरफ्तार

मामले का खुलासा 23 अगस्त को हुआ था, जब पुलिस टीम ने कस्बे से दो संदिग्धों को हिरासत में लिया था

- पुलिस अब मुख्य सरगना संजीव अहलावत से जाली नोटों के निर्माण स्थल, छपाई की तकनीकों और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में पूछताछ कर रही है

कोटपूतली, (निसं)। जिला पुलिस ने जाली नोटों के नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हांसिल करते हुए नकली नोट सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना संजीव अहलावत को हरियाणा के झज्जर से गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक मुख्य सरगना सहित कुल चार आरोपियों को दबोचा जा चुका है।

मामले का खुलासा 23 अगस्त को हुआ था, जब पुलिस टीम ने कस्बे से दो संदिग्धों निशीकान्त गुप्ता व राहुल सैनी को हिरासत में लिया था। तलाशी के दौरान उनके पास से 500-500 रुपये के 135 जाली नोट (कुल मूल्य 67,500 रुपये) बरामद हुए। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पिछले दो दिनों से कोटपूतली के स्थानीय बाजार में नकली नोट चलाकर उसके बदले14,440 रुपये की असली करेंसी भी हांसिल कर चुके थे, जिसे पुलिस ने जप्त कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

गिरफ्तार आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ के बाद पुलिस ने 24 अगस्त को जाली नोटों की सप्लाई करने वाले तीसरे आरोपी चिराग भारद्वाज को गिरफ्तार किया।

अनुसंधान को आगे बढ़ाते हुए कोटपूतली थानाधिकारी कृष्ण कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने सूचना जुटाई। इसके बाद 28 अगस्त को गिरोह के मुख्य मास्टरमाइंड संजीव अहलावत (28) पुत्र हरिओम जाट निवासी गोच्ची, झज्जर, हरियाणा को झज्जर से धर दबोचा गया। वहीं निशीकान्त (40) पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता निवासी चतुर्भुज मंदिर के पास बर्डोद थाना बहरोड सदर, राहुल (22) पुत्र महेन्द्र सैनी निवासी भैंरू जाट के पास बर्डोद थाना बहरोड सदर व चिराग भारद्वाज (24) पुत्र लोकेश भारद्वाज निवासी जोनायचा खुर्द थाना शाहजहांपुर जिला कोटपूतली बहरोड हाल किरायेदार मकान नम्बर 318 वीटा डेयरी के पास सेक्टर-6 धारूहेड़ा थाना सेक्टर-6 जिला रेवाडी (हरियाणा) को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अब मुख्य सरगना संजीव अहलावत से जाली नोटों के निर्माण स्थल, छपाई की तकनीकों और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में पूछताछ कर रही है। आने वाले दिनों में इस मामले में कई और बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

11 माह से यौन शोषण का आरोप

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम में एक युवती को शादी का झांसा देकर 11 माह से यौन शोषण किया गया। पीड़िता के साथ एक होटल में पहली बार दुष्कर्म के बाद आरोपी यौनाचार करता रहा। पीड़िता ने अब पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया है। पुलिस ने बताया कि जिला पश्चिम के एक थाने में पीड़िता की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसे एक युवक ने दोस्ती के बाद शादी का झांसा दिया और एक होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया। बाद में वह शादी का झांसा देता रहा और 11 माह से यौन शोषण करता रहा। घटनाक्रम गत साल 15 सितंबर से शुरू हुआ। पुलिस ने अब इसमें जांच आरंभ की है।

पिकअप की टक्कर से युवक की मौत, एक गंभीर घायल

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना क्षेत्र में डूंगरपुर-सीमलवाड़ा मुख्य मार्ग पर विकासनगर के पास पिकअप और बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को डूंगरपुर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गुजरात के मोडासा अस्पताल रेफर किया गया है। हादसा उस समय हुआ,जब बाइक सवार दोनों युवक डूंगरपुर से अपने गांव लौट रहे थे।

चौरासी थाना पुलिस के अनुसार, मंडला उपली सांसरपुर निवासी सोहनलाल खराडी ने हादसे को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया कि उनके पुत्र कल्पेश और भतीजा मिथुन कुमार बाइक से डूंगरपुर से अपने घर लौट रहे थे। दोनों विकासनगर के पास डूंगरपुर-सीमलवाडा मुख्य मार्ग पर पहुंचे थे। पुलिस को दी रिपोर्ट के अनुसार सामने से आ रही पिकअप के ड्राइवर ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए गलत तरीके से ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान पिकअप बाइक से सीधी जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार कल्पेश और मिथुन दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

पीछे से आ रहे राकेश, नानूराम और अन्य लोगों ने घायलों को देखा और तुरंत उनके परिजनों को सूचना दी। इसके बाद 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों को डूंगरपुर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद कल्पेश को मृत घोषित कर दिया। वहीं मिथुन की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद गुजरात के मोडासा अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने कल्पेश के शव को डूंगरपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की परिस्थितियों और पिकअप ड्राइवर की भूमिका की जांच शुरू कर दी है।

उदयवीर शर्मा को पुरस्कार मिलेगा

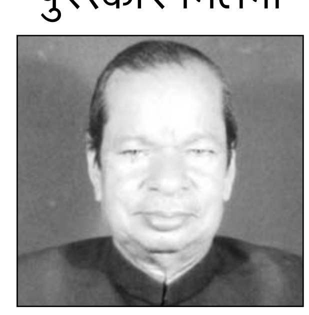

जयपुर /चूरू। प्रयास संस्थान, चूरू द्वारा वार्षिक साहित्य पुरस्कारों की शृंखला में राजस्थानी भाषा, साहित्य की सेवा क्षेत्र में समग्र योगदान के लिए दिए जाने वाला कन्हैयालाल रतनलाल पारख राजस्थानी साहित्य पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए बिसाऊ-झुंझुनूं निवासी राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार, संपादक डॉ. उदयवीर शर्मा को दिया जाएगा। प्रयास संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने बताया कि सुंदरदेवी लक्ष्मीदेवी पारख ट्रस्ट, कोलकाता के मुख्य ट्रस्टी एवं चूरू मूल के उद्योगपति, ऑरबिट ग्रुप के संयोजक बसंत कुमार पारख के सौजन्य से प्रयास संस्थान प्रवर्तित पुरस्कार हेतु इस वर्ष राजस्थान साहित्य के वरिष्ठ हस्ताक्षर 94 वर्षीय डॉ. उदयवीर शर्मा का चयन किया गया है। डॉ. शर्मा को इसी माह चूरू में आयोज्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

नागौर के खाटूबड़ी में हथियारों के सौदागर सहित चार गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से 6 अवैध पिस्टल, मैगजीन और 24 जिंदा कारतूस बरामद किए

- डीएसटी की फील्ड इंटेलिजेंस से खुला अवैध हथियारों का नेटवर्क, सप्लायर ने पूछताछ में खरीदारों के नाम उगले

नागौर, (निसं)। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हथियार सप्लाई करने वाले आरोपी समेत चार जनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 अवैध पिस्टल, मैगजीन और 24 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। कार्रवाई पुलिस थाना खाटूबड़ी और डीएसटी नागौर की संयुक्त टीम ने की।

कार्यवाहक जिला पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के निर्देशन में अवैध हथियारों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक नागौर आसाराम चौधरी ने बताया कि फील्ड इंटेलिजेंस से मिली सूचना पर सप्लायर दबोचा। 27 अगस्त को डीएसटी नागौर के कांस्टेबल नरसी किलक और रामस्वरूप द्वारा संकलित फील्ड सूचना के आधार पर अवैध हथियार सप्लायर ओमप्रकाश पुत्र रामनिवास जाट निवासी ढेहरी को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 3 अवैध पिस्टल मय मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपी ने अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद खाटूबड़ी थाना पुलिस ने अलग-अलग टीमें गठित कर दबिश दी। पुलिस कार्रवाई में सुरेश राहड, श्रवणराम और ओमप्रकाश पुत्र बलदेवराम, तीनों निवासी ढेहरी को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से कुल तीन पिस्टल और कारतूस बरामद हुए। सुरेश राहड के कब्जे से एक पिस्टल मय मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस, श्रवणराम से एक पिस्टल मय मैगजीन और 4 जिंदा कारतूस, जबकि ओमप्रकाश पुत्र बलदेवराम से एक पिस्टल मय दो मैगजीन बरामद की गई। पूरी कार्रवाई में पुलिस ने कुल 6 अवैध पिस्टल और 24 जिंदा कारतूस जब्त किए।

पुलिस पूछताछ में सप्लायर ओमप्रकाश ने हथियारों की खरीद-फरोख्त में अर्जुनराम निवासी ढेहरी का नाम भी सामने आने की जानकारी दी। पुलिस द्वारा मामले में आगे की जांच और संबंधित लोगों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना खाटूबड़ी में प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरण का अनुसंधान पुलिस थाना रोल के थानाधिकारी मुकेश कुमार को सौंपा गया है। पुलिस ने ओमप्रकाश पुत्र रामनिवास देहडू, निवासी ढेहरी, सुरेश राहड पुत्र रामकिशोर राहड, निवासी ढेहरी, श्रवणराम पुत्र जीतुराम, निवासी ढेहरी, ओमप्रकाश पुत्र बलदेवराम, निवासी ढेहरी को गिरफ्तार किया है।

युवक ने पेड़ से साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या की

- आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ, पुलिस ने जांच शुरू की

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के बलवनिया गांव में एक युवक ने खेत में पेड़ से साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौरासी थाना पुलिस के अनुसार बलवनिया निवासी सुरेश आमलिया ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनके भाई राकेश कुमार ने अपने खेत के किनारे लगे एक पेड पर साडी का फंदा बनाकर फंदा लगा लिया। घटना का पता तब चला जब राकेश की बहू और मां ने उसे फंदे पर लटका देखा। उन्होंने तुरंत सुरेश को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और राकेश को फंदे से नीचे उतारा। परिजन राकेश को तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद शव को मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल युवक की आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। चौरासी थाना पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

'मुकुंदरा का दायरा बढ़ेगा, महाराष्ट्र से इसी वर्ष एक और बाघिन आएगी'

- मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व की जैव विविधता, बाघ संरक्षण एवं प्रकृति पर्यटन को लेकर संवाद हुआ
- बैठक में मुकुंदरा की जैव विविधता की एक महत्वपूर्ण विशेषता के रूप में भेड़ियों की मौजूदगी पर भी चर्चा हुई

कोटा, (निसं)। मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व की जैव विविधता, बाघ संरक्षण एवं प्रकृति पर्यटन को लेकर शुक्रवार को कोटा के पर्यावरण प्रेमियों और वन विभाग के बीच संवाद आयोजित किया गया। मुकुंदरा के उप वन संरक्षक मुथु एस ने मुकुंदरा की प्राकृतिक विशेषताओं, वन्यजीव संरक्षण और भविष्य की योजनाओं की जानकारी साझा की। मुथु ने बताया कि मुकुंदरा में वर्तमान में 6 वयस्क एवं 1 शावक बाघ हैं तथा बाघों की आनुवंशिक विविधता और आबादी को मजबूत करने के लिए इसी वर्ष महाराष्ट्र से एक और बाघिन लाई जाएगी। बाघों के प्रे-बेस को मजबूत करने के लिए चीतल एवं सांभर की संख्या बढ़ाने की भी योजना है।

कोटा में पर्यावरण प्रेमियों और वन विभाग के बीच संवाद आयोजित किया गया। वार्ता में मुकुंदरा के उप वन संरक्षक मुथु एस, पगमार्क फाउंडेशन से देववृत्त सिंह हाड़ा, डॉ. कृष्णेंद्र सिंह नामा आदि मौजूद रहे।

मुथु एस ने कहा कि मुकुंदरा की भौगोलिक एवं प्राकृतिक परिस्थितियां भविष्य में चीता संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए भी महत्वपूर्ण संभावनाएं रखती हैं। क्षेत्र में उपलब्ध प्राकृतिक आवास, खुले वन क्षेत्र एवं पर्याप्त पारिस्थितिक संसाधन इसे भविष्य में बड़े मांसाहारी वन्यजीवों के संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण बना सकते हैं। बैठक में मुकुंदरा की जैव विविधता की एक महत्वपूर्ण विशेषता के रूप में भेड़ियों की मौजूदगी पर भी चर्चा हुई। मुकुंदरा रिजर्व में वर्तमान में भेड़ियों के तीन से चार बड़े समूह मौजूद हैं। इनमें से एक बड़ा समूह 82 वर्ग किलोमीटर के एनक्लोजर में विचरण करता है। क्षेत्र में गिद्धों की मौजूदगी भी मुकुंदरा की समृद्ध जैव विविधता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

तीन गांवों के विस्थापन से बढ़ेगा वन्यजीव आवास :- मुकुंदरा के विस्तार की दिशा में भी प्रक्रिया चल रही है। कोटा जिले के एक तथा झालावाड़ जिले के दो गांवों के विस्थापन की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इन गांवों के विस्थापन से भविष्य में वन्यजीवों के लिए उपलब्ध सुरक्षित आवास का विस्तार होने की संभावना है।

पर्यावरण प्रेमियों ने कहा कि मुकुंदरा के विस्तार को केवल बाघ संरक्षण तक सीमित न रखकर भेड़िया, गिद्ध, चीतल-सांभर सहित समूची जैव विविधता और घासभूमि पारिस्थितिकी के संरक्षण से जोड़ा जाना चाहिए। इससे मुकुंदरा को हाड़ौती में जैव विविधता और जिम्मेदार प्रकृति पर्यटन के विशिष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। हम लोग संस्था के अध्यक्ष डॉ. सुधीर गुप्ता ने मुकुंदरा के संरक्षण एवं विकास के लिए वन विभाग के प्रयासों का स्वागत करते हुए कहा कि मुकुंदरा को केवल बाघों की संख्या के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी संपूर्ण जैव विविधता के आधार पर विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण प्रेमी एवं स्थानीय समाज मुकुंदरा के संरक्षण में वन विभाग के साथ सहयोग के लिए सदैव तैयार हैं।

वार्ता में पगमार्क फाउंडेशन से देववृत्त सिंह हाड़ा, डॉ. कृष्णेंद्र सिंह नामा, तपेश्वर सिंह भाटी, ए.एच. जैदी, अशोक शर्मा, रवि गोयल, खालिद इक़बाल, अनुराग फतेहपुरिया, सौरभ मेहता, शकील विलियम्स, टी.पी.एस. सेठी एवं रमाकांत लवानिया सहित अनेक पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

23 साल से फरार इनामी तस्कर को भीलवाड़ा में पकड़ा

आरोपी 2,500 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा तस्करी के मामले में वांछित था

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा पुलिस की साइबर सेल और प्रतापनगर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए पिछले 23 साल से फरार चल रहे 10 हजार के इनामी तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी 2,500 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा तस्करी के मामले में लंबे समय से वांछित था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मामला 10 जून 2003 का है, जब प्रतापनगर थाना क्षेत्र में लावारिस हालत में खड़ा एक ट्रक जब्त किया गया था। तलाशी लेने पर ट्रक से 2,500 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद हुआ था। इस संबंध में प्रतापनगर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी, लेकिन आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा द्वारा चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत यह सफलता मिली है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राजेश आर्य के निर्देशन और पुलिस उप अधीक्षक (वृत्त शहर) सज्जन सिंह के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी सुनील ताड़ा व साइबर सेल की एक विशेष टीम गठित की गई। साइबर सेल की तकनीकी सहायता और टीम की मुस्तैदी से आरोपी को ढूंढ निकाला गया।

सीकर जिले से विवाहिता लापता

- ससुर ने किडनैपिंग का शक जताकर मुकदमा दर्ज कराया

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में 23 साल की विवाहिता के लापता होने का मामला सामने आया है। ससुर ने किडनैपिंग का शक जताते हुए पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है। घर से हजारों रुपए और मंगलसूत्र भी गायब है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार 23 साल की विवाहिता के ससुर ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 25 अगस्त की दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच उनकी पत्नी घर के पीछे मैदान में घरेलू काम कर रही थी। इसी दौरान उनके बेटे की बहू घर में रखा एक सोने का मंगलसूत्र और 5 हजार रुपए लेकर कहीं पर चली गई। जब कई घंटे तक विवाहिता घर पर नहीं दिखी तो उसकी आस-पड़ोस और रिश्तेदारी में काफी तलाश की गई, लेकिन वहां भी उसका कुछ पता नहीं चल पाया। विवाहिता के ससुराल पक्ष के अनुसार विवाहिता अपने मोबाइल और ससुर के मोबाइल से तीन-चार नंबरों पर बातचीत करती थी। ऐसे में अब अंदेशा है कि इन नंबरों से जो लोग बातचीत करते थे वह आपराधिक किस्म के लोग हैं। जिन्होंने उनके बेटे की बहू को किडनैप किया हुआ है और पैसों के लालच में वह उसे बेच भी सकते हैं।

वेटिकन सिटी में पोप लियो से मिले मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास

पोप ने राजस्थान और भारत के विकास एवं प्रगति के लिए आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी

जयपुर, (निसं)। मुख्य सचिव एवं इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज (आईआईएएस) के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को वेटिकन सिटी में पोप लियो से मुलाकात की। इस अवसर पर आईआईएएस के 520 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने पोप लियो के 'स्पेशल ब्लेसिंग' में भाग लिया। पोप ने राजस्थान और भारत के विकास एवं प्रगति के लिए आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। श्रीनिवास ने इस मुलाकात को अत्यंत गौरवपूर्ण अनुभव बताते हुए मानवता की सेवा के पोप के वैश्विक प्रयास 'मैग्निफिका ह्यूमैनिटास' में आईआईएएस की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया।

पोप लियो ने आईआईएएस के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल तकनीक को आमजन की सेवा का माध्यम बनाने के लिए इसका मानवीकरण आवश्यक है। उन्होंने मानव कल्याण को शासन और तकनीकी विकास के केंद्र में रखने का आव्हान करते हुए कहा कि मानव परिवार की भलाई को निजी हितों के लिए बलिदान नहीं किया जाना चाहिए।

पोप ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तेजी से विकसित होती डिजिटल तकनीकों के दौर में मानव हितों की रक्षा तथा तकनीक के संतुलित और जिम्मेदार उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एआई जिस गति से विकसित हो रही है, उसमें यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि तकनीक मानवता की सेवा करे और मनुष्य अपने ही आविष्कारों का शिकार न बने। उन्होंने मानव जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय मशीनों को सौंपे जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए मानव बुद्धिमत्ता की अपरिहार्यता को रेखांकित किया। उन्होंने डिजिटल तकनीकों के मानवीय उपयोग के लिए प्रभावी नैतिक ढांचा विकसित करने की आवश्यकता बताई। साथ ही, आईआईएएस को इस दिशा में शोध जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सार्वजनिक प्रशासन में डिजिटल तकनीकों का उपयोग इस प्रकार किया जाए कि वे जीवन और शांति की सेवा करें।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को वेटिकन सिटी में पोप लियो से मुलाकात की।

■ **डिजिटल तकनीक को आमजन की सेवा का माध्यम बनाने के लिए इसका मानवीकरण आवश्यक - पोप लियो**

खाद्य सुरक्षा विभाग ने 50 किलो संदिग्ध मिल्क केक-लड्डू नष्ट किए

■ **'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत बगरू व दूदू क्षेत्र में मिठाई प्रतिष्ठानों एवं निर्माण परिसरों का सघन निरीक्षण किया**

जयपुर(निसं)। खाद्य सुरक्षा विभाग ने 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत रक्षाबंधन के दिन शुक्रवार को बगरू और दूदू क्षेत्र में मिठाई प्रतिष्ठानों और निर्माण परिसरों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान करीब 50 किलो संदिग्ध मिल्क केक और लड्डू मौके पर नष्ट करवाए गए, जबकि विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए लिए गए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि दहमी कलां स्थित जोधपुर मिष्ठान भंडार से जलेबी और बगरू के शिव शक्ति स्वीट होम से पनीर का नमूना लिया गया। वहीं श्री सालासर कोटा कचौरी एंड नमकीन भंडार में निरीक्षण के दौरान करीब 50 किलो मिल्क केक और लड्डू संदिग्ध गुणवत्ता के पाए गए। इन्हें नियमानुसार मौके पर नष्ट करवाकर संबंधित खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए लिए गए। दूदू में अन्नपूर्णा जोधपुर स्वीट्स से मावा, अग्रवाल मिष्ठान भंडार से बेसन बर्फी और जोधपुर मिष्ठान भंडार से मोतीचूर के लड्डू के नमूने लिए गए। खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 और संबंधित नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने बताया कि त्योहारी सीजन में मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए निरीक्षण एवं सैम्पलिंग अभियान जारी रहेगा। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रमेश चंद यादव, अवधेश गुप्ता और मुकेश कुमार शामिल रहे।

लोकभवन में शुक्रवार को रक्षाबंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान महिलाओं और बच्चों ने लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की कलाई पर राखी बांधी। राज्यपाल बागडे ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्यार के रूप में परस्पर प्रेम और विश्वास का पावन उत्सव है। उन्होंने रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के प्रति संकल्पबद्ध होने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन कर्तव्य और संरक्षण की भावना का पावन पर्व है।

स्मैक तस्कर समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर(निसं)। आगामी निकाय चुनावों को देखते हुए खोह नागोरियान थाना पुलिस ने अवैध गतिविधियों और नशे के खिलाफ अभियान चलाते हुए दो अलग-अलग कार्रवाई कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक आरोपी के कब्जे से 1.30 ग्राम स्मैक और जुआ खेल रहे दो आरोपियों से 8,700 रुपए की नकदी बरामद की है। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम ने सर्च अभियान के दौरान 1.30 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ रवि गुर्जर (21) को गिरफ्तार किया। आरोपी मूल रूप से बामणवास, सवाई माधोपुर का रहने वाला है और वर्तमान में खानियां, ट्रांसपोर्ट नगर में किराए से रह रहा था। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने बसंत विहार इलाके में पैसों का दांव लगाकर ताश से जुआ खेल रहे राशिद (35) निवासी विदिशा, मध्यप्रदेश और चांद खां (36) निवासी बसंत विहार, खोह नागोरियान को गिरफ्तार किया। दोनों के कब्जे से 8,700 रुपए की जुआ राशि जब्त की गई। पुलिस ने राजस्थान सार्वजनिक द्यूत अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

श्रावणी कर्म: गायत्री परिवार ने बहनों की रक्षा का संकल्प लिया

जयपुर(निसं)। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में सावन माह की पूर्णिमा पर शुक्रवार को जयपुर के विभिन्न प्रज्ञा संस्थानों पर श्रावणी उपाकर्म एवं रक्षाबंधन पर्व श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान हेमाद्रि संकल्प, सप्त ऋषि पूजन, वेद पूजन, दस विध स्नान, यज्ञोपवीत परिवर्तन, सामूहिक तर्पण और गायत्री महायज्ञ सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हुए। साधकों ने ऋषियों एवं वेद परंपरा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए आत्मशुद्धि, सदाचार, संयम और आध्यात्मिक साधना को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। साथ ही जीवन में जाने-अनजाने में हुए गलत कार्यों तथा ज्ञात-अज्ञात पाप कर्मों के लिए भगवान से क्षमा याचना की गई और भविष्य में उन गलतियों को नहीं दोहराने का संकल्प लिया गया। सभी स्थानों पर नारी का सम्मान करने और उनकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। गायत्री शक्तिपीठ, ब्रह्मपुरी में श्रावणी उपाकर्म का मुख्य आयोजन हुआ। शक्तिपीठ के व्यवस्थापक सोहन लाल शर्मा ने बताया कि साधकों ने विधि-विधान से भस्म, मिट्टी, गोमय, गोमूत्र, दूध, दही, घी, शहद,हल्दी और कुशा से दस विध स्नान किया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गायत्री यज्ञ में आहुतियां अर्पित की गईं। आयोजन में ऋषि परंपरा, वेदाध्ययन और आत्मशुद्धि के महत्व पर प्रकाश डाला गया। गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा की ओर से रामेश्वर धाम कॉलोनी स्थित गौड़ विप्र समाज भवन में श्रावणी उपाकर्म एवं रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। योग गुरु अजय शर्मा ने शंखनाद के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मनु महाराज ने वेदमाता गायत्री और गुरु सत्ता का पूजन कराया।

व्यास पीठ से प्रहलाद शर्मा ने विधि-विधान से हेमाद्रि संकल्प कराया। इसके बाद सप्त ऋषि पूजन, वेद पूजन, दस विध स्नान, यज्ञोपवीत परिवर्तन और सामूहिक तर्पण कराया गया। श्रावणी कर्म के तहत प्रतिभागियों ने पुराना यज्ञोपवीत उतारकर विधि-विधान से नया यज्ञोपवीत धारण किया। इसके बाद गायत्री महायज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां अर्पित कीं। यज्ञ के बाद सभी ने एक-दूसरे को रक्षासूत्र बांधकर आपसी प्रेम, सद्भाव को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पौधारोपण कर तरु पूजन भी किया गया। पर्यावरण संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया गया। अंत में सत्संकल्प पत्र का वाचन कराया गया।

सावन माह की पूर्णिमा पर जयपुर के विभिन्न प्रज्ञा संस्थानों पर श्रावणी उपाकर्म व रक्षाबंधन पर्व श्रद्धा, आस्था के साथ मनाया गया।

राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित अफसर का निधन

कोटपूतली, (निसं)। राजस्थान पुलिस जयपुर में कार्यरत पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश वर्मा (आरपीएस) का 59 वर्ष की आयु में असामयिक निधन हो गया। वह पिछले लंबे समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे और जयपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही पुलिस महकमे सहित उनके पैतृक गांव कांसली में शोक की लहर दौड़ गई। मूल रूप से कांसली गांव के निवासी रामजीलाल के पुत्र ओमप्रकाश वर्मा राजस्थान पुलिस के एक चमकते सितारे थे।

बारिश का दौर थमने से चढ़ने लगा दिन का पारा, रात का पारा गिरा

■ **प्रदेश में अब तक सामान्य से 21 फीसदी कम बारिश हुई है**

जयपुर, (निसं)। प्रदेश में बारिश का दौर थमने लगा है। इससे प्रदेश के शहरों के दिन के पारे में बढ़ोतरी और रात के पारे में गिरावट आने लगी है। राजस्थान में अब तक सामान्य से 21 फीसदी कम बारिश हुई है। हालांकि शुक्रवार को माउंट आबू और डूंगरपुर में हल्की बारिश दर्ज की गई, बाकी शहर सूखे रहे। आगामी सात दिन प्रदेश में मौसम शुष्क रहने और पारे में बढ़ोतरी की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को बारिश का दौर धीमा रहने से प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में 1 से 2 डिग्री तक का उछाल दर्ज किया गया। जयपुर में दिनभर छितराए बादल छाए रहे और धूप खिली। इससे उमस भरा माहौल बना रहा। इससे आमजन परेशान नजर आए। जयपुर का अधिकतम तापमान 35.4 और न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री दर्ज किया गया। श्रीगंगानगर प्रदेश में सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 39.8 और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आगामी एक सप्ताह बीकानेर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, जयपुर, भरतपुर व कोटा संभाग के अधिकांश भागों में कमजोर मानसून परिस्थितियां दर्ज होने तथा मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में केवल छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। 3-4 सितंबर से पूर्वी व उत्तरी राजस्थान के कुछ भागों में पुनः बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। गुरुवार को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश दर्ज की गई है।

एएनटीएफ ने करोड़ों की एमडी बरामद कर दो इनामी आरोपी गिरफ्तार किए

■ **रक्षाबंधन पर्व पर राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने नशे के कारोबार और फरार अपराधियों के खिलाफ तीन बड़ी कार्रवाई की**

जयपुर,(निसं)। रक्षाबंधन के पर्व पर राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशे के कारोबार और फरार अपराधियों के खिलाफ तीन बड़ी कार्रवाई की। नागौर में जयपुर लाई जा रही 5 किलो 400 ग्राम एमडी बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 1.62 करोड़ रुपये बताई गई है। इसके अलावा पुलिस पर फायरिंग के मामले में करीब एक साल से फरार 25 हजार रुपये के इनामी संदीप राज शर्मा को जयपुर से गिरफ्तार किया गया। वहीं करीब 10 माह से वांछित एक लाख रुपये के इनामी तस्कर सरगना श्यामसुंदर उर्फ सांवराराम उर्फ सांवरिया को जोधपुर से गिरफ्तार किया गया।

आईजी एएनटीएफ विकास कुमार, राजस्थान पुलिस ने बताया कि रक्षाबंधन के दिन भी एएनटीएफ की टीमें ड्यूटी पर रहीं और अलग-अलग अभियानों में सफलता हासिल की।

एएनटीएफ ने नागौर के जायल थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर 5.400 किलो एमडी बरामद की। मौके से टीयूवी-300 कार जब्त कर एक विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि एमडी की बड़ी खेप नागौर से जयपुर ले जाकर अलग-अलग पार्टियों और ग्राहकों को सप्लाई की जानी है। टीम ने ग्राम दुगौली में खारी-जोधा जाने वाली सड़क पर देवनारायण बगीची के सामने नाकाबंदी की। संदिग्ध कार की तलाशी लेने पर खलासी सीट के नीचे रखे सफेद प्लास्टिक के कट्टे में पांच हरी थैलियों से एमडी बरामद हुई।प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि खेप सालासर-मालास, थाना मेडतारोड़ क्षेत्र से ली गई थी और धुडिला गांव के पास एक तस्कर ने इसे बाल अपचारी को सौंपा था। मोबाइल में एक अकाउंटिंग ऐप पर 'एसडी मुथ' नाम से करीब 16 लाख रुपये के लेन-देन का हिसाब भी मिला। पुलिस सप्लायर और आगे की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। एएनटीएफ के अनुसार गठन के करीब 10 माह में टीम 196.76124 किलो एमडी बरामद कर चुकी है।

दूसरी कार्रवाई में एएनटीएफ ने 'ऑपरेशन कलर फोटो' के तहत करीब एक साल से फरार 25 हजार रुपये के इनामी संदीप राज शर्मा को जयपुर से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार जून 2025 में जयपुर पुलिस टीम वांछित आरोपी की तलाश में नंदन विहार कॉलोनी स्थित किराये के मकान पर पहुंची थी। वहां संदीप शर्मा ने कथित रूप से देशी कट्टे जैसे हथियार से पुलिस पर फायर किया। गोली एक पुलिसकर्मी के हाथ को छूकर निकल गई। इसके बाद आरोपी स्कॉर्पियो से फरार हो गया। मामले में रामनगरिया थाना जयपुर पूर्व में फायरिंग और आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। आरोपी के खिलाफ अलग-अलग थानों में 11 आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। फरारी के दौरान उसने छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, जयपुर और दौसा में ठिकाने बदले। एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि वह एनडीपीएस मामलों में वांछित साथियों के साथ जयपुर में मिलने वाला है।

NAME CHANGE

I have Changed My Name from Shueb Ahmed to SHUEB AHAMED S/o Abdul Hafeez for all future purpose. Address: 4226, Shikariyo Ka Mohalla, Anaj Mandi, Johari Bazar, Jaipur.302003

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुतफरिक) वाद सं. 23/2026

धारा-8,17,29

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी नाम श्रीमती नायला राजीव चन्देल पत्नी स्व. राजीव चन्देल जाति....

विवाद स्थान फ्लेट नं.1001, महिमा बेला विस्टा, 10वीं मंजिल ग्राम-खो-नागोरियान, तहसील-सांगानेर, जिला-जयपुर

मृतक राजीव चन्देल की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक- 14/10/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम राजीव चन्देल पुत्र रणजीत सिंह चन्देल जाति... निवासी जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 14 माह 10 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। आज दिनांक 21 माह 08 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

रीडर

अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या-11, जयपुर महानगर मुख्यालय सांगानेर

मोहर अदालत

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नेपाल-तिब्बत के बाढ़ पीड़ितों की सुरक्षा-संरक्षण के लिए यज्ञ किया

■ **रक्षाबंधन पर विश्व शांति, सभी के सुख, समृद्धि और मंगल की कामना भी की गई**

जयपुर(निसं)। रक्षाबंधन पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के परिजनों ने तकनीक के माध्यम से देश-विदेश के 108 स्थानों से ऑनलाइन यज्ञ में सहभागिता की। करीब 600 परिजनों ने एक साथ यज्ञ में आहुतियां अर्पित करते हुए नेपाल तिब्बत के बाढ़ पीड़ितों की सुरक्षा, संरक्षण और संकट से शीघ्र मुक्ति की प्रार्थना करते हुए विशेष आहुतियां प्रदान की। रक्षाबंधन पर विश्व शांति, सभी के सुख, समृद्धि और मंगल की कामना भी की गई।

ऑनलाइन यज्ञ में चीन के बीजिंग, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी सहित सिलीगुड़ी, दिल्ली, साहिबगंज, वल्लभगढ़, पटना, बेंगलुरु, जयपुर, चंडीगढ़, उदयपुर, हनुमानगढ़, टोंक, अजमेर, दौसा, कोटपूतली और चित्तौड़गढ़ जैसे शहरों से परिजन जुड़े। वहीं दूदू, चाकसू, नीमकाथाना और फतेहपुर शेखावाटी जैसे तहसील मुख्यालयों से भी बड़ी संख्या में परिजनों ने ऑनलाइन यज्ञ में भाग लिया। इस तरह महानगरों से लेकर ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों तक गायत्री परिवार के परिजनों ने एक साथ यज्ञीय वातावरण में सहभागिता की। प्रान्तीय जोनल समन्वयक ओमप्रकाश अग्रवाल और प्रान्तीय सह समन्वयिका गायत्री कचोलिया ने सभी परिजनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। बीजिंग, चीन से जुड़े रोहित ने भी ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया और तकनीक के जरिए गायत्री परिवार के अभियान को व्यापक स्तर तक पहुंचाने की आवश्यकता पर विचार रखे।

रक्षाबंधन पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के परिजनों ने तकनीक के माध्यम से देश-विदेश के 108 स्थानों से ऑनलाइन यज्ञ में सहभागिता की।

सादर

भावभीनी श्रद्धांजलि

29.01.1937 - 26.08.2026

श्री वीरेन्द्र सिंह वर्मा

के देवलोक गमन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

शनिवार, दिनांक 29 अगस्त 2026 को सांय 4 से 5 बजे तक

अणुविभा केन्द्र, मालवीय नगर, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर में किया गया है।

:: श्रद्धावनत ::

डॉ. एम. एल. स्वर्णकार - श्रीमती मीना स्वर्णकार (दामाद-पुत्री)

संस्थापक एवं एमेरिटस चेयरपर्सन

तथा

डॉ. विकास चन्द्र स्वर्णकार

चेयरपर्सन एवं चांसलर

डॉ. शोभित स्वर्णकार

मेम्बर, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट

राम रतन सोनी

सी.ई.ओ. एवं चीफ फाईनेंस तथा अकाउन्ट्स ऑफिसर

वाइस चांसलर, मेम्बर्स बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट, एकेडमिक काउंसिल, फैकल्टी, स्टाफ एवं विद्यार्थीगण

महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज़ एण्ड टेक्नोलॉजी

MAHATMA GANDHI UNIVERSITY of MEDICAL SCIENCES AND TECHNOLOGY

JAIPUR

रीको इन्सटीट्यूशनल एरिया, सीतापुरा, टोंक रोड, जयपुर 302 022

फोन : 0141- 2771777, 2771001-2-3, Toll free 1800 180 6002 • Web. : www.mgmch.org

मोहम्मद कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि विराट कोहली टीम में होते तो वह लगातार खिलाड़ियों से बात करके उन्हें मैच में बनाए रखते। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट लंबा खेल है और इसमें गेंदबाजों को लगातार मेहनत करनी पड़ती है।

कैफ के मुताबिक, भारतीय टीम ने कई मौकों पर चीजों को अपने आप होने के लिए छोड़ दिया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **पुलेला गोपीचंद**

पुलेला गोपीचंद को आज भी याद है कि जब उनके खेलने के दिनों में बैडमिंटन की स्कोरिंग प्रणाली में बदलाव हुआ था तो कितनी उथल-पुथल मची थी और अब जबकि यह खेल एक और रणनीतिक बदलाव के लिए तैयार हो रहा है तो भारतीय कोच का मानना है कि कुछ खिलाड़ी बाहर हो जायेंगे। अभी 21 अंकों के तीन गेम के प्रारूप में बैडमिंटन खेला जाता है लेकिन अगले साल इसे बदलकर 15 अंकों के तीन गेम का प्रारूप कर दिया जायेगा। बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि छोटे प्रारूप से व्यस्त कैलेंडर में खिलाड़ियों के कार्यभार के प्रबंधन में मदद मिलेगी।

क्या आप जानते हैं ?... ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया।

आकिब नबी को इंग्लैंड भेजने की तैयारी में:न्यूजीलैंड टेस्ट से पहले डोमेस्टिक मैच खेलेंगे

इंग्लिश काउंटी टीम सरे से बातचीत जारी

जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को इंग्लैंड भेजने की तैयारी में है। नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज को ध्यान में रखते हुए बोर्ड उन्हें इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में 2-3 रेड-बॉल मैच खिलाने की योजना बना रहा है। इसके लिए काउंटी क्लब सरे से बातचीत कर रहा है। नबी को काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी दौर में शॉर्ट-टर्म कॉन्ट्रैक्ट मिलने की संभावना है । आकिब नबी पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में 60 विकेट लेकर टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। इसके बावजूद उन्हें और गुरनूर बरार को श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली।

मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को वर्कलोड के चलते ब्रेक दिया गया है। वहीं, गुरनूर बरार दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन की ओर से खेलेंगे। नबी के लिए इंग्लैंड में 2-3 मैचों की तैयारी बीसीसीसी के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर से कहा कि भारतीय टीम मैनेजमेंट और चयन समिति ने गुरनूर को दलीप ट्रॉफी में खिलाने का फैसला किया है। सूत्र ने कहा, प्लेइंग इलेवन में अर्शदीप सिंह और अंशुल कंबोज पहले से हैं। गुरनूर, सुनील कुमार की जगह लेंगे। इंग्लैंड में आकिब के लिए कम से कम 2-3 रेड-बॉल मैचों की व्यवस्था करने की कोशिश कर रहा है। लंदन स्थित काउंटी क्लब सरे एक स्विंग गेंदबाज की तलाश में है। इसी वजह से आकिब नबी के सरे के लिए कुछ मैच खेलने की संभावना पर बातचीत हो रही है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और सरे के प्रमुख एलेक स्टीवर्ट की से जुड़े लोगों के साथ इस बारे में बातचीत चल रही है आकिब का वीजा हासिल करने की कोशिश कर रहा है। वीजा मिलने के बाद उनके इंग्लैंड रवाना होने की संभावना है। गुरनूर बरार नॉर्थ जोन की टीम के साथ साउथ जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में खेलेंगे। यह मुकाबला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू होना है। मानव सुथार वारविकशायर के लिए दो मैच खेल चुके हैं। कुलदीप यादव यॉर्कशायर के रेड-बॉल मैचों के लिए इंग्लैंड लौट चुके हैं। आशुतोष शर्मा ने मिडलसेक्स के लिए रॉयल लंदन वनडे कप में खेला है। साई किशोर ग्लोसेस्टरशायर के लिए खेल रहे हैं।

अस्मिता खेलो इंडिया महिला वुशू लीग का चौगान स्टेडियम में होगा आयोजन

जयपुर । भारत सरकार व भारतीय खेल प्राधिकरण के निर्देशानुसार खेलो में महिला खिलाडीयों की भागीदारी बढाने के लिए खेल दिवस के उपलक्ष में जयपुर वुशू संघ के तत्वावधान में अस्मिता खेलो इंडिया वुशू महिला लीग का आयोजन दिनांक 29 व 30 अगस्त 2026 को चौगान स्टेडियम, जयपुर में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में जिले भर से लगभग 200 से अधिक महिला खिलाडयों के भाग लेने की सम्भावना है। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, जयपुर वुशू संघ ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य महिला खिलाडियों को नियमित प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करना है। तथा महिला खिलाडियों की वुशू खेल में भागीदारी बढ़ाने की दिशा में अहम पहल माना जा रहा है तथा प्रतियोगिता को लेकर महिला खिलाडियों में उत्साह का माहोल है। राजेश कुमार टेलर वुशू कोच ने बताया कि बढ़ी संख्या में महिला खिलाडियों के एक मंच पर खेलने से जिले में वुशू खेल को बढ़ावा मिलेगा तथा अपनी तकनीक व योग्यता को परखने का मौका मिलेगा। देवराज सिंह आयोजन सचिव के अनुसार इस प्रतियोगिता में सब जूनियर, जूनियर व सीनियर तीनो वर्गों में महिला खिलाडी भाग ले सकेंगे तथा प्रतियोगिता का आयोजन नॉक आउट आधार किया जायेगा तथा खिलाडियों का वजन कल प्रातः 7 बजे से चौगान स्टेडियम पर लिया जायेगा।

10 वां एडिशन, 8 टीमें लेंगी हिस्सा; भारत-पाकिस्तान मुकाबला 5 सितंबर को

नई दिल्ली। विमेंस क्रिकेट एशिया कप का 10वां एडिशन आज से दुबई में शुरू होगा। इस बार 8 टीमों के बीच 12 मैच खेले जाएंगे। श्रीलंका डिफेंडिंग चैंपियन है, जबकि भारत 7 खिताब के साथ सबसे सफल टीम है। टूर्नामेंट का पहला एडिशन 2004 में वनडे फॉर्मेट में खेला गया था। शुरुआती चार एडिशन 50 ओवर के फॉर्मेट में हुए। 2012 से इसे टी-20 फॉर्मेट में बदल दिया गया। इस बार का सबसे बड़ा मुकाबला भारत-पाकिस्तान के बीच 5 सितंबर को होगा। स्टोरी में टूर्नामेंट के बारे में सबकुछ... शुरुआत कब और कैसे हुई? पहली बार 2004 में भारत और श्रीलंका ने ही एशिया कप खेला था। दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज हुई और भारत ने सभी पांच मैच जीतकर टाइटल अपने नाम किया। इसके बाद 2005-06, 2006 और 2008 में भी टूर्नामेंट फॉर्मेट में खेला गया। 2012 में पहली बार विमेंस एशिया कप 20-20 ओवर का खेला गया। इसके बाद से सभी एडीशन इसी फॉर्मट में खेले जा रहे हैं। 2026 में 8 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। दोनों ग्रुप में 4-4 टीमें हैं। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी तीन टीमों से एक-एक मैच खेलेगी। टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल जीतने वाली टीम 13 सितंबर को फाइनल खेलेगी। भारत ग्रुप- में है। टीम इस स्टेज में तीन मुकाबले खेलेगी। पहला मैच थाईलैंड, दूसरा मैच हॉन्गकॉन्ग, चीन और तीसरा पाकिस्तान से होगा। भारत का स्क्वॉड- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, जी. कमालिनी, अरुंधति रेड्डी, प्रेमा रावत, राधा यादव, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़ और प्रतिका रावल। इंडोनेशिया पहली बार हिस्सा ले रहा है। इसके अलावा टूर्नामेंट के सभी मुकाबले दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत ने 7 खिताब जीते हैं। वनडे में 4 और टी-20 में 3 बार। बांग्लादेश और श्रीलंका ने एक-एक बार ट्रॉफी अपने नाम की है। श्रीलंका डिफेंडिंग चैंपियन है। 2024 में टीम ने दांबुला में खेले गए फाइनल में भारत को 8 विकेट से हराया था।

आर प्रज्ञानानंदा ग्रेड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली। भारतीय ग्रेडं मास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रेडं चेस टूर का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वे का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। सेंट लुइस में खेले गए फाइनल में प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के ग्रेडं मास्टर फैबियानो कारूआना को 15-13 से हराया।

इस जीत के साथ प्रज्ञानानंदा ने 2 लाख डॉलर (लगभग 1.91 करोड़) की प्राइज मनी अपने नाम की। 6 पॉइंट पीछे रहने के बाद प्रज्ञानानंदा ने की वापसी फाइनल मुकाबले के आखिरी दिन की शुरुआत में प्रज्ञानानंदा कारूआना से 6 पॉइंट पीछे चल रहे थे। हालांकि, उन्होंने दिन की शुरुआत में ही दोनों रैपिड गेम्स जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की और स्कोर में बढ़त हासिल कर ली।

इसके बाद हुए ब्लिट्ज मैचों में दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन बराबरी का रहा, जिससे प्रज्ञानानंदा ने 2 पॉइंट की बढ़त बनाए रखी और 15-13 के अंतिम स्कोर के साथ पहली बार ग्रैंड चेस टूर का खिताब अपने नाम किया। तीसरे नंबर के मैच में वेस्ली सो की जीत तीसरे स्थान के लिए खेले गए मैच में अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को 18-12 के अंतर से हराया। रैपिड सेक्शन में दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का मुकाबला रहा, लेकिन वेस्ली सो ने लगातार चारों ब्लिट्ज गेम्स जीतकर एक मैच शेष रहते ही जीत तय कर ली। 2027 ग्रैंड चेस टूर के लिए टॉप 3 खिलाड़ी क्वालिफाई इस टूर्नामेंट के फाइनल नतीजों के साथ ही अगले सीजन यानी 2027 ग्रैंड चेस टूर के लिए टॉप 3 खिलाड़ियों ने डायरेक्ट क्वालिफाई कर लिया है। इन 3 खिलाड़ियों में चैंपियन प्रज्ञानानंदा, रनर-अप फैबियानो कारूआना और तीसरे स्थान पर रहने वाले वेस्ली सो शामिल हैं। टूर्नामेंट सिंगल-एलिमिनेशन नॉकआउट फॉर्मेट में खेला गया, जिसमें चार खिलाड़ियों फैबियानो कारूआना, वेस्ली सो, विंसेंट कीमर और प्रज्ञानानंदा ने हिस्सा लिया। 2015 में हुई थी शुरुआत ग्रैंड चेस टूर दुनिया के बड़े शतरंज टूर्नामेंट की एक सीरीज है। इसकी शुरुआत 2015 में हुई थी। इसमें सालभर अलग-अलग शहरों में क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज फॉर्मेट में मुकाबले खेले जाते हैं। खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर पॉइंट्स मिलते हैं और सीजन के अंत में इन्हीं पॉइंट्स के आधार पर ग्रैंड चेस टूर फाइनल के लिए खिलाड़ियों का चयन होता है।

एशियाड में बीसीसी टीम भेजने से इनकारः जापान की सुविधाओं से बोर्ड नाखुश, लेकिन भारत फुल-स्ट्रेंथ टीम के साथ खेलेगा

नई दिल्ली। भारत जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स में टीम नहीं भेजेगा। इससे पहले खबर आई थी कि जापान में क्रिकेटरों के लिए सुविधाएं और व्यवस्थाएं तय मानकों के मुताबिक नहीं मिलने पर टीम में बदलाव कर सकता है। हालांकि, के सूत्र ने बताया है कि सुविधाओं को लेकर उठाई गई चिंताएं सही हैं, लेकिन भारत टीम नहीं भेजेगा।

एशियन गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले 17 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे। और एशियन क्रिकेट काउंसिल जापान में खिलाड़ियों के लिए होटल, ड्रेसिंग रूम और दूसरी सुविधाओं को लेकर संतुष्ट नहीं हैं। इन व्यवस्थाओं की जांच के लिए का एक ऑब्जर्वर जापान भेजा जा सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, खिलाड़ियों के ठहरने के लिए जो होटल के कमरे दिए जा रहे हैं, वे बेहद छोटे हैं। बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि कमरे इतने तंग हैं कि अगर दो खिलाड़ी अपना भारी-भरकम किट बैग खोल लें तो चलने या खड़े होने तक की जगह नहीं बचती। इस बार एशियन गेम्स में खिलाड़ियों के लिए कोई अलग एथलीट विलेज नहीं बनाया गया है। स्टेडियम के पास के फाइव स्टार होटल पहले से बुक होने के कारण क्रिकेटर्स को 20 किलोमीटर दूर ठहराया जा रहा है। इससे लंबे ट्रैवल टाइम की समस्या खड़ी हो रही है। मैचों के लिए कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क को सिलेक्ट किया गया है, जो पहले बेसबॉल स्टेडियम था। इसे हाल ही में क्रिकेट स्टेडियम में बदला गया है। पिच और आउटफील्ड अब तक इंटरनेशनल लेवल पर सही तरीके से टेस्ट नहीं हुई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी इस पर चिंता जताई है। ड्रेसिंग रूम पक्के मकान की बजाय तंबुओं में बनाए गए हैं। यहां से वॉशरुम 500 मीटर दूर है, जिससे खिलाड़ियों को असुविधा हो रही है। सुविधाओं और पिच की गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों के बाद एशियन क्रिकेट काउंसिल ने एक टेक्निकल टीम जापान भेजने का फैसला किया है। यह टीम मैदान, प्रैक्टिस नेट्स और होटल की व्यवस्थाओं का जायजा लेगी। भारत ने एशियन गेम्स के पिछले एडिशन में गोल्ड मेडल जीता था। 2023 में चीन के हांगझोऊ में हुए गेम्स में भारत और अफगानिस्तान के बीच फाइनल बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका था। बेहतर सीडिंग के आधार पर भारत को विजेता घोषित किया गया था। क्रिकेट एशियन गेम्स में चौथी बार शामिल किया गया है। ग्वांगझू 2010 एशियन गेम्स में क्रिकेट पहली बार शामिल हुआ था। इंचियोन गेम्स 2014 में यह शामिल रहा। हालांकि, इन मैचों को अंतरराष्ट्रीय दर्जा नहीं दिया गया था। 2018 में गेम्स की लिस्ट से क्रिकेट बाहर कर दिया गया। चीन के हांगझोऊ गेम्स 2022 में इसकी वापसी हुई और भारत विजेता बना। 2026 में क्रिकेट चौथी बार इस गेम्स का हिस्सा होगा।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती आज

जयपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के पावन अवसर पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार, 29 अगस्त 2026 को सवाई मान सिंह स्टेडियम, जयपुर में समारोहपूर्वक मनाया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए वरिष्ठ खेल अधिकारी श्री करण सिंह शेखावत ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले इस समारोह का मुख्य उद्देश्य युवाओं में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और मेजर ध्यानचंद जी के जीवन से प्रेरणा लेना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6:00 बजे रिपोर्टिंग एवं एकत्रीकरण के साथ होगा। प्रातः 6:05 बजे पधारे हुए गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। प्रातः 6:15 बजे हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। श्रद्धांजलि के तत्पश्चात प्रातः 6:15 बजे प्रभात फेरी को राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव श्री राजकेश मीणा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। प्रभात फेरी स्टेडियम परिसर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए प्रातः 7:00 बजे तक स्टेडियम में ही संपन्न होगी।

कोहली खेलते तो भारत कोलंबो टेस्ट जीत जाता: कैफ बोले- टीम में जोश की कमी दिखी

टेस्ट में भारत के सबसे सफल कप्तान हैं विराट

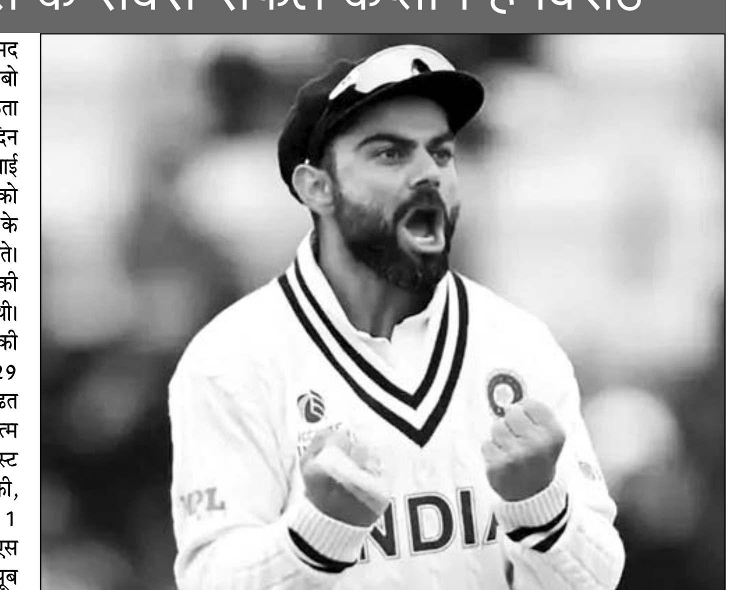

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि अगर विराट कोहली कोलंबो टेस्ट में खेलते तो भारत मुकाबला जीत सकता था। कैफ के मुताबिक, टेस्ट के आखिरी दिन भारतीय टीम में जोश और तेजी की कमी दिखाई दी। विराट टीम में होते तो वे खिलाड़ियों को लगातार उत्साहित करते और श्रीलंका के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश करते। मैच के पांचवें दिन श्रीलंका के 4 विकेट बाकी थे और टीम भारत से सिर्फ 16 रन आगे थी। यहां से सोनल दिनूषा ने नाबाद 133 रन की पारी खेली और श्रीलंका ने 9 विकेट पर 429 रन बनाकर पारी घोषित नहीं की। उसकी बढ़त 216 रन हो गई और मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ। कोहली भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान रहे हैं। उन्होंने 68 टेस्ट में कप्तानी की, जिनमें भारत ने 40 मैच जीते, 17 हारे और 11 मुकाबले ड्रॉ रहे। इस मामले में उनके बाद एमएस धोनी का नंबर आता है। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि विराट कोहली टीम में होते तो वह लगातार खिलाड़ियों से बात करके उन्हें मैच में बनाए रखते। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट लंबा खेल है और इसमें गेंदबाजों को लगातार मेहनत करनी पड़ती है। कैफ के मुताबिक, भारतीय टीम ने कई मौकों पर चीजों को अपने आप होने के लिए छोड़ दिया। उनका मानना था कि सिर्फ गेंदबाजी करते रहने से विकेट मिलने की उम्मीद करना पर्याप्त नहीं था। कैफ ने कहा कि भारतीय टीम में ऊर्जा की कमी दिखी, जिसे विराट कोहली बढ़ा सकते थे। उनके मुताबिक, कोहली मैदान पर लगातार खिलाड़ियों को उकसाते और श्रीलंकाई बल्लेबाज सोनल दिनूषा को भी दबाव में लाने की कोशिश करते। उन्होंने कहा कि कोहली सरफराज खान और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ियों को भी लगातार एक्टिव रखते और मैदान पर आक्रामक माहौल बनाते। विराट कोहली ने 12 मई 2025 को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी थी। इससे पहले वह टी-20 इंटरनेशनल से भी संन्यास ले चुके थे। अब वह सिर्फ वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। कोहली ने भारत के लिए 123 टेस्ट में 9,230 रन बनाए। उनके नाम 30 टेस्ट शतक और 31 अर्धशतक हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 254 रन है।

इमरान के बेटों के इंटरव्यू पर पाकिस्तान की धमकी स्काई स्पोर्ट्स से बोला-ब्रॉडकास्ट न करें, वरना इंग्लैंड से नहीं खेलेंगे; चैनल ने 18 मिनट दिखाया

नई दिल्ली । पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन (गुरुवार को) विवाद हो गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मैच के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर स्काई स्पोर्ट्स से पूर्व कप्तान और देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों का इंटरव्यू प्रसारित न करने को कहा। बोर्ड ने इंटरव्यू दिखाए जाने पर मैच से हटने तक की चेतावनी दे दी थी। हालांकि, स्काई स्पोर्ट्स ने की आपत्तियों के बावजूद तय समय पर 18 मिनट का इंटरव्यू ऑन-एयर किया। पाकिस्तान ने यह धमकी भी दी थी कि अगर इंटरव्यू को ब्रॉडकास्ट किया जाएगा तो लंच के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ी शायद मैदान में न उतरें। हालांकि, पाकिस्तान की टीम ग्राउंड पर आई और खेल जारी रहा। इमरान के बेटों सुलेमान और कासिम खान का इंटरव्यू इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल एथरटन ने लिया था। एथरटन उन 21 कप्तानों में शामिल हैं, जिन्होंने इमरान खान की बिगड़ती सेहत को लेकर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। इमरान अगस्त 2023 से जेल में हैं। क्रिकइंफो और द गार्जियन समेत कई मीडिया संस्थानों ने दावा किया कि टेस्ट मैच के दौरान इमरान खान के बेटों के चर्चा में आने से खुश नहीं था। पाकिस्तानी चैनल ने इंटरव्यू के बीच विज्ञापन चलाया । इमरान के बेटों का यह इंटरव्यू पाकिस्तान में मैच के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर पर भी प्रसारित किया गया। हालांकि, चैनल ने इसे कुछ ही देर दिखाने के बाद बीच में रोक दिया और स्पोर्ट्स कमर्शियल (विज्ञापन) चला दिया। प्रसारण अचानक कट होने का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है । दुनियाभर के क्रिकेट कप्तानों ने इमरान के जेल में होने को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को दो पत्र भेजे हैं। पहला पत्र फरवरी में भेजा गया था, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। दूसरी चिट्ठी 23 अगस्त को भेजी गई। इससे पहले 21 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इमरान को अस्पताल में एडमिट किया गया था, बाद में फिर अडियाला जेल भेज दिया गया। सुलेमान और कासिम खान ने जेल में अपने पिता की स्थिति को लेकर चिंता जताई। दोनों भाइयों ने कहा कि जेल में उनके पिता की जान को खतरा है। कासिम ने इंटरव्यू में कहा, यह साफ नहीं है कि वे (सरकार) क्या कर रहे हैं। वे खुले तौर पर उन्हें मारने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें ज्यादा से ज्यादा समय तक अंदर रखना और चुप कराना चाहते हैं। 73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत कई मामले दर्ज हुए। बाद में सिफर और इद्दत निकाह मामलों में उन्हें अदालत से राहत मिल गई। तोशाखाना मामले में भी उनकी एक सजा रोक दी गई।

लॉर्ड्स टेस्ट में बाबर आजम 8 रन बनाकर आउट:इंग्लैंड 290 पर ऑलआउट

लंदन। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बारिश के कारण पहले सेशन का ज्यादातर खेल नहीं हो सका, लेकिन इसके बाद पाकिस्तान के गेंदबाजों ने इंग्लैंड को 290 रन पर ऑलआउट कर दिया। मोहम्मद अब्बास ने 4 और मोहम्मद अली ने 3 विकेट लिए।

इंग्लैंड की ओर से जेमी स्मिथ ने सबसे ज्यादा 61 रन बनाए। जॉर्डन कॉक्स ने 55 और गस एटकिंसन ने 45 रन की पारी खेली। पाकिस्तान के लिए खुर्रम शहजाद और अली उस्मान को एक-एक विकेट मिला।

जवाब में पाकिस्तान की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम ने 63 रन पर तीन विकेट गंवा दिए हैं। कप्तान बाबर आजम सिर्फ 8 रन बनाकर जोश टंग की गेंद पर जॉर्डन कॉक्स के हाथों कैच आउट हुए। खबर लिखे जाने तक अजान अवैस 26 और सऊद शकील 16 रन बनाकर क्रीज पर हैं।

अब्बास ने पहले सेशन में इंग्लैंड के विकेट लिए पाकिस्तान के बॉलर्स को बादल छाए होने के कारण शुरुआत में मदद मिली। मोहम्मद अब्बास ने नई गेंद से इंग्लैंड के बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया।

अब्बास ने पहले एमिलियो गे को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। इसके बाद बेन डकेट को किया। जो रूट भी अब्बास की अंदर आती गेंद पर होकर 4 रन पर आउट हुए। इस विकेट के साथ अब्बास ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में अपने 900 विकेट पूरे किए।

कॉक्स और स्मिथ ने पारी संभाली

इंग्लैंड ने 77 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद जॉर्डन कॉक्स और डैन लॉरेंस ने पारी को संभाला। दोनों ने मुश्किल परिस्थितियों में रन जोडे। पाकिस्तान को एक मौका भी मिला, लेकिन कैच छूट गया। आखिरकार लॉरेंस रनआउट होकर 17 रन पर आउट हुए। इसके बाद कॉक्स ने जेमी स्मिथ के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। स्मिथ को 19 रन के स्कोर पर जीवनदान भी मिला। दोनों ने इंग्लैंड को 200 के पार पहुंचाया। कॉक्स 55 रन बनाकर सब्स्टीट्यूट फील्डर सलमान आगा के शानदार कैच का शिकार हुए। जॉर्डन कॉक्स के आउट होने के बाद गस एटकिंसन और जेमी स्मिथ ने कुछ तेजी से रन बनाए। स्मिथ ने अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इसके बाद मोहम्मद अली ने पाकिस्तान को मैच में वापस ला दिया। । अली ने पहले जेमी स्मिथ को 61 रन पर बोल्ड किया और दो गेंद बाद ओली रॉबिन्सन को भी बोल्ड कर दिया। इसके बाद अब्बास ने जोफ्रा आर्चर को आउट कर अपना चौथा विकेट हासिल किया। इंग्लैंड की आखिरी जोडी ने कुछ रन जोडे, लेकिन पाकिस्तान ने पूरी टीम को 66.4 ओवर में 290 रन पर समेट दिया। अब्बास ने 20 ओवर में 73 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद अली ने 22 ओवर में 86 रन देकर 3 विकेट चटकाए। इंग्लैंड की पहली पारी के जवाब में पाकिस्तान ने शुरुआत में ही दो विकेट गंवा दिए। शान मसूद 1 और अब्दुल्लाह शफीक 5 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान बाबर आजम भी ज्यादा देर नहीं टिक सके। वह 10 गेंदों पर 8 रन बनाकर जोश टंग की गेंद पर जॉर्डन कॉक्स को कैच दे बैठे। इसके बाद अजान अवैस और सऊद शकील ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच 33 रन की साझेदारी हो गई है।

इंग्लैंड: बेन डकेट, एमिलियो गे, जॉर्डन कॉक्स, जो रूट (कप्तान), हैरी ब्रूक, डैन लॉरेंस, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), ओली रॉबिन्सन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोश टंग।

पाकिस्तान: इमाम-उल-हक, अजान अवैस, अब्दुल्लाह शफीक, शान मसूद, बाबर आजम (कप्तान), सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), अली उस्मान, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अली।

कैरोलिना मुचोवा और जाकुब मेंसिक ने जीता यूएस ओपन मिश्रित युगल का खिताब

न्यूयॉर्क, । चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा और जाकुब मेंसिक ने बेलिंडा बेनचिच और इटली के फ्लावियो कोबोली को 6-3, 1-6, 10-6 से हराकर यूएस ओपन 2026 का मिश्रित युगल खिताब जीत लिया। यह जोड़ी का साथ में पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। आर्थर ऐश स्टेडियम में स्थानीय समयानुसार बुधवार को खेले गए मुकाबले में मुचोवा और मेंसिक ने शानदार शुरुआत की। तेज सर्विस के लिए मशहूर मेंसिक ने सेट प्वाइंट पर बेनचिच के खिलाफ ऐस लगाकर पहला सेट 30 मिनट से भी कम समय में अपने नाम किया।

दूसरे सेट में बेनचिच ने 3-1 की बढ़त हासिल करने के लिए सर्विस ब्रेक किया। इसके बाद उनके फोरहैंड से निकली गेंद नेट कॉर्ड से टकराकर मुचोवा की पहुंच से दूर चली गई और स्विस खिलाड़ी ने मैच बराबर कर दिया। निर्णायक 10 अंकों के टाईब्रेक में मेंसिक की दमदार सर्विस और नेट पर उनके शानदार खेल ने चेक जोड़ी को बढ़त दिलाई। 20 वर्षीय मेंसिक ने शानदार वॉली लगाकर अपनी टीम को 8-4 से आगे किया। इसके बाद मुचोवा ने मैच की अपनी सबसे बेहतरीन सर्विस करते हुए चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किए। मेंसिक ने एक और ऐस लगाकर मुकाबला समाप्त किया और जीत के बाद खुशी से उछल पड़े। यह सीजन के अंतिम ग्रैंड स्लैम में उनका पहला खिताब है। मुचोवा ने मजाकिया अंदाज में कहा कि ट्रॉफी समारोह में दोनों के एक जैसे कपड़ों ने उनकी जीत में अहम भूमिका निभाई।

'पड़ोसी देशों से रैस्क्यू अभियान में सहायता नहीं चाहिए'

नेपाल सरकार ने इस घोषणा के साथ ही यह भी कहा कि वो आर्थिक सहायता व खाद्य सामग्री व दवाओं की मदद लेने को तैयार है

- नेपाल को भारत, चीन, अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका व बाँग्लादेश ने तलाशी अभियान में सहायता टीमें भेजने की पेशकश की थी, कुछ देशों ने तलाशी के लिए हैलीकॉप्टर देने की पेशकश भी की थी, पर, नेपाल ने इन्कार कर दिया।
- नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक अफसर ने बताया कि सरकार का मानना है कि नेपाल की सेना तलाशी अभियान चलाने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि 2015 में जब नेपाल में भूकंप आया था, तब दूसरे देशों से हैलीकॉप्टर व सैन्य बचाव टीमें आई थीं, जिससे एयरपोर्ट्स, सड़कों आदि पर भारी भीड़ हो गई थी। इस बार नेपाल सरकार ऐसा कुछ नहीं चाहती है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अगस्त। नेपाल ने भारत, चीन और कई अन्य देशों की ओर से भोटे कोशी बाढ़ के बाद लापता लोगों की तलाश और बचाव के लिए हेलीकॉप्टर और प्रशिक्षित दल भेजने की पेशकश को ठुकरा दिया है। प्रधानमंत्री बालेन शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने कहा कि उसकी सुरक्षा एजेंसियां बचाव अभियान चलाने में सक्षम हैं और उसने सैकड़ों लापता विदेशी नागरिकों से जुड़ी जानकारी के समन्वय के लिए एक केन्द्रीय व्यवस्था बनाई है।

जहाँ नेपाल, सरकार के माध्यम से भेजी जाने वाली राहत सामग्री और आर्थिक सहायता के रूप में विदेशी मदद स्वीकार कर रहा है, वहीं उसने विदेशी खोज और बचाव सहायता लेने से इनकार कर दिया है। काठमांडू के इस फैसले के पीछे अतीत का एक अनुभव भी है।

काठमांडू स्थित समाचार माध्यमों, द काठमांडू पोस्ट और हाम्रो पात्रो के अनुसार, भारत, चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका और बांग्लादेश उन देशों में शामिल थे, जिन्होंने आधिकारिक या अनौपचारिक रूप से खोज और बचाव दल भेजने की पेशकश की थी। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी काठमांडू से संपर्क किया था, जबकि कुछ सरकारों ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रशिक्षित हेलीकॉप्टर और कर्मचारियों की पेशकश की थी।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, अचानक आई बाढ़ में करीब 400 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1,300 से अधिक लोगों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। लापता लोगों में कैलाश मानसरोवर और गोसाईं कुंड की यात्रा कर रहे भारतीयों सहित, सैकड़ों विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। कम से कम 84 भारतीयों को बचाया जा चुका है और सैकड़ों अभी भी लापता हैं।

"पड़ोसी पहले" नीति के तहत भारत ने शुरुआत में 10 टन मानवीय सहायता भेजी और इसके बाद सैन्य परिवहन विमानों से 37.5 टन और राहत सामग्री भेजी। सी-130जे और सी-17 विमानों से भेजी गई सामग्री में अस्थायी आश्रय, कंबल, स्वच्छता किट, सौर लैंप, दवाइयां और भोजन के पैकेट शामिल थे। नई दिल्ली ने नेपाल को बैली और पहले से तैयार ट्रस पुल देने की भी पेशकश की है, जहां दर्जनों छोटे-बड़े पुल नष्ट हो गए हैं। 2015 में नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप के समय भारत सबसे पहले मदद पहुंचाने वाले देशों में शामिल था।

तो फिर काठमांडू ने भारत, चीन और अमेरिका सहित देशों से खोज और बचाव अभियान में किसी भी तरह की सहायता लेने से इनकार क्यों किया है?

नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने "द काठमांडू पोस्ट" को बताया कि सरकार को कई देशों और संगठनों से आधिकारिक और अनौपचारिक अनुरोध मिले थे, जो अपने दल भेजने की अनुमति मांग रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया है, "हालांकि, सरकार ने उन्हें बताया है कि नेपाल की अपनी सुरक्षा एजेंसियां इस अभियान को संभालने में सक्षम हैं।"

द काठमांडू पोस्ट में उद्धृत विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अप्रैल 2015 में आए भूकंप के बाद नेपाल का अनुभव इस फैसले का मुख्य आधार था।

भूकंप के बाद पूरी दुनिया से बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय मदद पहुंची थी। बचाव दल, सैन्य विमान और राहत संगठन दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से नेपाल पहुंचे थे। इससे नेपाल की आपातकालीन क्षमता बढ़ी, लेकिन अचानक बडी संख्या में विदेशी दलों के पहुंचने से प्रशासन और सामान की व्यवस्था पर भी गंभीर दबाव पडा था।

नेपाली अधिकारियों ने पोस्ट को बताया कि विदेशी दलों के बीच आपसी होड़ और उनकी गतिविधियों के समन्वय में आई मुश्किलों ने स्थिति को और जटिल बना दिया था। उस समय हवाई अड्डे, सडकें और संचार नेटवर्क पहले से ही दबाव में थे।

अब काठमांडू कई अलग-अलग विदेशी बचाव दलों को स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति देने के बजाय स्पष्ट नेपाली नेतृत्व और नियंत्रण व्यवस्था बनाए रखकर उस स्थिति को दोबारा पैदा होने से बचना चाहता है।

नेपाल ने विदेशी खोज और बचाव सहायता लेने से इनकार किया है, लेकिन राहत सामग्री और आर्थिक सहायता के रूप में मदद स्वीकार कर रहा है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नई दिल्ली की प्रतिक्रिया के बारे में बात करते हुए इस अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, "नेपाल की ओर से जो भी अनुरोध किया गया है, हम उस पर कार्रवाई कर रहे हैं।"

नेपाल ने विदेशों में स्थित अपने मिशनों से कहा है कि वे केवल प्रधानमंत्री राहत कोष के माध्यम से आर्थिक सहायता जुटाएं। इस "एक-द्वार व्यवस्था" का उद्देश्य सम्पूर्ण आर्थिक सहायता को एक जगह से नियंत्रित करना, सहायता के दोहराव से बचना और सरकार को यह तय करने की सुविधा देना है कि किन क्षेत्रों में संसाधनों की सबसे ज्यादा जरूरत है।

काठमांडू को उम्मीद है कि राहत और पुनर्निर्माण के दौरान वह आगे भी आर्थिक और सामग्री संबंधी सहायता मांगेगा। अमेरिका, ब्रिटेन और विश्व बैंक पहले ही सहायता की घोषणा कर चुके हैं, जबकि एशियाई विकास बैंक ने आपात स्थिति से आगे बढ़कर जोखिम का आकलन, शुरुआती चेतावनी प्रणाली और आपदाओं का सामना करने में सक्षम बुनियादी ढांचे के लिए सहायता देने की पेशकश की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को श्रावण पूर्णिमा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित माँ राजराजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव का विधि विधान से पूजन-अभिषेक एवं हवन किया। उन्होंने भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृधि और खुशहाली की निरंतर वर्षा होने की प्रार्थना की।

दिल्ली में आईएसआई के लिये जासूसी करने वाला दम्पती गिरफ्तार

यह दम्पती 2024 से सोशल मीडिया के जरिये आईएसआई एजेन्ट से सम्पर्क में है

- आरोपियों ने 2024 और 25 में आठ भारतीय सिम कार्ड सीमा पार भेजे, जिसका उपयोग भारतीय वॉट्सएप ग्रुपों में घुसपैठ कर गुप्त जानकारी जुटाना है।

नई दिल्ली, 28 अगस्त। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन वाले एक अंतरराष्ट्रीय जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है।

सुरक्षा एजेंसियों के साथ संयुक्त कार्रवाई में सेल ने दिल्ली-एनसीआर में रह रहे युवा दंपति साहिल (25) और उसकी पत्नी समीरा (21) को गिरफ्तार किया है। दोनों पर पाकिस्तान स्थित इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स के लिए जासूसी करने, भारतीय सैन्य ठिकानों की रेकी करने और संवेदनशील जानकारी सीमा पार भेजने का आरोप है।

पुलिस जांच के अनुसार, यह दंपति साल 2024 से सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी एजेंट्स के संपर्क में था। नेटवर्क का मुख्य मकसद भारत के रक्षा प्रतिष्ठानों और सैन्य गतिविधियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी हासिल करना था।

आरोपियों ने भारतीय सिम कार्ड हासिल कर उन्हें दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेजा, जहां इन नंबरों पर वाट्स एप अकाउंट्स एक्टिवेट किए गए। पाकिस्तानी पीआईओएस ने इन नंबरों का इस्तेमाल भारतीय नागरिकों से संपर्क साधने और विभिन्न भारतीय वाट्सएप ग्रुप्स में घुसपैठ कर गुप्त जानकारी जुटाने के लिए किया।

2024 और 2025 के दौरान कुल 8 भारतीय सिम कार्ड सीमा पार भेजे गए, जिसके एवज में पाकिस्तानी हैंडलर्स ने आरोपियों को 30 हजार रुपये का भुगतान किया।

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी साहिल को भारत के विभिन्न कैंटोनमेंट (छावनी) इलाकों की रेकी करने तथा नेटवर्क में अन्य स्थानीय लोगों को भर्ती करने की जिम्मेदारी दी गई थी। साहिल ने उन सैन्य कर्मियों की जानकारी भी पाकिस्तानी एजेंट्स को मुहैया कराई, जिनके खिलाफ सशस्त्र बल अधिकरण में कोर्ट मार्शल की कार्रवाई लंबित थी, ताकि उनका इस्तेमाल ब्लैकमेलिंग या सूचना हासिल करने के लिए किया जा सके।

साहिल 2024 में इंस्टाग्राम के माध्यम से एक पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में आया था। यह संपर्क समीरा के जरिए हुआ था, जिससे बाद में साहिल ने शादी कर ली।

एजेंट ने दोनों को पीआईओ से मिलवाया, जिसने उन्हें वित्तीय मदद का झांसा देकर स्लीपर सेल और लॉजिस्टिक सपोर्ट देने के लिए तैयार किया।

स्पेशल सेल ने सबसे पहले साहिल को सराय काले खां स्थित उसके निवास स्थान से हिरासत में लिया। मोबाइल की फॉरेंसिक जांच में पाकिस्तानी एजेंट्स के साथ संदिग्ध चैट बरामद हुई। पूछताछ के बाद उसकी पत्नी समीरा को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जो सिम कार्ड भेजने के काम में मुख्य भूमिका निभा रही थी।

नीट लीक के बाद केन्द्र सरकार ने एनटीए में तीन अफसर लगाये

- ये अधिकारी एनटीए की कार्यप्रणाली को सुधारेंगे, वे तीन सप्ताह में पद संभालेंगे

नई दिल्ली, 28 अगस्त। नीट यूजी पेपर लीक होने के बाद से ही एनटीए की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हाल ही में एनटीए में प्रश्न-पत्र बनाने वाले 600 एक्सपर्ट को उनके पद से हटाया गया था। साथ ही सरकार की ओर से एनटीए में नए पदों पर नियुक्ति के लिए नई टीम का गठन भी किया गया था। इसी को मद्देनजर रखते हुए केन्द्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में दो डायरेक्टर और एक ज्वाइंट डायरेक्टर को नियुक्त किया है, ताकि एजेंसी बेहतर ढ ंग से संचालित की जा सके।

एनटीए की कार्यप्रणाली को संभालने के लिए केन्द्र सरकार की ओर से एजेंसी में 3 अधिकारियों की नियुक्ति की गई हैं। इसमें भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी रवि कुमार सिंह और इंडियन पुलिस सर्विस अधिकारी (आईपीएस) प्रसन्ना वेंकटेश वी शामिल हैं। कार्मिक मंत्रालय द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार, अधिकारियों को आदेश जारी होने के 3 सप्ताह के भीतर अपने पद को संभालना होगा, अन्यथा पद न ग्रहण करने पर अधिकारियों को केन्द्रीय कर्मचारी योजना से बाहर किया जा सकता है।

बता दें, साल 2016 बैच के भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी अमित समदरिया को एनटीए में बतौर ज्वाइंट डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। हाल ही में एनटीए में प्रश्न-पत्र तैयार करने वाले 600 एक्सपर्ट को हटाया गया था। एनटीए की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के लिए केन्द्र सरकार ने कई अहम फैसले भी लिए थे, जिसमें चार-स्तरीय पेपर चेकिंग प्रक्रिया भी शामिल थी। इस प्रक्रिया के तहत अब किसी भी परीक्षा के लिए प्रश्न-पत्र की जांच एक स्तर पर नहीं की जाएगी। परीक्षा को बेहतर ढ ंग से संचालित करने के लिए पेपर की जांच अब 4 फेज में पूरी की जाएगी। परीक्षा के लिए पेपर तैयार करने के बाद तथ्यों पर नजर, टाइपिंग, भाषा और अनुवाद जैसी गलतियों की जांच बारीकी से की जाएगी।

केन्द्र सरकार ने परीक्षा पर आमजन से सुझाव मांगे

नई दिल्ली, 28 अगस्त। केन्द्र सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में परीक्षाओं से जुड़े सुधार के लिए आमजन से सुझाव आमंत्रित किए हैं। सरकार पहले ही एक उच्चाधिकार प्राप्त कार्य बल गठित कर चुकी है। यह कार्यबल सार्वजनिक परीक्षाओं में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और सभी नागरिकों से उनके इस विषय में मत जाना चाहता है।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को एक पोस्ट कर सुझाव आमंत्रित किए हैं और इस संबंध में व्हाट्सएप, वेबसाइट, टोल फ्री नंबर और ई-मेल पता जारी किया है।

6 महीने पूरे हो गए, अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समर्थक बन गए हैं। पुराने स्थापित नेताओं के मारे जाने के बाद नए नेता सामने आए हैं, जो पिछले नेताओं से भी ज्यादा कट्टर साबित हो रहे हैं।

दूसरा घोषित उद्देश्य ईरान के परमाणु हथियारों के पूरे ढांचे को पूरी तरह नष्ट करना था, ताकि ईरान परमाणु हथियारों का बड़ा भंडार तैयार न कर सके। एक तरह से, ओबामा के दौर में हुआ बहुराष्ट्रीय समझौता भी खत्म हो गया था। इस समझौते के तहत, ईरान की परमाणु सामग्री तक पहुंच सीमित की गई थी और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी यानी आईएईए के तहत, उसकी आंतरिक परमाणु गतिविधियों की निगरानी की जाती थी। ट्रंप इस स्थापित समझौते से बाहर निकल गए थे।

परमाणु मुद्दे पर, ऐसा लगता है कि डॉनल्ड ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर हुए पिछले बहुराष्ट्रीय समझौते के मामले में आगे बढ़ने के बजाय पीछे हट गए हैं। इस बीच ट्रंप लगातार बड़े दावे करते रहे हैं कि उन्होंने ईरान की सभी परमाणु हथियार बनाने वाली सुविधाओं को पहले ही नष्ट कर दिया है। हालांकि, उनके अपने प्रशासन के लोगों ने भी कई बार इन दावों का खंडन किया है। युद्ध शुरू होने के बाद से जिस मामले में ट्रंप पूरी तरह विफल रहे हैं, वह महत्वपूर्ण होर्मुज़ जलडमरूमध्य का संचालन है। जब फरवरी के अंत में युद्ध शुरू हुआ था, तब होर्मुज़ जलडमरूमध्य ऐसा खुला समुद्री रास्ता था, जहां किसी भी देश के जहाज लगभग बिना किसी रुकावट के गुजर सकते थे

युद्ध शुरू होने के बाद से यह जलडमरूमध्य ईरान के पूरी तरह नियंत्रण में आ गया है और एक स्थानीय तालाब जैसा बन गया है। यहां तक कि अमेरिका ने भी अपनी शक्तिशाली नौसैनिक टुकड़ियों के साथ इस संकरे समुद्री रास्ते से आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं की है। यह निश्चित रूप से अमेरिका और उसके अहंकारी राष्ट्रपति के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। लेकिन ईरानियों के सामने झुकने की यह मजबूरी दुनिया के लिए बहुत महंगी साबित हुई है, क्योंकि होर्मुज़ जलडमरूमध्य के लगभग बंद होने का मतलब है- तेल की आवाजाही पर रोक।

इसके परिणामस्वरूप तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गई हैं और दुनिया को युद्ध से पहले की तुलना में तेल के लिए बहुत अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। फिर भी ट्रंप यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने जलडमरूमध्य पर नियंत्रण हासिल कर लिया है और, यहां तक कि, इसे अमेरिकी क्षेत्र घोषित कर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने रक्षाबंधन व विश्व संस्कृत दिवस पर शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली, 28 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देशवासियों को रक्षा बंधन और विश्व संस्कृत दिवस की शुभकामनाएं दीं। उनके एक्स हैंडल पर इस संबंध में दो पोस्ट साझा हुए हैं।

एक रक्षाबंधन से संबंधित श्लोक सुभाषितम् के रूप में है और दूसरा विश्व संस्कृत दिवस से संबंधित श्लोक। उन्होंने लिखा, रक्षाबंधन का यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सफलता लेकर आए। स्नेह, अपनत्व और आपसी विश्वास की डोर सदैव अटूट बनी रहे, यही कामना है।

बैरियर लेक ओवर फ्लो, दूसरी बार भारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इलाकों के लिए पानी का बहाव बढ़ने के बाद नई चेतावनी जारी की है। बचाव एवं राहतकर्मियों तथा जोखिम वाले इलाकों में मौजूद लोगों से कहा गया है कि हालात बिगड़ने से पहले वे तुरंत सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। आपदा की शुरुआत नेपाल-तिब्बत सीमा के पास ग्लेशियर टूटने से जुड़े एक हिमखंड-पत्थर के हिमस्खलन के बाद हुई। इसके बाद पानी के तेज बहाव ने रसुवा और नुवाकोट के इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया और बड़ी मात्रा में पानी, चट्टानें तथा कीचड़ नीचे की ओर बहा ले गया। बाढ़ के भोतेकोशी और त्रिशूली नदी तंत्र में फैलने से पहले तिमुरे और रसुवागढ़ी सहित कई इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए। तबाही इतनी ज्यादा है कि जीवित बचे लोगों तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो गया है। सड़कें और पुल बह गए हैं, जबकि घर, बाजार, खेत और सरकारी इमारतें कीचड़ की मोटी परतों और मलबे के नीचे दब गई हैं। कई दूरदराज के इलाके अब भी संपर्क से कटे हुए हैं। नेपाल के अधिकारियों ने 910 लोगों के लापता होने की सूचना दी है, जबकि तिब्बत के अधिकारियों ने 558 अन्य लोगों के लापता होने की जानकारी दी है। इस तरह सीमा के दोनों ओर लापता लोगों की कुल संख्या 1,468 हो गई है।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि नेपाल में 290 भारतीय नागरिकों से अब भी संपर्क नहीं हो पाया है। अब तक 84 भारतीय नागरिकों को बचाया जा चुका है। इनमें त्रिशूली- जलविद्युत परियोजना के 63 कर्मचारी शामिल हैं। तिब्बती क्षेत्र में करीब 200 अन्य भारतीयों ने भी निकासी के लिए मदद मांगी है। बाढ़ से नेपाल के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। सड़क विभाग ने बताया कि नुवाकोट और रसुवागढ़ी के बीच 42 किलोमीटर लंबे मार्ग को कई जगह नुकसान पहुंचा है और कई कंक्रीट पुल बह गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, 35 मोटरेबल पुल, 45 झूला पुल और करीब 40 किलोमीटर पक्की सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। त्रिशूली और देवघाट जलविद्युत परियोजनाएं तथा बिजली से जुड़ा अन्य बुनियादी ढांचा भी प्रभावित हुआ है। त्रिशूली- परियोजना स्थल पर नेपाल सेना ने सुरंग के भीतर फंसे करीब 350 कर्मचारियों और श्रमिकों को बचाया। हालांकि, अब भी 100 से अधिक लोगों के वहां फंसे होने की आशंका है।

इस बीच, बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली नेपाल सरकार ने कहा है कि उसे खोज एवं बचाव अभियान के लिए विदेशी सहायता की आवश्यकता नहीं है। खबरों के मुताबिक, भारत, चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका और बांग्लादेश ने इस अभियान में मदद की पेशकश की है। नेपाल सेंटर फॉर डिज़ास्टर मैनेजमेंट के प्रमुख ने अल जज़ीरा को बताया कि करीब 800 लोगों को हेलीकॉप्टर से और 700 लोगों को जमीन के रास्ते बचाया गया है। बचे हुए लोगों तक राहत सामग्री हवाई मार्ग से पहुंचाई जा रही है। लापता लोगों में करीब 644 के विदेशी नागरिक होने की खबर है।

हाईकोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने फिलहाल नियुक्ति प्रक्रिया रद्द करने के राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। अदालत ने मामले में राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 24 सितंबर को होगी।

अकाली दल के साथ गठबंधन ...

- इन लोकसभा चुनावों में भाजपा 23 विधानसभा क्षेत्रों में पहले, छः पर दूसरे और 16 पर तीसरे स्थान पर रही। इसलिए भाजपा का दावा है उसे ज्यादा सीटें मिलनी चाहिए।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अकेले का प्रदर्शन है। उस चुनाव में पंजाब में भाजपा को 18.5 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे, लेकिन राज्य की 13 लोकसभा सीटों में से उसे एक भी सीट नहीं मिली। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को केवल तीन, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को सात सीटें मिलीं, जबकि दो सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों के खाते में गईं। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) की हरसिमरत कौर बादल ने बठिंडा लोकसभा सीट बरकरार रखी। उनके पति सुखबीर सिंह बादल संकटग्रस्त एसएडी का नेतृत्व कर रहे हैं।

लेकिन आंकड़े बताते हैं कि उस चुनाव में भाजपा 23 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रही थी। छह सीटों पर वह दूसरे और 16 पर तीसरे स्थान पर रही। इस तरह इन 45 विधानसभा सीटों पर वह एसएडी से आगे थी। सूत्रों के मुताबिक, अब भाजपा के हिस्से में कितनी सीटें होनी चाहिए, इसे लेकर यही 45 सीटों का आंकड़ा चर्चा में है।

सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में एसएडी को करीब 13.4 प्रतिशत वोट मिले थे। विधानसभा क्षेत्रों के आंकड़ों के अनुसार, अकाली दल नौ सीटों पर आगे रहा, पांच पर दूसरे और पांच पर तीसरे स्थान पर रहा। इस लिहाज से उसका प्रदर्शन उसके तत्कालीन कनिष्ठ सहयोगी भाजपा से भी कमजोर रहा।

दोनों दलों को मिलाकर करीब 32 प्रतिशत वोट मिले थे और 64 विधानसभा क्षेत्रों में उनका मजबूत प्रदर्शन रहा था।

भाजपा का आकलन है कि यदि दोनों दल साथ होते तो गठबंधन 57 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रहता। यह 117 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के आंकड़े से केवल दो सीट कम है। सूत्रों का कहना है कि दोबारा बना गठबंधन सत्ता विरोधी माहौल का लाभ उठाकर आप को कड़ी चुनौती दे सकता है। राज्य में कांग्रेस अब भी गुटबाजी से जूझ रही है।

एसएडी और भाजपा 1996 से 2020 तक गठबंधन में रहे। 1997 के विधानसभा चुनाव में दोनों ने भारी जीत दर्ज की थी। एसएडी को 75 और भाजपा को 18 सीटें मिली थीं। 2007 में अकाली दल ने 49 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 19 सीटों तक पहुंच गई। 2012 में गठबंधन ने लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटकर इतिहास बनाया, जिसमें एसएडी को 56 और भाजपा को 12 सीटें मिलीं।

लेकिन इस बार एक और अहम सवाल यह है कि कौन-सी पार्टी किस सीट पर चुनाव लड़ेगी। आमतौर पर भाजपा ने हिंदू बहुल शहरी क्षेत्रों में और अकाली दल ने ग्रामीण इलाकों में चुनाव लड़ा है, जहां सिख आबादी अधिक है। लेकिन इस बार अकाली दल कुछ अर्ध-शहरी सीटों पर भी चुनाव लड़ने की योजना बना रहा है, जहां भाजपा को मजबूत माना जाता है। भाजपा ने अपनी राज्य इकाई में शीर्ष पदों पर जाट सिख नेताओं को नियुक्त किया है और वह ग्रामीण पंजाब में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। गठबंधन चर्चा से परिचित लोगों के मुताबिक, सीटों के समझौते में विशेष रूप से इन क्षेत्रों को ध्यान में रखना होगा। इसके बाद, चुनाव में मुख्यमंत्री पद के घोषित उम्मीदवार के साथ उतरने का सवाल है। माना जा रहा है कि भाजपा इसके पक्ष में नहीं है। अकाली दल चाहता है कि सुखबीर सिंह बादल को गठबंधन के मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया जाए। सूत्रों के अनुसार, कुछ भाजपा नेताओं का मानना है कि उनकी खराब छवि सफलता के रास्ते में बाधा बन सकती है। सुखबीर सिंह बादल अपने पिता और दिवंगत मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के कार्यकाल में उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं।

लेकिन, अगर गठबंधन बनता है और चुनाव जीतता है, तो मुख्यमंत्री पद अकाली दल के पास जाएगा, क्योंकि वह अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगा। भाजपा उपमुख्यमंत्री पद पर दावा कर सकती है।

फिलहाल दोनों ही दल गठबंधन की घोषणा को लेकर जल्दबाजी में नहीं हैं। भाजपा के संगठन महासचिव बीएल संतोष के हालिया पंजाब दौरे के दौरान, सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के बूथ स्तर के संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया। भाजपा राज्यभर में नशे के मुद्दे पर एक यात्रा निकालने की भी योजना बना रही है, जिसमें केन्द्र सरकार की हालिया उपलब्धियों को भी रेखांकित किया जाएगा।

बिलासपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुंचा। विमान में सवार सभी 60 यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी को भी चोट नहीं आई है।

इस घटना के बाद विमान में आई तकनीकी खराबी के कारण बिलासपुर से प्रयागराज जाने वाली कनैक्टिंग फ्लाइट को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया। फ्लाइट रद्द होने के कारण यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।

खाद्य व पेय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को लेकर सचेत हो सकेंगे। नेस्ले, पेप्सिको और कोका-कोला जैसी कंपनियां इस कदम का विरोध कर रही हैं, क्योंकि इससे बिक्री पर असर पड़ने की आशंका है।

सुप्रीम कोर्ट में एफएसएसएआइ की एक फाइलिंग का हवाला देते हुए रॉयटर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि चेतावनी लेबल पर अधिक फैट या वसा, अधिक शुगर, अधिक नमक या बहुत ज्यादा मीठा ड्रिंक जैसी जरूरी जानकारी लिखी होगी, ताकि ग्राहक आसानी से उन उत्पादों की पहचान कर सकें जिनमें बताए गए न्यूट्रिएंट्स अधिक हों।

सोनिया गांधी की आत्मकथा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पब्लिशर ने यह जरूर स्वीकार किया कि वे "पुस्तक प्रकाशित करने के लिए उत्सुक" थे। उन्होंने कहा कि लेखकों की किताबों के तथ्यों की जांच करना और उन्हें सुझाव देना उनकी जिम्मेदारी है, इससे संकेत मिलता है कि सोनिया गांधी के साथ पुस्तक को लेकर बातचीत हुई थी।

प्रकाशक ने कहा, "एक प्रकाशक के रूप में तथ्यों की जांच करना और लेखकों को उनकी पुस्तकों के हित में सुझाव देना हमारा अधिकार और जिम्मेदारी दोनों है। यह प्रकाशन प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा है।"

हालांकि, प्रकाशक ने लेखिका के साथ हुई बातचीत का विवरण बताने से इनकार कर दिया।

बयान में कहा गया, संबंधित बातचीत के दौरान पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया का रुख यही रहा कि हम पुस्तक प्रकाशित करने के लिए इच्छुक और उत्सुक थे। "हम लेखिका के साथ हुई गोपनीय बातचीत पर आगे कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।"

पैनग्विन के इस मामले से बाहर होने के बाद अब कई भारतीय प्रकाशक पुस्तक के प्रकाशन अधिकार हासिल करने की दौड़ में हैं। खबर है कि हार्पर कॉलिन्स भारत में पुस्तक के प्रकाशन और वितरण के लिए समझौते को अंतिम रूप देने के करीब है।

अमेरिकी प्रकाशन जगत की बड़ी कंपनी और पैनग्विन रैंडम हाउस की एक इकाई अल्फ्रेड ए. नॉफ ने घोषणा की है कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का संस्मरण 10 नवंबर को प्रकाशित होगा।

नॉफ के माध्यम से जारी एक बयान में सोनिया गांधी ने कहा, मेरे परिवार के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन बहुत कम कहानियां उनके उद्देश्यों, उनके कार्यों और उनकी मानवीय कमजोरियों की सच्चाई तक पहुंच पाई हैं। कई मायनों में यह पुस्तक उनकी मानवीयता को श्रद्धांजलि है। मेरी कहानी पाठकों को उस खूबसूरत देश में हुए सामाजिक और राजनीतिक बदलावों का एक अनोखा नजरिया भी देती है, जिसे मैंने अपना देश माना है और जहां मैं छह दशकों से रह रही हूं।

"बिलॉन्गिंग" में सोनिया गांधी ने अपने जीवन के उस दौर के बारे में लिखा है, जब 1984 में उनकी सास इंदिरा गांधी की हत्या कर दी गई और उनके बाद राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने, जिनकी सात साल बाद हत्या कर दी गई।

आखिरकार सोनिया गांधी राजनीति में उतरीं और कांग्रेस की सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहने वाली नेता बनीं। उन्होंने अपनी पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री बनने का प्रस्ताव भी ठुकरा दिया था। सन् 2014 में उनकी पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भाजपा से सत्ता हार गई।

उन्होंने कहा, "अपने जीवन के बारे में लिखना मेरे लिए आसान नहीं था। इसका मतलब था- खुद को खोलना और उन पलों तथा अनुभवों को साझा करना, जिन्हें मैंने हमेशा अपने भीतर गहराई से संभालकर रखा था। लेकिन जैसे-जैसे मैंने खुद को राजनीतिक क्षेत्र से दूर किया और पीछे मुड़कर उन सभी चीजों को देखा जिन्हें मैंने देखा था, मेरे जीवन में प्रेम और निष्ठा का जो धागा लगातार जुड़ा रहा, वह धीरे-धीरे स्पष्ट होने लगा। यह कहानी इटली के एक छोटे शहर में मेरे सरल बचपन से लेकर भारत में राजीव गांधी की पत्नी और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की बहू के रूप में बिताए जटिलता से भरे वर्षों तक की है।" पब्लिशिंग हाउस किताब में बदलाव चाहता था। पर, अगर यह किताब बिना बदलाव बाजार में आ जाती, और इसमें वही सब कुछ लिखा होता, जो सोनिया गांधी लिखना चाहती थीं, तो इससे आरएसएस-भाजपा के पूरे तंत्र को शर्मिंदा होना पड़ता, खासकर तब, जबकि प्रधानमंत्री की छवि तेजी से कमज़ोर हो रही है और विपक्ष के नेता की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908